REGISTERED NO. D (DN) -73

# The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

सं• 36] No. 361 नई बिश्लो, शनिवार, सितम्बर 6, 1986 (भावपद 15, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1986 (BHADRA 15, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि वह अलग संस्थान के कप में एका जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be find an a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखाररीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विमाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Counission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेँशन मंत्रालय कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग . लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी मस्री, दिनांक 13 श्रगस्त 1986

सं० 2/8/85-स्थापना-कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्लो के पन्न सं० 13014/1/86- टी० आई० एम० (III) दिनांक जुलाई 21, 1986 के ग्रनुमरण में श्री एस० एस० एल० तकरू, स्थायी विष्ठ ग्राशुलिपिक को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन ग्रकादमी, मसूरी में निदेशक के व्यक्तिगत सिंबव (ग्रूप "बी"- राजपितत) के पद पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन मान में, दिनांक 21 जुहाई 1986 (पूष ह) से नियुक्त किया जाता है।

श्रनुपम कुलश्रेष्ठ उप निवेशक

# केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली-3, दिनांक 8 ग्रगस्त 1986 सं -II/डी०डी०(ए)/सी० बी० ग्राई०/86—निदेश,क के० ग्र०व्यूरी एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना 1+22661/86 श्री हंस राज बुलबुल की दिनांक 1 अगस्त, 1986 से अगले श्रादेश होने तक, के० अ० ब्यूरी में, नियमित आधार पर पदोन्नति होने पर, कार्यालय अधीक्षक, के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 ग्रगस्त 1986

सं ए० 19036/16/82-प्र०-5-प्रत्यावर्तन होने पर हिमाचल प्रदेश राज्य पुलिस से के० अ० ब्यूरो में प्रसिनियुष्टि पर ग्राए, श्री कर्ण सिंह, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 31 खुलाई 1986 ग्रपराह्य से हिमाचल प्रदेश सरकार को सौंपी जाती है।

सं० 3/36/86-प्रमासन-5--निवेशक, के० झ० ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना उड़ीसा राज्य पुलिस के श्रिक्षकारी श्री मोहम्मद ग्रब्दुल करीम, पुलिस उप-अधीक्षक को दिनांक 31 जुलाई, 1986 पूर्वाह्म से झगले झादेश सक के० ग्र० ब्यूरो, भुवनेष्वर में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापक्ष पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> धर्मपाल भरूला प्रशासन ग्रधिकारी (स्थापना) के० श्र० ग्यूरी

(22481)

#### गृह मंद्रालय

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 अगस्त 1986

सं॰ डी॰ एक-10/86-स्थापना-I--श्री सी॰ एल॰ गर्मा, सहायक कमांडेंट, 4 सिगनल बटा॰, के॰ रि॰ पु॰ झल, नीमच की सेवाएं दिनांक 5-8-1986 (ग्रयराह्न) से हरियाणा राज्य सरकार को प्रसिनियुक्ति श्राधार पर सौंपी जाती हैं।

किशन लाल सहायक निदेशक (स्थापना)

नई विल्ली-110003, दिनांक 8 अगस्त 1986

सं० घों० दो०/86—स्थापना—राष्ट्रपति जी ने, डाक्टर भगयकुंनार सिन्हां को अस्थायी रूप से आगामी बादेश जारी होने सक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी घ्राफिसरग्रेड—II (डी० एस०पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 23 जुलाई 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है ।

सं० श्रो० दो०/86-स्थापना--राष्ट्रपति जी ने, डाक्टर जीवन प्रकाश मदन गोपाल श्रग्रवाल को अस्थायी रूप से श्रागामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जनरल डयूटी श्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 28 जुलाई 1986 पूर्वीह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

> ग्रशोक राज महीपथी सहायक निदेशक (स्थापना)

समन्वय निवेशालय (पुलिस मेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 12 धगस्त 1986

सं० ए-12012/2/86-प्रशासन-11--राष्ट्रपति, सर्वश्री टी० के० जी० कृष्णन तथा बी० एस० श्रार० मूर्ति स्थायी सहायक निवेशकों को उप-निवेशक के पद पर 1200-50-1600/-रुपए के वेसनमान में 1 श्रगस्त 1986 (पूर्वाह्म) से श्रगसे शावेशों तक समन्वय निदेशालय (पुलिस बेसार) में स्थानपत्र रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० के० दुबे निदेशक पुलिस दूर संचार

महानिवेशालय, केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 श्रगस्त 1986

सं० ई-16014(2)/14/85-कार्मिक-I-पुनर्निय्विस परं,श्री एम० एस० भौतख ने 21 जुलाई, 1986 के पूर्वाह्न से, क्रमाउँट, प्रथम रिजर्ष बटालियन, के० भौ० सु०व०, बड़वाह (मध्य प्रदेश), के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

#### दिनांक 4 ग्रगस्त 1986

सं० ई,-16013(1)/4/86-कार्मिक-1-प्रितिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री एस० जे० बरमन, भा० पु० से० (पश्चिमी बंगाल: 57) ने 14 जुलाई, 1986 के श्रपराह्म से महानिरीक्षक, पूर्वी क्षेत्र, के० भौ० सु०ब०, कलकत्ता के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-32015(2)/6/86-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री पी०पी० जॉन एलेक्स, सहायक कमाडेंट को प्रोन्नति पर, 7 जुलाई 1986 के पूर्वाह्म से नियमित ग्राधार पर कमांडेंट, के०ग्रौ०सु०ब० यूनिट, एफ्र० एस० टी० पी० पी० फरकका, के रूप में नियुक्त करते हैं। ह० ग्रपठनीय महानिवेशक,

> भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भरत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई विल्लो दिनांक 2 धगस्त 1986

सं० 18-बा० ले० प० 1-498-84-निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अधिविद्यालिता आयु प्राप्त करने पर प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से सेवा-मुक्त हो गए हैं।

क० ग्रधिकारी सं० कानाम	कार्यालय जहां कार्यरस थे	भ्रधिवार्षिता की सारीख
सर्वश्री		
1. बी० पी० श्रीवास्तव	महालेखाकार	31-5-86
	(लेखा परीक्षा-II) उत्तर प्रवेश, लखनऊ	(भ्रपराह्न)
2. एम० पी० चौधरी	सवस्य लेखापरीक्षा	30-6-86
	बोर्ड एवं पदेन निदेशक	(धपराह्न)
	वाणिष्यिक लेखापरीक्ष	ī
	सम्बर्ध।	

के० पी० लक्ष्मण राव सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार (ले॰ प०)-1. बम्बई बम्बई, दिनांक 21 जुलाई 1986

सं० प्रणासन 1/ने० प०/सामान्य/नि० प० ग्र०/1(1)/2— महालेखाकार महोदय ने निम्निलिखित सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गयी सिथियों से प्रभावी, पुनः ग्रादेश जारी होने तक, लेखा परीक्षा ग्रधिकारी पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है।

₹10°	नाम	ले०	प्	ग्र० पद पर नियुक्ति की
सं०				तिथि
1. শ্বী	धार० र	<b>पुत्रम</b> णियन		23-6-1986 पूर्वीह्न
2. श्री	एम० बार	ग० केणी		30-5-1986 पूर्वाह्न
<del></del>				मुभ लक्ष्मी

वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

क्रम

स्थायी करनेकी तारीख

# कार्यालय (निदेशक लेखापरीक्षा), केन्द्रीय कलकत्ता-700001, दिनाँक 11 अगस्त 1986

सं० प्रणा०-I/सी०/470/1321-22-- निवेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता ने निम्नलिखित सहायक लेखोपरीक्षा ग्रधिकारियों को २ 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेलनमन पर गपन्न लेखापरीक्षा ग्रधिकारी के पद पर उनके नामों के साथ उए गए तारीख से ग्रमले ग्रावेश जारी किए जाने तक निवेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) कलकत्ता के कार्यालय में नियुक्त किया है।

ऋ०सं० नाम	कार्यभार ग्रहण करने की /सारीख
सर्वश्री	
1. शान्तिराम चटर्जी	26-2-86 (पूर्वाह्न से)
2. संजय कुमार बनर्जी	26-2-86 ,,
3. ग्रजीत कुमारकोसIII	29-5-86 ,,
4. शंकर प्रसाद हूलदर	30-5-86 ,,
<ol> <li>सनस कुमार विश्वास</li> </ol>	30-5-86 ,,
<ol> <li>हिमांशु कुमार भट्टाचाय</li> </ol>	f 30-5-86 ,,
7. म <b>द्</b> नाथ गुहा	30-5-86
<ol> <li>रवीन्द्रनाथ सरकार-</li> </ol>	II 30-5-86 ,,
9. सुशील रंजन कर्मकार	30-5-86 ,,
10. सुजीस <b>कुमा</b> र गुहा	30-6-86 ,,

सुनील उप नि०ले०परीक्षा (प्रणा०) (केन्द्रीय)

#### श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा ग्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-22, दिनांक 14 अग्रस्त 1986

# शुक्रि-पक्ष

मं० 15/33/82-स्थापना—इस महानिदेशालय की अधि-सूचना सं० 15/33/82-स्थापना दिनांक 23 जुलाई के संदर्भ में।

इस श्रिधिकारी का सही नाम जोसक, एस० मनोहरन के बदले जोसफ, एम० मनोहरन पढ़ा जाए ।

> के० ए० नारास्त्रनन उप निदेशक (प्रशासन) क्ते महानिदेशक

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन धन्धाग-6)

नई दिल्ली, 110001 विनांक 5 ग्रगस्त 1986

सं० ए-31014/1/85/ए-6--महानिधेशक पूर्ति तथा निपटान निम्नलिखित स्थानापन्न सहाध्यक निरीक्षण ऋधिका-रियों (धातुकर्म रसायन) को एतद्द्वारा उनके नाम के सामने उल्लिखित तारीखों से सहायक निरीक्षण ऋधिकारी (धातुकर्म-रसायन) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:--

श्रधिकारी का नाम

सं०	
 सर्वश्री	
1.पी०एन मिश्रा	09-07-1981
2. श्रीमती जे०पी० एलेचेरी	01-02-1982
3. ग्रार० पी० सिन्हा	06-02-1983
4. एस० भ्रनन्तनारायणन	21-09-1983
5. जे०पी० शर्मा	01-12-1983
6. डो० वी० <b>ग्रा</b> सरी	07-05-1985
7. सी० उनीकृष्णन	07-05-1985

सं० ए-17011/71/74/प्र०-6—ि निरीक्षण निवेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (ग्रिभि०) श्री जी० सी० नाग, निवर्तन की ग्रायु प्राप्त होने लेने पर 31 मई, 1986 के ग्रपराह्म से सेवा निवृत हो गए हैं। ग्रार० पी० शाही उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिवेशक पूर्ति सथा निप्टान

# इस्पाप्त भ्रोर खान मंत्रालय (खान मंत्रालय) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 अगस्त 1986

सं० 5095की/ए-19011(1-एम० एन० वी०)/61/ 19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री एम० एन० विश्वनाथ स्वेच्छा से 16-1-1986 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गए ।

> श्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

# भारतीय खान न्यूरी

नागपुर, दिनांक 11 भ्रगस्त 1986

सं॰ ए-19012(226)/86-स्था॰ ए॰--विभागीम पदोन्नति समितिकी सिर्फारिश परश्री श्रार॰ वाय॰ कादीर, बारिष्ठ तन्नीकी सहायक (भूविज्ञान) को भारतंथ खान ब्यूरो में स्थानापन रूप में दिनांक 8 जुलाई 1986 के अपराक्ष से सहर्षक खनन भूविज्ञानी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई।

> जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन श्रधिकारी **कृते** महानियंत्रक

# दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 ध्रगएत 1986

सं० ए-12026/4/82-एस० 2:--श्री सत्य पाल, लेखा प्रधिकारी, कार्यालय चीफ कंट्रोलर आफ एकाउन्टम सेन्ट्रल बोर्ड आफ उद्दरेक्ट, टैक्सेस, नई दिल्ली को दिनांक 1-7-86 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय क्रय एवं भंडार, दूरदर्शन नई दिल्ली में 840-1200 रु० के वेतनमान में 2 वर्ष के लिए लेखा प्रधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया आता है।

2. इनके वेतन व भत्तों का निर्धारण वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के कार्यालय ज्ञापन संख्या—10(24) ई—III/60 दिनाक 4-5-1961 में दिए गए व समय-समय पर संशोधित नियमों एवं शतों के द्राधार पर होगा ।

बी० एस० संधू प्रशासन उपनिदेशक **हते** महानिदेशक

# सूचना ग्रांर प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

**अ**म्बर्ध-400 026, दिनांक 7 ग्रागस्त 1986

सं० 6/35/57-ई-1--मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने भी एम० एस० गंगाधर, स्थायी कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई को दिनांक 6 जून, 1986 (पूर्वाह्र) से अगला छादेण होने होने तक कैमरामन (बा० चि०स०) नियुक्त किया है क्योंकि श्री बलदेव खोसला कैमरामन (बा० चि० स०) दि० 31-12-1985 (अपराह्म) सेवा नियुक्त हो गए।

#### दिनांक 12 ऋगरत 1986

सं० ए-32014/4/84-ग्रार० सी०--मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा श्री एन० विश्वनाथन, स्थानापन्न ग्राणु-लिपिक श्रेणी-1, फिल्म प्रभाग, बम्बई को उसी कार्यालय में सदर्थ ग्राधार पर दिनांक 7-8-1986 के पूर्वीह्न से ग्र्माला ग्रादेण होने तक रुपए 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक प्रणासकीय ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एन० एन० शर्मा प्रशासकीय श्रधिकारी **कृते मृ**ख्य निर्माता क्रुषि मंत्रालय कृषि एवं सहकारिता विभाग, विस्तार निदेणालय

मई विल्लो, दिनांक 29 जुलाई 1986

मि० सं० 2(2)/74—स्था० (1)—इस निदेशालय की विभागीय पदीश्वित समिति श्रुप 'बी' की सिफारिश पर कृषि और सहकारिता विभाग के विरष्ठ हिंदी अनुवादक श्री एम० पी० सिंह को; जो इस निदेशालय में सदय आधार पर हिंदी अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे, दिनांक 11 जुलाई 1986 के अपराह्म से 3 वर्ष की अविध्य के किए अथवा आगामी आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा इस निदेशालय में उसी पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

आर० जी० बनर्जी मिदेशक प्रशासम

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग (भरती अनुभाग)

बम्बई, 400085, दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० पी० ए०/79 (19)/84-आर०-III/1659-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र नाभिकीय इंधन सम्मिश्र हैदराबाद के सलेक्शन ग्रेड लिपिक श्री मोहम्मद मिन्हाण रसूल को दिनां रु 26 जून 1986 पूर्वीह्य से आगामी आदेश होने एक रु० 650-30-740-35-880-दं० रो०-40-960 के वेतनमान में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को नाभिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला, श्रीनगर में सहायक कामिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 4 अगस्त 1986

सं० पी० ए०/79 (19)/84-आर-III/1660--नियंशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इन्विरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इन्विरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र कलपानकम के स्थायी अध्यालिपिक, श्री अरुणा-चलम् पट्टाबिरामन को दिनांक 21 जुलाई 1976 पूर्वोह्र सं आगामी आदेश होने तक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र इंदौर में रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन कम में सहायक कामिक अधिकारों के पद पर स्थामापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सो० जी० सुकुमारन उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय भौर भंडार निदेशालय

बम्बई-4000 01, दिनांक 6 अगस्त 1986

सं० ऋ० भं० नि०/2/1 (3)/85-प्रशा०/22466---परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने रथायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापक लेखापाल, श्री अगन्नाथ गोपाल साठे को इसी निदेशालय में दिनांक 19-7-1986 (पूर्वाह्म) से 30-9-1986 (अपराह्म) तक 650-30-040-35-880-इ० रो०-40-960 रुपए के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तद्या आधार पर स्थानापक रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन अधिकारी

# परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० प० ख० प्र०-51 (53)/85-पेंशन--परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग के स्थायी सहायक कामिक अधिकारी श्रीप त्थानापक प्रणासन अधिकारी-II श्री पी० एस० आर० मूसि ने निक्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 जुलाई, 1986 के अपराह्म को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

#### दिशांक 11 अगस्त 1976

सठ० प० ख० प्र०-- 8/1/86-भर्ती — निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी, श्री एम० एस० विश्वनाथम् को उसी प्रभाग में श्री एस० के० सराफ सुरक्षा अधिकारी के छुट्टी पर जाने पर 28-7-86 से 5-9-86 तक तदर्थ रूप संस्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पद्मनाभन वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाव-380053, दिनांक 5 अगस्त 1976

सं० श्रंडकें/स्था०/3.19/76— निवेशक अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र ने निम्नलिखित कर्मचारियों को दिनांक 1, अप्रैल 1986 के पूर्वाह्म से अन्तरिक्ष विभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र अहमदाबाद में वैज्ञानिक इंजीनियर एस० बी० के पद पर अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

	舞り	सं०		नाम	 	
	1		2			
_	ਧਰੀ	erft			 	<u> </u>

#### सर्वेश्री---

- 1. पी० ए० गेंडा
- 2. जे० पी० जोशी
- 3. एम॰ पी० शर्मा
- 4. आर० एस० गउजर
- 5. एम० बामणिया
- 6. जे० एन० लुणाविया

2

- 7. कें पी० भालसोद
- श्रीमती आर० के० चौहाण
- 9. एस० एम० भट्ट
- 10. डी० आर० सेवक

के० एस० कृष्णन् प्रशासन प्रधिकारी-II (स्था०)

# केन्द्रीय उत्पादन भीर सोमा शुल्क

वडोवरा, दिनांक 8 अगस्त 1986

स० 22/1986—श्री एन० डी० जोशी, अधोक्षक (वर्ग ख") केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुल्क, मण्डल-1 बडोदरा दिनांक 14-8-1986 के पूर्वाह्न में स्वैष्टिक रूप से सेवा निवृत्त होने बाले हैं।

> श्रीमती वरालक्ष्मी राजमिकम समाहर्ता,

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 7 अगस्त 1986

सं० ए-19012/1187/86-स्थापना-पांच-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री खूब चन्द बालानी, पर्यवेक्षक को अति-रिक्त सहायक निर्देशक/सहायक इंजोनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रपए के वेतनमान में 23-6-1986 को पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पव के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायो तथा तथ्य आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 12 अगस्त 1986

सं० ए-19012/1117/85-स्था०--पांच--अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, श्री ए० एम० सेन, अनुसंधान सहायक (चयन ग्रेड) को केन्द्रीय जल आयोग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-740-1200/- रुपए के बेतनमान में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर पूर्णतथा अस्थायी श्रीर तदर्थ आधार पर 23 जून 1986 की पूर्वाह्म से छः माह की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा अवर समिव केन्द्रीय जल आयोग

# प्रस्त सार्व<sub>ध</sub> क<u>्षित्र प्रस्त</u>त स्थान स

# भायकर मीभीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) कें सभीन स्क्रता

#### भारत सहस्रहरू

# कार्याज्य, सहायक नायकर नामुक्त (ग्रेंगरीकर्ण) अर्जन रेंग, पूना

पूना, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/9417/85-86—अतः मुझँ, अनिल

कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार मृत्य 1.00,000/- क से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० आफिस नं० 328, तीसरा मंजिला, वधंमान मार्केट प्लाट नं० 75, सेक्टर 17 बसई नई बम्बई हैं तथा जो नई बम्बई में स्थित हैं (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुचों में फ्रीर पूर्ण रूप से बिजत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपर्टित के उचित बाबार बुक्य से कम के दश्यमान नितंत्रक की लिए बन्तरित की गई है और बुक्रे यह विश्वास करन का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार बृक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह अतिस्त से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निसिवित उद्देश्य से उच्त बन्तरण विविद्य के बारतिक स्प से अभित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्धरण से हुन्दै किसी भाव की वासत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्धरक से वादित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; अद्वि/वा
- (स) इसी किसी जांच वा किसी वन या बन्य जास्त्वों की किसी जांच वा किसी वन या बन्य जास्त्वों की किसी बारतीय जांचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्सरिती ब्वास प्रजट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा से लिए।

सतः सन, उसत अधिनियम की भास 269-ए के सन्तरक मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 मेसर्स वर्धमान कन्स्ट्रक्शनस 40-41 विशास शापिग सेंटर सर एम० वी० रोड (श्रंधेरी कुर्ला रोड) श्रंधेरी (ई) बम्बई ।

(अन्तरक)

2 श्री योगेण जेठीमल श्रीर अन्य बी-29 कृष्ण कृषा दूसरा मिलिला शंकर लेन, कांदीवली (डब्ल्यू), बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृक्षेंकत संपत्ति के वर्षन के सिष् कार्यनाहियां करता हूं [4]

## बक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी आर्क्षण क्र—

- (क) इत सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील हैं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  बूचना की तायील से 30 दिन की स्विधि, को भी
  विधि बाद में सभाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य स्थावत व्यास, अभोहस्ताक्षरी ने पास विवित में किए का सुकेंगे।

#### अनुसुची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37ईई/9417/85-86 जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिस कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिमांक: 17-3 1986

मोहर 🛭

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज, पूमा

पूना, दिनौंक 27 फरवरी 1986

निर्वेश सं० 37ईई/6701/85-86-अतः मुझें, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या सी० टी० एस० न० 917/17 शिवाजी नगर पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसुचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वीणत है ), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तग) अर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रीर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक जनवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रुपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मून्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुपमान प्रतिफल से, एसे द्रुपमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया ग्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ, बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधर केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात् ह— 1 मेसर्स बी० के० प्रमोटर्स जयदेव 721/1/20 प्रफात नगर, नवोपेठ, पूना 30 ।

(अन्तरक)

2 श्री उपेन्द्रा केंसर कानिटकर श्रीर आय 12 गणेश-वाडो,-पूना 4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना <mark>कारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए</mark> कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

# उन्त रामरित के वर्षण के तुर्वण में कोई भी पान्नेए ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ;

# **जन्**स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/6701/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त मिरोक्षण अर्जनरेंज पूना के दफ्तर में लिखागया है।

> अभिल कुमार स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 27-2-1986

प्रस्प बार्षः टी. एन. एस.------

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुवना

#### THE WAY

कार्यालय, सहायक भायकर बागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज, पूना

पूना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/9433/85-86—अतः मुझें, अनिल

मुमार, बायशर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्राजेंक्ट डिवीजन एक्सप्रेस टाँवर 6वा मजिल् निरमन पाईट वम्बई हैं तथा जो बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसस उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारोख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मुख्य से कम के व्यवसान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिकात से किथा है और जंतरिती (जंतरितिवों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिव उद्योच्य से उक्त जन्तरण किसिव में वास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उपक जिथिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तव ब्यने मी सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, क्रियाने में सृषिधा के सिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स गृह बिल्डर्स, 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर, सर एम० बी० रोड, प्रधेरी कुर्ला (६) बम्बर्ड

(अन्तरक)

(2) श्री सीमित्रा कुमार बसू, एसोसिएटस सीमेंट कम्पनी लि० प्रोजेक्ट डिवीजम एक्सप्रेस टाँवर छठा मजिला नरीमन पाईट, बम्बई

(अन्तरिती)

को वह भूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्षाय के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

### बक्त संगीत के मर्क्यन को संबंध में कोई भी आकौप ::----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्किरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/9433/85#86 जो जनवरी 86 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जेम रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-2-1986

मोहरः

# प्रकार बार्ब 🕾 ब्री : पुरु . पुरु : अर्थाः

# नायकर निधानभग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के नभीन क्ष्यना भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक सायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूता, दिशांक 3 फरवरी 1986 निर्देश सं० 37ईई/9434/85-86--अतः मुझे, अनिल कुमार,

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार बूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर णिसकी सख्या फ्लैंट न० 204 "सर्वोदय" प्लॉंट न० 29-बी०, सैक्टर न० 4 मई सर्वोदय की-आपरेटिव हाउभिंग सोसायटी लि०, है तथा जो वासी में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण क्या में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिशारी के धार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जंत्र रेंज/मब रिजस्ट्रीर में, रिजस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्पाद कालार मूल्य से लग्न के हदशमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार सूख्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंदाह प्रतिकात से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और संतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच ऐसे संतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उत्वोध्य से उनत अंतरण जिचित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुए किनी आय की शहत, उपस र्रापिशाम ने तभीन घर मोते के शहरत है दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा की तिए; और/या
- एको भौती किसी बाब या किसी धन भा अन्य वास्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय गाभावत था निवस, 1922 (1922 का 12) या उत्तर दिशानियम, या वनकर प्रतिक्षित था, १९५७ (195) का 27) के प्रयोजनार्थ कार्या क्षि स्थार प्रकट नहीं किया नथा था था किया उत्तर करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिगों, अर्थात् :--- 2--226GI/86

- (1) मैंसर्स गृह बिल्डर्स 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर सर एम० वी० रोड श्रंधेरी (ई) बम्बई (अन्तरक)
- (2) श्री आर० के० रामचद्रम नायर ए० सी० सी० प्रोजक्ट डिकीजन, नरीमन पाईट बम्बई (अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यनाहियां करता हुं।

उपरा संपत्ति को अर्थन को संबंध के कोई भी बाध्येप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन की नवीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षी बादी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां किया में से निक्ती व्यक्ति श्वासः;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति में हिराबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिसिश में किए का सकेंगे।

स्यण्डिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वदा हैं।

#### श्रनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37ईई/9434/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख। 13-2-1936

# प्रकम् बार्दः दो . सून . एसः. ------

# नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचरा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 12 फरवरी 1986

पिर्देण सं० 37ईई/2436/85—86——अतः मुझे, अनिल कुमारः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन बक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- के. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या ज्लाट नं 1, सर्वोदय ज्लाट न 29— बी 0, सैक्टर नं 0 4 वसई नई सर्वोदय को-आप्रेटिब हाउसिंग सोपायटी लि 0, वसई है सथा जो वसई में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुभुची में और पूर्ण कप विणित है), रजिस्ट्री-कर्ना अधिकारों के नार्यालय, सहायक आया र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/एव राजिस्ट्री में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1986

को पर्वोक्त सम्पत्ति के लिखत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूके यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिषात से अधिक े और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पत्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीकक कप से कथित नहीं किया गया है प्रान्त

- (क्ट) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्ट अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक के ग्राधित्य भा कमी करने या उससे बचने में सुविधा-क लिए; अरेर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्रा धन कर अधिनियम, श्रा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् कौ भारा 269-ग को अनुसरण को को, स्वत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीत, निम्निनिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

- (1) में सर्स गृह बिल्डसें, 40-41 विशाल शार्षिंग सर एम० बी० रोड, श्रंधेरी (ई) बम्बई (अन्तरक)
- (2) श्री एम० एस० केरकर श्रीर अन्य सी०-2/5/1.4 सैक्टर नं० 4 वसई नई बम्बई (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वीध्त जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश में शिराधिक एं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद व्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सिष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

जैमा कि रिजम्द्रीकृत ऋ० 37ईई/9437/85-86 जो जन बरी 1986 को सहाय कश्राय कर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें:, पूना

**सारीख: 17-2-1986** 

मोहरः

#### प्रक्ष बाह<sub>ै।</sub> टी<sub>न</sub> प्र<sub>न्त</sub> प्रकृत क्रान्त

# बाबकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के बधीन सुखना

#### भारत तरकार

# कार्याच्य, सहायक बायकर बायुक्त (विद्वासान)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० 38ईई/9435/85-86--अत मुझे, अनिल कुमार,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह नियवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पलैंट न० 203, नई सर्वोदय को-आप्रेटिब क्सोसायटी लिं० प्लाट न० 29-बी०, सैटक्टर न० 4 वसई है तथा जो वसई में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/ सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1986

ंक्री पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान द्रितिक्त के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास कर्ति का कारण है कि स्थाप्नित सम्पत्ति का उचित बाजार अपूच्य, उसके व्ययमान प्रतिकृत से, एसे व्ययमान प्रतिकृत का संद्र्ष्ट प्रतिकृत से विधिक है और वंतरक (वंतरकों) नीर वंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे वन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कम निक्तिवृद्धित उद्देश्य से उस्त बंतरण सिचित में वास्त्रिक कम निक्तिवृद्धित उद्देश्य से उस्त बंतरण सिचित में वास्त्रिक कम से क्षित नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्बरन् में हुई कियी नाम की वावत उचत निर्धानम के बभीन कुछ दोने के बन्तरक के प्रायित्व में कभी करने वा उससे बचने में स्विभा के किए; बॉर/वा

कता सव, क्या विशिव्यय की थाड़ा 269-य के बयुक्डण को, तो, क्या अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) को स्पीत्, निकासिक्त व्यक्तियों का अविद् क्र-

- (1) मैसर्स गह बिल्डर्स, 40-41 विशाल शापिग सेंटर सर एम० वी० रोड़, ऋधेरी (ई) बम्बई । (अन्तरक)
- 2) श्री के० वी० किश्नी ग्रीर अन्य 702 अम्त तुपार 14वीं रोड़, खार बम्बई । (अन्तरिती)

की यह स्थान आर्री करके प्रजित सम्परित के वर्धन के जिल्ला कार्धवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ६ 45 दिन की सबीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाच अधोहस्ताक्षरी के शस सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सदा है।

### अनुसूची

जैसा कि र्राजस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/9435/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 17-2-1976 **मोहर**ः

# प्रकष् बार्षः दी । पुष्तः एसः ५४--४--४-

# बायकर बीजीनस्म, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बचीन स्पना

#### ष्ट्रारत सरकार

# कश्यनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च, 1986

निर्देश सं० 38ईई/9428/85—86——अतः मुझें, अनिल मार

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

भ्रीर जिसकी संख्या फ्लैटनं० 104, बिल्डिंग बर्धमान पार्क वसई नई बम्बई हैं तथा जो नव बम्बई में स्थित हैं (भ्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रांर पूर्ण रूप से बांगत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1986

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मून्य, बचके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह, प्रीवृद्यत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) लौर अंत-दिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तथ पाया गया प्रतिकत निम्नुतिस्ति उद्वादेश से अक्त अंतरण निस्तु बें बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ध---

- (क) कारतक में हुए किसी जाय की वान्ता, सकत जीवनिदयं के ब्योग कर वोने में मन्तरक के वामित्व में कमी करने मा वस्ते न्यूमें में सुनिधा के लिए: ब्योज-मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिये था, कियाने में स्विधा के किए;

क्रमा अक्षा क्रमा विकास मिनियम की भारा 269-म के ननुसरम में, में, उक्स अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैसर्स वधमान बिल्डर्स 40-41 विणाल णापिम मेन्टर, सर एम० वी० रोड़, ग्रंधेरी (ई) बम्बई । (अन्तरक)
- (2) श्री सराज महादेव बगाडे 276 ए, म्यूनिसिपल चौक, लक्ष्मोबाग के पास साराग बम्बई (अन्तरिती)

करें यह स्वना कारी करके पूर्वोकत् संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उथव सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप ६

- (क) इस सूचना के ट्राबपच में प्रकासन की तारींच से 45 दिन की जविध शांतरसम्बन्धी न्यवित्यों पर सूचना की तासील से 50 दिन की सर्वीध, जो भी जब्धि बाद भी स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय श 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिटबबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकतें।

# **जन्**स्**ची**

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/9427/75-76 जो जनवरी 76 को सहायक आयकर आयुक्त िरोक्षण अर्जन रेंज पूना के इपसर में लिखा गया है।

> अनिस कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-3-76

# प्रकृषे बाह<sup>े</sup>. टी. एन . एस<sub>्यानसम्बद्धान</sub>

# भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निर्देशन)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37ईई/9420/85-86-- प्रतः मुझे, भ्रानिल कुमार,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसका संख्या फ्लैंट नं० 703, वर्तमान पार्क, प्लाट नं० 49 पैक्टर17वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिंग है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायकत निरीक्षण, धर्जन रेंज में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1986

की प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित माजार भूल्य से कम के करमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नूल्य, असके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और मंतरक (संतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्दिप्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्मविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- া एसी किसी जाव या किसी भन वा अन्य वासिसी करे, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाता चाहिए था, छिनानं में सर्विधा हो दिलपुः

जतः अब, अक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) मैं सर्स वर्धमान बिल्डर्स, 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर, सर एम० बी० रोड़ अधेरी (ई) बम्बई (भ्रन्तरक)
  - (2) श्री श्रमीन उमेर राजकोटवाला बुक्स व्हीला 5 शिवलिंगपूरा मेसूर।

(भ्रन्तिरी)

ंग्रहस्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति 🏕 वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# जन्म संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूर्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बंबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी थे पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पत्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित 🜓 वहीं वर्ध होगा जो उस्थभ्याय में दिया नया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/9420/85-86 जो जन बरी 86 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रीना कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

सारीख: 20-3-1986

# दरम बार्ट हो । संस्था पर्य । ----

# बावकड विभिनियक, 1969 (१९७६) का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

#### भारत सहकार

# कार्यावयः, सहायक कारकार कायुक्त (विराधिका)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 मार्च, 1986

... निर्देश सं० 37ईई/9422/85-86----- प्रतः मुझे, ग्रनिल कमार.

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है"), की धाद 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- क. से मिन्स हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 503, वर्धमान पार्क में प्लाट नं 49, सैक्टर 17, वसई, नई बम्बई, है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ६५ से व्यंणित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख जनकरी 1986

का प्वांक्त संपत्ति के बहुबद वाकार नृष्य से का के का का प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मुल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का क्ल्यह प्रतिचव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे कन्तरक के सिए स्व पाया गया प्रतिकत, निक्निकिचित उद्वेष से उकत अन्तरण निक्निकिच में वास्तिक क्य से किया मुद्दी कि , ज्या है हि—

- (क) बन्ताह्रण वे हुन्दि किसी बाय की बावस्ता अक्षा अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्य में कजी कुरने या उससे बजने में सुविधा से जिए; औड़/बा
- चि एसी किसी बाय वा किसी भग या अन्य नास्तियी की जिल्ही आरतीय नारकर निमित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त निमित्रमा, या भग- कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुनिधा की किया

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मैसर्स वर्धमान बिरुडर्स, 40-41 विशाल शार्पिग सेन्टर, सर एम० वी० रोड़, ग्रंधेरी (ई) बम्बई। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रसीफ के० राजकोटवाला 30 मारुती लेन फोर्टबम्बर्ध।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूच्या पार्टी कारके पुन्तिया स्थारित से अर्थय में दिए। कार्यवाहिमां सूच्य करता हुँ।

### उक्त गुम्यति के वर्षन हैं सम्बन्ध में कीई भी बार्बप ह---

- (क) इस स्पूर्क के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इंड क्यना के राजपण में प्रकाशन की तार्री के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर पंपति में दितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा वक्ति।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रयम्भ सकी और पर्योक्षा, जो सक्क अधिनियम क अध्याय 20-क में परिशामिक हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया जवा हैं।

### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/9422/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, पूना

सारीख: 21-3-1986

प्रस्प बाह् . टी. एन . एस 🚊

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्वाम

#### भारत सरकार

### कार्यालय तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

भ्रजीन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37ईई/9424/85-86--श्रः : मुझे, श्रनिल कुमार,

बायकार निभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाबाह मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लंट नं02, वर्धमान पार्क, प्लाट नं0 49, सैक्टर 17, डी० बी० सी० वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यानय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारोख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्मित्य के उपित बाबार मूल्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवाप्वोंक्त संपरित का उपित वाबार स्ल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से एसे वश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे जन्तरण के हैं कर प्रमाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उत्तरो क्चने में कविधा के लिए; सौर/मा
- (थ) एसी किसी गांव या किसी भग या बन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) औँ प्रयोजनीय जन्दिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया भा या किया जाना चां उए था, कियाने में मुलिक चे विद्या

अतः नवं, उत्रत मिधिनियम की धारा 269-ग के, अध्सरण में, में, धक्त अधिनियम को धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स वर्धमान बिल्डर्स 40-41 विशाल शापिन सेन्ट्रर, सर एम० बी० रोड़ श्रंधेरी (ई) बम्बई (श्रन्तरक)
- (2) श्री तुषार मनोहर देसाई श्रीर श्रन्य 80/5 यशोधरा, पहला मंजला, बीर सावरकर मार्ग दादर बम्बई ।

(भ्रन्सरि)

का वह सुचना जादी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के उन्ह कार्यवाहियां करता हुंदू।

उन्त तंपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधरेप:----

- (क) इब स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दह स्वान की तामील से 30 दिन की कवीं , को औं विधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्सब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के शक लिखित में किए जा सकती।

रमध्वीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवत विभिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा को उस सध्याय में दिस। गया है।

#### जनसर्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/9424/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन पूना के दफ्तर में लिखा गया है

> श्रुनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, पूना

तारीख: 21-3-86

प्रकार वार्डं, ही, एन, एस.

अभियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-१४ (1) के अभीन सुभग

#### सारम धरकार

# कार्याज्ञन,, बहायक बावकार वागुक्त (विश्वीद्धान)

ऋजींन रज, पूना

पूना दिनांक: 21 मार्च 1986 निर्देश सं० 37ईई/9529/85-86--ग्रत: मुझे ग्रनिल कुमार

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उन्त वांधिनियम' कहा नवा ह"), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी संख्या लाट नं० 603, वर्बमान पार्क में प्लाट नं 49, सेक्टर 17 डी० बी० सी०; बमई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर सइसे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकत ग्रिधिकारी के कार्या-लय महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में, रिज स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विष्वास कारने का कारण है कि यथाएथीयत संपतित का उपिता अवसार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के **बन्बह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और** अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एोचे अन्तरग के मिए सम नामा गया प्रीयक्षाता, निम्नसिक्ति उत्वदेख से उत्वत अन्तरण जिसित के अपन्दिक कण से प्रिथम महीं कि जा गया है :---

- (का) जीतरण वे धूर्य किसी बाध की शखत, प्रथत अधिनिक्स के सधीन कर दोने के अन्तरक कै बाबिल्य के कथी करूर या सक्क बचने में सकिया कं रिलाः स्वीर्/का
- (क) एरेरी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हे भारतीय वायकर व्यक्तितम्, (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर मितियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना चाहिए था, खिपानी भी स्रीटकः में किया: में किए;

क्षत: अब, सक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरक भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) क अधीन - निरम्भिक्ति व्यक्ति , वश्ति हु---

- TO THE MENT OF THE TOTAL CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE PRO 1. मेनर्स वर्धमान बिल्डर्स 40-41, विशाल शापिग सेंटर, सर एम० वी रोड, ग्रंधॅरी (ई) बम्बई। (अन्त्र एक)
  - 2. डा॰ भोहन दत्तात्रय दाते, 111/31, टाटा हाउमिंग कालोनो, चेम्ब्र बम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पूर्णोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस संपरित के बर्धन के संबंध के कोई भी वाहांव :---

- (क) इस त्वनाओं रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभि या तत्संबंभी व्यक्तियों पर ब्चना की तामील से 30 विन की वविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्योरतयों में से किसी अवित **द्या**ता;
- (क) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकालन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपति मोक्ष हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुशारा वशोष्ट्रस्ताक्ष्रा के पास निश्चित में किए वा सकी।

श्यक्षांकरण:--असमें प्रयुक्त सन्दों और पदीं का, जो सक्क विभिनियम के अभ्याय 20-क में हैं, बही वर्ष होगा अभे उस वस्थाय में दिया गया 🗗 🗓

जैमा कि राजिम्ट्रीकर्ता क० 3788 9429 85-86 जो जनवरी 86 को महायक शायकर आयुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रानिल कुभार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक शायकर श्राय<u>क्</u>त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 21-3-1986 मोहर:

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संहकाड

# कार्यावयः सहाय्यः वायकार वायुक्तः (निर्द्धाक्षण)

अर्जन रेंज पूना पूना, दिनांक 25 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/9419/85-86--अतः मुझेः अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके परभातः 'उद्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० प्लाट नं० 702, वर्धमान पार्क में प्लॉट नं० 49 सेक्टर 17, वासिम नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई. में स्थित है (ब्रार इससे उपाबद अनुसूची में ब्रार पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहा-यक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिरम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रम्यान अविकल के लिए बंतरित की गई है जोर मुक्ते यह विक्वास करने करने का कमरण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके द्रम्यान प्रतिफल से, एसे द्रम्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और जन्द्ररूक (अन्तर्कों) बीड़ अन्तरित (अंतर्रितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम भागा प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उचत जन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण तं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने को जन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतियती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मिष्या के लिए;

आत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तैं, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिशिष्ट अधिनयों, अर्थात् ६—— 3—226GI/8

- मससं वधंमान विल्डसं 40-41 विशाल शापिग सेन्टर, सर एम० वी० रोड, श्रंधेरी (ई) बम्बई । (अन्तरक)
- 2 श्री महोंद्रा केशवजो संपत 62 नोलकंठ अपार्टमेंट ब्लाक नं० 22, हिल रोड, वरकी बम्बई । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के दिनप् कार्यनाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में बीड़ी भी बाक्षेप ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराँच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए या सकेंगी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पर्दों का, थी उपई अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा थी उस अध्याय में विदा गया है।

# जन्त्वी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/9419/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयक्र आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दफनर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, पूना

विनांक: 25-3-1986

प्ररूप बार्ड , टी., एन., एस., 💌 🕫 :

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकाड

# कार्यासय, दहायक बायकड बायुक्त (निर्देशिण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 24 मार्च 1986 निर्देश सं० 37ईई/6515/85-86--अतः मुर्झे; अनिल कुमार

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 365, सोमवारपेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधात अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है बार मुक्ते यह निक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिपत से बिधक है और संतरक (बंतरकों) जौर बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बावड़, उपल अधिनियम के मधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उत्तर्थ द्वने में बुविवा के निए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दो अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया अया था वा किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः आण उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीन,

श्री चन्द्रकान्त पांडुरंग सिंदे और मन्य।
 165 सोमवारपेठ पूना।

(भ्रन्सरक)

2. मेसर्स अभय कन्स्ट्र<del>न</del>शन 1365 सदाशिवपेठ पूना-30 ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन खें किय कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सम्पत्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वे 45 विन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कर्जी और पश्ची का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37ईई/6515/85-86 खो जनवरी 86 को सहायक श्रायकर शाणुक्त निरीक्षण दर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ह्यतिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 24-3-1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

बायकर बर्डिभीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुबना

#### भारत सङ्ख्यार

कार्यासय, सहायक सायकर नायुक्त (निर्देशिण)

मर्जान रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्वेण सं० 37ईई/6311/85-86--- प्रतः मुझे, ग्रनि 🗞

कुमार

नायकर नौभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,05,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 17/1/1 प्लाट नं० 6 धनकथड़ी ता० हवेली जिला पूना है तथा जो पूना में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसुची में भीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जनवरी 1986

को व्योक्त बंग्यरित के स्वित्त यायार मृज्य ते कम के जनमान इतिक्य के जिए जन्यन्ति की नहीं है और मृज्ये कह विश्वास कस्त्रे का कारव है कि वथापूर्वों कत तम्परित का स्वीतित वाचार कृष्य, उसके जनमान प्रतिक्रम ते, हो व्यवमान प्रतिक्रम का पंत्रह प्रतिवास से निथक ही और अंतरक (संतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निकासिका उन्देश्य से स्टब्स बन्तरण किविक में वास्त्रविक रूप से किवत नहीं किया नवा है है——

- (क) जलरण ये हुई किसी जाप की बाबत उक्त वीर्थीत्वम के जंबीन कर दोने के जलरक को शांवरण में कमी करने वा उससे बचने में सुनिया के सिए; और/वा
- (थ) एसी किसी बाव या किसी धन वा बच्च ब्रास्थियों को, जिन्हों भारतीय सायकर विधितियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधितियन, या धन-कर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना डाहिए था, जियाने में बृतिका वे जिए;

बत्त बन, उक्त बर्गुधीनयम की धारा 269-न की अनुसरक वो, भें, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की अपधारा (1) के के वर्धान, निम्निसित व्यक्तियों. अर्थात ६ श्रीमित द्वारकाबाई गंगाधर विश्वासराव 17/1/1 प्लाट नं० 2, धनकबड़ी पूना 9।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स चैतन्य प्रमोटर्स ग्रन्ड बिरुडर्स 25 बुधवारपेठ ग्रन्था बलवंत चौक पूना ।

(ग्रन्तरिती)

भा वह ब्याना था<u>डी करके प्वाँक्य सम्पृतित से वर्षम् के लिए</u> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वर्षीय मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (था) इस सूचना के राध्यभ में प्रकाशन की सारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध् किसी नृष्य व्यक्ति ब्वास अभोइस्ताक्षरी के पान सिवित में किए वा बकेंगे।

लाका के रणः प्रस्में प्रवृक्त कर्का और प्राचित का अकल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यक्ष में विया गया है।

# अन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीक्टल क० 37ईई/6311/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जनरेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, पूना

दिनांक: 24-3-198**6** 

मोहर.

# प्रकार मार्चा हो <u>. इन प्रकार का</u>

# बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुष्या

#### भारत बरकार

# कार्याध्यः, बहायक शायकर बायुक्त (शिरीक्षान)

भ्रजीन रेंज, पूना पूना, दिनांक 11 श्रप्रैल 1986 निदश सं० 37ईई/9432/85—86—श्रतः मुझे, भ्रनिल मार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उन्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1.00,000/~ रह. से अधिक हाँ

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 106, निर्माण विकास प्लाट नं० 10, निर्माण नगर सर्वे नं० 50, नल्लासोपारा (डब्लू), ता० वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्राय्वत निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनां क जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कल्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरितीं (अन्तिपितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देष्टिय से उक्त अन्तरण लिवित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत , स्वरा अधिनियम के बधीय कर देने के बॉतरक के दावित्य वे कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी थन या जन्म वास्तिनी कां, जिन्हीं भारतीय नायकर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षणार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा ना किया जाना जाहिए था, फिनाने में युविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण की की, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के लधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत् ह—

- 1. मेसर्स निर्माण असोसिएटस 40-41, विशाल शापिंग सेंटर, सर एम० बी० रोड, श्रंघेरी (ई०) बम्बई । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जाँन फरनाडीस, प्लाट नं० 4, निर्माण संदेश निर्माण नगर नहलासोपारा (डब्लू), जिला थाना (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

# क्क सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबोप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति: ब्वारा;
- (क) इब बूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य बक्ति व्यारा जथोहस्त्याकारी के पास विचित्त में किए वा सकोंने।

स्त्रव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त अन्यों और पदों का, को उक्त विभिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यस हैं।

# वन्त्रज्ञी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/9432/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स निरीक्षण ग्रर्जन रोंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 11-4-1986

शारूप बार्च ,टी .एन .एस . -----

नायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सचनः

भारत सरकार

कार्यासय, शहरक शामकर भावन्त (विद्योजन) अर्जन रेंज, पूना;

पूना; दिनांक '1' अप्रैल 1986

निदेश सं० 37ईई/577/85-86--यतः मु, से अनिल कुमार, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० प्लाट सं० 5, सर्वे सं० 129 सी० टी० एस० सं० 782 कोशरू दूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार हवेली में, रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्योक्त नेपित के उचित याजार मृत्य में कम के त्रुपमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि संभाष्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके राज्यमान प्रतिपाल से, एसे रायमान प्रतिपाल का पन्त्रह अतिस्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा गितिफल, निम्नलिखित उच्चेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गमा है:——

- (क) बन्दारण वे हुए विक्यों सभ्य कर्ष वान्त्यः, सन्दर्भ विभिन्नित्वः के वयीन कर वये के बन्दारक के वासित्वः में क्ष्मी करने ना स्वतं नवने में सुविधा के सिन्दः; शर/मा
- (था) एंसी किसी बाब ना किसी थन ना बन्ध वास्तियों की चिन्हों भारतीय बाब-कर विभिन्नय, 1922 (1922 का 11) ना सकत विभिन्नय, ना चन-कर विभिन्नय, ना चन-कर विभिन्नय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना वाहिए था, कियाने में सुनिया वौ जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण के, र्य, शक्त कोधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्वात् :--

- (1) मेसर्स वीजे बिल्डर्स 1271 **डन**कम जिम**द्या**ना, पूना---4 (अन्सरक)
- (2) चेयरमैन दी विष्णुपुरी को०+आ१० हाउसिंग सोसायटो लि० सर्वे सं० 129, सी० टी० एस० सं० 782 पौड रोड, पूना-29। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकावन की तारीब धूर्म 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वान की रामील से 30 दिन की बव्धि, धो धी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 विष् के मीतर उक्त स्थावर कम्पूरित में हितवबूध सिसी बन्ध व्यक्तित ब्वारा नमोहस्ताकरी के बाब तिकित में किए वा सकोंने ।

# अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/577/85-86 जो नवम्बर 85 को सब रिजस्ट्रार हवेला के दफ्तर में लि**खा गया** है।

> अनिल कुमारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंक, पूना

दिन क : 1-4-76

# THE REPORT OF THE PERSON NAMED IN

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की षाय 269-व (1) के बबीन त्वना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर नायुक्त (निर्हासन) अर्जन रेज, पूना,

पुना, दिनांक 31 मार्च 1986

कुमार,

अगयकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा थया हैं), की अल्प 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने 🐙 कारण ह° कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी स० सर्वे सं० 77/48/1ए ग्रीर सर्वे सं० 70-71 वानवरी पूना-13 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रिंगर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक जनवरी

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के अन्वज्ञान प्रतिकत के बिए जन्तरित की गई है और मुख्ये यह विकास करने का कारण है कि वधायुर्वेक्त सम्पत्ति को उधित दाखार ब्रंब, उत्तक बन्ममान प्रतिफल से, एसे बन्यमान प्रतिफल का परमह प्रतिकत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) बीर वन्तरिती (वन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरणु के लिए इव पाया नवा प्रतिकान, निम्नसिवित उन्नवेद्य वे अनव अन्तरूप विधित्त में बहरा<u>ति</u>क रूप **ने अधित नहीं किया नवाह**ि ह—

- (क)) थनारप से हुए सिनी भाग की<sub>टी</sub> गानक<sub>ि</sub> जनक वीर्यानक्या के बधीन कर योगे के अन्यारक के वारित्य में कनी अपने वा उत्तरी बचने में सुविधा के जिए; वरि/ना
- <u>(क) प्रोती कियों धाव वा विकरी वन वा व्यव प्रप्रीकार्य</u> को विन्हें भारतीय वायकर समिनिका,। 1922 (1922 का 11) वाउक्त, अभिनियम, वाधव-कर कॉनियनम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया भावाकिया जाना जाहिए भा, क्रियाने में सुनिधा र्जी कर

जतः अथ, अन्त जीवनियम् की धारा 269-न के वनुस्रस्य हों, सी, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती इंदुबाई माहन्तो सेवकर ग्रीर ग्रन्य सर्वे सं० 77 वामवही पूरा--13 (अस्तरक)
- (2) मेसर्स परमार बिल्डर्स 321/3 नया टिम्बर मार्केंट रोक्; पूना । (अस्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुक्रांता की अधीन के जिल् कार्यवाहियां ऋरदा 🛍 🗄

जनव सम्मण्डि के बर्जन के सम्मन्द में कोई भी नामीप ह

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकारन की तारीय औ 45 विनकी अविविधा तस्त्रीजी व्यक्तियाँ पर भूमनाकी तामीन से 30 दिन की जबिय, जो नी नवित्र वाद में बनाया होती हो, के श्रीत्र पूर्वीका व्यक्तिका में किसी व्यक्ति कृताया;
- (व) इक्क्सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीच धे 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवकुष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अभोद्दस्ताक्षरी के संच सिचित में किए वा सकरें।

<del>रुक्कीकरण ह— इंड</del>में प्रवृत्त कर्मा और पर्यो का, वो <del>प्रवृ</del> निवित्तन, क्रें बध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही वर्ष होना को क्य बच्चाय में दिवा क्या है, 🏻

# अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीइटर क॰ 37ईई/6226/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूनाके दफ्तर में लिखागयाहै।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूजा

विनांक : 31-3-1986

# क्षण वार्<u>षं हो . व्या</u>कृतः .....

# भागमतु नीमृतिसन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नमीन सुमना

#### नएस शहरार

# कार्नाजन, सहायक बायुक्ट बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिर्मीक 12 जूम 1986

निदेश सं० 37ईई/6320/85-86-यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन समस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फायनल प्लाट 556/9/4 टी० पी० स्कीम सं० 1 श्राबुर्झा सी० टी० एस० सं० 1162/9/5 शिवाजीनगर पूना में स्थित है (घौर इमसे उपाबद अनुसूचो में घौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रीर, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1986

न्त्रे प्यांक्त सम्मत्ति से समित् वायार वृत्य से कम से सम्मान प्रतिपास के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वायार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिपास से, एसे स्थमान प्रतिपास के पेस्ट्र प्रतिपास के पेस्ट्र प्रतिपास के पेस्ट्र प्रतिपास से विषय है और बंतरिक (वंतरिका) और वंतरिका (वंतरिता) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपास, जिम्मीसिक उद्वोच्य से स्वया वंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिपास, किम्मीसिक उद्वोच्य से स्वया वंतरण कि सिक्त में वास्त्रिक क्य से क्षिण नहीं किया गया है है—

- (फ) वन्तरण तं हुई किसी वाय की वाव्य , उपक निपंतियम के वधीन कर दोने के वास्त्रक के दावित्य में कमी करने या उत्तते क्यमे में स्विधा के सिए; बॉर/बा
- (ब) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, बिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्शार्थ अन्यद्विती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा विका जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वे सिस्ह;

शतक वंग, उन्तर विधिनियम, की भारा 269-म के बनुसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) -के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:---- (1) श्री बालकृष्ण लक्ष्मन गोखलं, 10 इन्द्रायणी बी-15बी गल्ला प्र• मानरोड पूना--4 ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश बास्त्रेय ग्रौटी राहुल चेंबर्स इसरामाला कर्वे रोड, पूना-4 (अन्तरिती)

का, यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भी अर्जन के सिए कार्यनाहियां करवा हूं।

ज्वा संपत्ति को वर्षन के संबंध में कोई भी वालेप :---

- (क) इस सूचना के राचपन में प्रकाशन की तारीक थे 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की बामील से 30 दिन की मन्धि, बो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

त्यक्षाकरणः -- इसये प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को सक्त निभिनियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# मप्त्री

(जैसा कि रजिस्ट्रेशन सं० 37ईई/6320/85-86 जो माह जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है )

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायह आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, पूना

दिनांक : 12-6-1986

पोहर:

प्रकृष भाषा है हों हु सुर्ग हु पुस्त हु स्वरूप स्वरूप

# बावकर विभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुवता

भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूमा, विनांक 12 जूम 1936

निदेश सं० 37ईई/679/85-86---अतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रापये से अधिक है

म्रांर जित्रकी सं म्युनिसपल थ० नं 430/25 मी —II सं नं 624/बी एम० जी० रोड, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रिजिस्ट्रार में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, दिनांक जनवरी 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रायमान इतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वंधापृत्रोंकत सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकत से, एसे द्रायमान प्रतिकत का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए द्य पाया जया प्रतिकत, निम्नतिचित उद्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सम्बद्ध से हुई किसी बाय की बायत, अस्त अधिनियम के अभीन कर दोने की अस्तरक के दारियक में कभी करने या लगम अभाग को सामान के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंबारा अकट नहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सावधा के निए:

कतः कथा, उक्त विधिनयम की भारा 269-व की वनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रो मधुनुद्दन जनार्धन अभ्यक्तर एण्ड अदर्स लाज आर/श्रो, एम० जी० रोड, नासिक। (अन्तरक)
- (2) मेसर्से मयुरेश बिल्डर्स प्रो०श्री एम शी० गांगले 4207 पचवदी आसिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इब स्था के रायपण में प्रकाशन की शारीय हैं
  45 दिव की श्रविध या तत्थ्रव्याओं वर
  स्थान की तामील से 30 दिन की श्रविध, के भी
  वर्षा वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस क्षमा के समपत्र में प्रकाशन की शारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास
  लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, जो सक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होता को उस अध्याव में दिया गया है।

# जन्तुंची

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत सं० 37ईई/679/85-86 जो माह जनवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रोड पूना के दफ्तर में लिखा गया है)

> अतिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 12-6-1986

प्रक्य नाही, टी, एन, एसंड-----

# भाषकर व्यक्तित्वम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्थाना

भारत सरकार

# क्रायांलया, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज, पूना पूना, दिनांकः 12 जून 1986 निदेश सं० 37ईई/6523/85-86--यतः मुझें, भ्रमिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फायनल प्लाटन 43/2 एरडावला पूना-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधवारी के वार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम, तारीख जनवरी 1986

को प्रांचित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए कम्तरित की गई है और मृत्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निमित्त में बालाविक क्य से कांचत नहीं किया गया है क्र-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आया की बाबत, स्थत शिवस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। बीए/या
- (क) पुत्ती किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए:

(1) श्री अर्थ हो कि सीधुले एंण्ड अर्थ 109/2 एरडावना पूना—4

(मन्तरक)

(2) साठे गोडमें 9244 सदाही व पेठ पूना-30 । (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

### अमुसुची

(जैसा कि रिअस्ट्रीकृत सं० 37ईई/6523/86-88 जो माह जनवरी 86 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है ।

> अफिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रेंज, पूना

विनांक: 12-6-1986

# प्रकृष्ट नाइ टी एन एक.

#### भारत करकार

# कार्यात्तव, सङ्घायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्रयू० करनाल/170/85→ 86—अत: मझे, बी० एल० खत्नी,

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (चित्त इसमें इसके प्रकार (उक्त निर्मायम कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से निधक है

भीर जिसकी सं० 45 एकड भूमि, 17 के एम स्टोन करनाल अध रोड पर स्थित है (भार इससे उपाबद्ध अनुसुधी में भार पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 18-12-1985,

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कार्य है कि पंचापूर्वीक्त उपित का उचित बाजाड़ मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उच्चेच्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) कन्छरण से हुई किसी भाग की शावत अवत निध-नियम के ज्योन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी जाय का किसी भन या क्या बारितवाँ को जिन्हों भारतीय आयकर जुभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जत्तरिती ब्कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः सव, उन्त निधित्वन किंधारा 269-न की, अधिवरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क सधीन, निम्निसिसिस स्पन्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अरिवन्द पाल सिंह, तेणिन्दर पाल सिंह निवासी-नं सं 41, अशोक कालोनी, जरनाल (अन्तरक)
- (2) सर्वश्री बलबीर सिंह, बलवन्त सिंह पुत्रगण श्री बीर सिंह, निवासी बाई पास, जी० टी० रोड, करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह तुषका पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दुर्वाह्न
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।
- स्थितिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि विद्यालया ।
   नियंत्र, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं,
   वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्पी

सम्पत्ति 45 एकड भूमि जिसका अधिक विवरण राजस्ट्रो-कर्ता के कार्यालय, करनाल में राजस्ट्री संख्या 3645 दिनांक 17-12-1985 पर दिया है ।

> बी० एल० खक्षो सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-7-1976

प्ररूपः आईं . टी . एन . एस . ~~----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू० गुड़गांव/141/85-86--अतः मुझे, बी० एक० खती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- ए. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० 17 कैनाल, 2 मारला, ग्राम घोमा, गृहगांव में स्थित है (श्रोर धमसे उपायद्ध अनमुची में श्रोर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृहगांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 6-12-1985,

को पूर्वे क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल हे लिए अंतरित की गई है और मृश्ते यह विद्वास करने का का एण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ग) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िण्यु; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मैं", उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीरा निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री कोश राग पुत्र सभाजन्द निवासी--ग्राम चोमा गृङ्गांव

(अन्तरक)

(2) मे० प्रांतल हाउमिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कं० प्रा० वि० 115, असल भवन, 16-कस्तूरबा गोधी मार्ग, भई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियू कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

1915

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र ः प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 17 कैनाल, 2 मारला भूमि जिसका अधिक विकरण रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 5353 दिनांक 6-12-1985 पर दिया गहै ।

> की । एल ० खनी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-रोहतक

धिनांक: 9-7-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

**कायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986 निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/138/85-86---अत: मुझे, बी० एक० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 7 बोधा 5 बिस्वा (पुछता) भूमि श्राम नत्थूपुर गुड़गांव में श्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिक्ट्रोक्ती अधिवारा के वार्यालय, गुड़गांव भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 6-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित क्लार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त किर्धानयम के अभीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना कहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत् बप, जक्त बांभिनियम, कौ धारा 269-ग कै बन्तरक गे. मी. तक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कै अधीम, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री शिवा राम, बलबोर पुत्रनण पूरम िवासी---ग्राम नत्थूपुर, जिला गुड़गांव । (अन्तरक)
- (2) मैं० अपोलो लैंण्ड एण्ड हाउसिंग कं० (प्रा०), लिं० 21 - भरिन्द्र प्लेस, संसद मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यधाहियां करता हो।

#### उक्त अम्पत्ति के वर्षन के संबंध को कोई भी वाशेष 🎮

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्यक्रिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा। गया है।

#### अनुस्पी

सम्मित 8 बीघा 5 बिस्वा (पृख्ता) भूमि जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 5361 दिनांक 6-12-1985 पर दिया है।

> की० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनां कः 9-7-1986

# बुक्तुं बार्च्य होत्र प्रुप्त बुक्य =---

भायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत चरकार

# कार्याजन: बहानक नारकर बावुक्ट (निरीक्क)

अर्जन रेंज, रोह्तक रोह्तक, विभाक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/29/85~86---अत: मुझे, बी० एल० खली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 26 कैमाल, 15 मारला भूमि, गांव सिरहोल, गुड़गांव में स्थित है (भ्रीर इससे उपावस अनुसूची में भार पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीम, दिनांक 10-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम को क्समान प्रतिकत्त को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बजापुर्वोक्त तैपितित का राजत बाजार ब्ल्य, उसके क्समान प्रतिकत्त से, एसे क्समान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए सब पावा गया प्रतिकृत, विन्यक्तिकित क्यूबोन्स से उच्छ बन्तरक मिश्रिक में वास्त्रिक क्य से क्षित नहीं किया गया है क्या

- (क) नंतरण से हुए किसी नाम की नानत, जनत विधिनियम के वधीन कर दोन के कलारक के राजित्य में कर्जी कहनें ना उससे नचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (ग) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्त बास्तिकों को, चिन्ही भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या चनकार अधिनियम, या चनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना वाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

कत्य थय, उपत क्षितियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियाँ, अर्थातु:---

- (1) श्री खेमचन्द पुत्र जमन मर्त पुत्र निहाल निवासी--सिरहोल तह० एवं जिला-गुड़गांव (अन्तरक)
- (2) ग्रंसल प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीयल (प्रा०) लि०-115 ग्रंसल भवन, 16-कस्तूरका गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्द सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां कुक करता हूं।

#### तकत संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की नदिभ या तत्संबंधी न्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की नदिभ, जो भी
  समित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताकरी के पार सिवित में किए जा सकतें।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस बध्याय में दिया नया है।

#### वन्सूपो

सम्पत्ति 26 कैनाल, 15 मारला भूमि जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गाव में रिजस्ट्री संख्या 5434, दिनाक 10-12-1985।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक

दिमाक : 10-7-1986

प्रस्म अव्ही, हो, एन , एक , ------

नानकर निधीनसन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) ने नभीन स्वना

#### माहरा सरकार

# कार्यां नन, सहायक नामकर नानुक्त (विर्यानक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू गुड़गांव/133/85-86---अतः मुझे, बी० एस० खसी,

मायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके क्यांत 'डक्क सीमीयमा' महर क्या ही, की मारा 269-क के मेपीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारन है कि स्वावर सम्बद्धा, जिसका खियत वाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से बिभिक्त है

भौर जिसकी सः 5 एकड़ भूमि, मारुति कम्पलेक्स, , इण्डस्ट्रीयल एरिया गुड़गांव में स्थित हैं (भौर इससे उपावड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बाणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 24-12-1985.

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उपित वाबार मून्य से कव के अपनाथ अधिकाम के विक् अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वाध काई के कारण है कि वंभापूर्केंजर कम्मीत का अधित वाबार बूक्य, उसके देवसमान प्रतिपत्ति है, एसे कासवान प्रतिपत्त का प्रमाह प्रतिपत्ति से विधिक ही और मन्तरक (अन्तरकारें) और अधिकास (अन्तरितियांं) के बीच एसे जन्तरक के निए तय पावा क्या प्रतिपत्ति, निम्मतिस्ति स्व्यंत्रस से उच्य जन्तरक जिल्हित में बल्काविक क्य से कांचित महीं किया पता है :—

- रिकों नगररण है हुई हिंदवी बाय की नानक, उनक विशित्त्व के मुरील कार क्षेत्र के जुलहुक की वाजित्व में क्यी करने वा उनके नगरे में सुविका के बिक्; वीर/या
- (म) ऐसी किसी बाद वा विश्वी वय का सम्य जारितयों कों, जिन्हीं भारतीय मायकर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ वन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाना वाहिए वा, जिलाने में वृत्विधा के किए;

अत: धम, अन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण को, मी, क्वत अभिनियंश की गारा 269-म की धनगारा (1) के अभीन निम्नीसीबत व्यक्तियों, अभीत् उल्लंड (1) मैं श्रोरिएण्टल स्टील (प्रा०) लि०, जनकपुरी एनसटेंशन, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) मैं मिल्कपृष्ट लिंग, पांचवी मंजिल, भण्डारी, हाउस, नेहरू प्लेस, मई दिल्ली।

(भन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन के जिए कार्यवाहियां बुक करता हूं ते:

# क्या बन्नीत के वर्षन के तंत्रभ में कोई भी नाबीर ६---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की लारीय के 45 दिन की नविभ या तत्स्यन्त्री व्यक्तियों वद सूचना की तामील से 30 दिन की वनिभ, जो भी वविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस भूषमा को राजपन में प्रकारण की सारीय के 45 दिन के भीत्र उपक स्थायर सम्पत्ति को दिस-बद्द किसी जन्म स्थापत क्यारा, व्याहन्सकारी के यास जिल्हा को किए या सकोंगे।

स्पाक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के बच्चाय 20-क में परिधारित ही, वहीं अर्थ होगा को उस बच्चाय में दिका गया ही।

# अनुसूची

सम्पत्ति 5 एकड़ भूमि में स्थित जिमका अधिक विश्वरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 5650 दिनांक 24-12-1985 पर दिया है ।

> बी० एन० खद्री मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, रोहतक

**दि**मांक : 7-7-1976

⊬ोहरः

प्रकल नाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक जायकर आयुर्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० हिसार/96/85-86---अतः मुझें, बी० एल० खन्नी,

कायकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० 77 कैनाल 5 मारला भूमि, ग्राम सलोड, खास (हिंसार) में स्थित हैं (प्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, हिंसार में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम, दिनांक 19-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूम्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तादित्यों) के सीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उत्तस अचने में सुविधा के जि़िए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन प्रा जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए;

मतः जयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- : (1) सर्वश्री श्रोम श्रकाण, सत्वीर सिंह पुत्रगण शानीराम तथा ज्ञानीराम पुत्र मामन, ग्राम सत रोड खास, जिला—हिसार ।

(अन्तरक)

(2) मैं० भानु आयरन एण्ड स्टील कं० लि०, 10 के० एम० स्टीन, दिल्ली रोड, हिंसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्चन के निष्ट् कार्यवाहियां करता हो।

क्ष्मत सम्मति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधित्यमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति 77 कैनाल, 5 मरला, भूमि जो ग्राम सतरोड खास हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5483 दिनांक 19-12-85 पर दिया है।

बी० एस० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोह्नक

दिनांक : 9-7-19**8**6

प्रकृष बाह्ये हो । एन । इस <sub>------</sub>

# नायकड गरिययक्त 1961 (1961 का 43) की पाठा 269-म [1] में मुचीन कुम्स

भारत सरकार

# कार्यावय, बहायक बावकार बायुक्त (निष्ठीक्य)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 16 जुलाई 1976 निदेश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०पानीपत्त/95/85-86---अतः मझें, बी०एल० खती,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विको इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का आरल हैं कि स्थावर सम्पत्ति विसन्धा उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रुपयो से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं ० 143 कैनाल, 2 मारला भूमि, गांव सनोली खुर्द, तहु० पानीपत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसुचों में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 13-12-1985,

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से नम के स्वस्थान प्रतिफल के बिए अंतरित की गई है जर स्था कर निवसाय करने का कारण है कि स्थापृष्टिक सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिश्व से सिथक है और बन्तरक (बन्दरका) और (अन्तरित्यों) के बीच एचे अन्तर्क के लिए तस पासा स्था कम निन्तिवित स्वार्थिक से उच्च बन्तरक बिक्त में बास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्) बनारण से हुए जिसी बाब की बाक्य<sub>ा</sub> सक्छ विभिन्नस के नभींच कर दोने की अन्तरक की दावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; नोड़/गा
- (क) एस किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ की, चिन्हें भारतीय व्यवकर विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर विचित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रकारतीय अस्तिरिती ह्वारा अकट कहीं किस चर्चा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

शबद्ध शक्तः, सम्य क्षिनियम की भारा 269-ए के अनुकरण वा, जो उनक विधिनियम की भारा 269-च की स्पेशारा (1) के अभीता, निम्मृतिकित व्यक्तियों अर्थात् ६—

- (1) सर्वंश्री गुरदीप सिंह 2 दर्शनसिंह 3 काला सिंह पुत्रगण श्री लक्ष्मम सिंह निवासी--ग्राम सनोली खुवँ, तह० पानीपत (अन्तरक)
- (2) सर्वश्री 1. लाल चन्द पुत श्री धरम सिंह 2. श्री राम महर पुत्र श्री धरम सिंह 3. शमशेर सिंह पुत्र श्री धरम सिंह 4. परिवन्दर सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह 5. श्री बलजीत सिंह पुत्र प्रेम सिंह 6. बलवन्त सिंह पुत्र श्री धरम सिंह सभी निवासी ग्राम सिवाह, तह० पानीपत ।

(अन्तरिती)

की पश्च शक्का वार्षी करके पूर्वीयत संस्थाति से वर्षण के लिए कार्यशाहियों कुरू करता हुं।

### क्ष्म क्रमित के वर्षन के इंबंध में और भी बार्धप ह—-

- (क) इक क्षणा के एरक्पण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अवधि या तत्त्रम्थानी व्यक्तियों प्रव क्षणा की सामील से 30 दिन की श्वधि., को और अवधि नाद में बमान्त होती हो, के बीतर प्रवेक्त व्यक्ति में ते कियी व्यक्ति कुराराह
- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की वारीक के 45 दिन के बीतर उक्त स्थापर तम्पत्ति में दितवदृष्ट् किसी जन्म स्थापत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा तकांगे।

सम्बोक्तरणः -- इदने प्रमुक्त कर्यों थीड़ नवीं का, यो उनक सीधः विवयं में सम्बाद 20-क में पीडुआयित हो, वहीं वर्ष होता, को उन्ह सम्बाद में दिया गया हो।

#### वन्त्र्या

सम्पक्ति 143 कैनाल, 2 मारला भूमि याम सनोली खुर्ब में तह० पानीपत में स्थित है। जिसका मधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 4385 दिनांक 13-12-75 पर विया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक

दिमांक : 16-7-1986

मोहर ।

प्रारूप आहु . टी . एन . एस . -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जुलाई 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू० पेहवा/1/85-86---अतः मुझे, बी० एन० खन्नी,

कायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें दर्वात् एक्स अभिनियम के क्षा गंग हों), की भारत 269-ए के वचीन सक्तम प्रतिचक्तरी को यह विकास कारने का कारण है कि स्थापर सम्मतिक, जिसका उन्तित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 242 कैमाल, 9 मारला भूमि ग्राम धनीराम-पुरा, तह० पेहवा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसुबी में श्रीर पूर्ण रूप में बॉणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेहवा, में भारतीय शायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 2-12-85,

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उजित नाजार मुख्य से कम के अवसान वितास के विद्यास करने का बारण है कि स्थापूर्वोक्त संस्पत्ति का उजित बाजार मुख्य संस्थान ही कि स्थापूर्वोक्त संस्पत्ति का उजित बाजार मुख्य संस्थान प्रतिक्रम का कन्सह विद्यास से प्रतिक्रम से, एसे सम्यमान प्रतिक्रम का कन्सह विद्यास से बिधक हैं और जन्मरक (बन्सरकों) करि बन्धरिसी (बन्सरिसीयों) के बीच एसे जन्मरक के बिए तक वाबा गया प्रतिक्रम, निम्निलिखत स्थ्यस्य से सम्बद्ध कन्मरूप लिखित से बन्सरिक स्थाप्त करने से बन्दिक स्थाप्त करने से बन्दिक स्थाप्त करने करियत नहीं विद्यासमा हैं है

- (क) ब्रुच्यूरण से हुई किसी बाग की बाब्स, उक्क् विधितवम् के अधीन कपू वीचे के वस्तरंक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिध; बीस्/वा
- (व) एसी विची बाव वा किसी धन वा बन्ध वास्तिनों को, जिन्हों भारतीय वावकर जिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनियम, या प्रयोजमार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वे तिद्ध;

- (1) 1 श्री इकबाल रिह 2 जगपाल सिंह पुत्रगण श्री
  गुरुबख्ण सिंह 3 श्रीमती जोगिन्दर कीर पुत्री
  श्री गुरबख्ण सिंह 4 बादल सिंह पुत्र श्री केहर
  सिंह 5 भूपिन्द्र सिंह पुत्रगण श्री चामन सिंह
  भिवासी—विलोचपुण तह० पेहवा ।
- (2) श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह 2 श्री बचन सिंह पुत्र श्री दुरिदयाल सिंह । 3 श्री करमचन्द 4 श्री भागमल 5 श्री सस्पर्सिष्ट पुत्रगण श्री जती राम निवासी—रनगल नह० थानेसवर ।

(अन्तरिती)

(3) — (बह व्यक्ति, जिस्के कब्जे में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रामपण में प्रकाशन की रामीय थें 45 दिन को जनिय या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान भी तासील थे 30 पिन की स्थाप, भी की सम्बद्ध में क्यांच्य होती हों, से भीकर प्रविका स्थापकों में से किसी स्थापत कुक्ता;
- (क) इस भूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सार्थ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्ध व्यक्ति वृक्षारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्कारिकारक :—इसमें प्रयुक्त करने कीर करों का, की खक्त अधिनियम, के अध्यास 20 के में परिभाषित ही, बहुदे अर्थ होया को उस अध्यास में विका क्या ही।

#### अनुसूची

सम्पत्ति 242 कैनाल, 9 मञ्जा भूमि, है जो ग्राम धनीराम पुरा तह ० पेहवा में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, पेहवा रिजस्ट्री संख्या 1303 दिनांक 2-12-85 पर दिया है।

> बी० एल० खद्गी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, रोहतक

दिनांक 16-8-1986 मोहर ३

### प्ररूप भाषां, टी. ऍन. एत्. अन्यान-वार्यक्रम

# बायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

# भागांलय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोह्तक, दिमांक 16 जुलाई 1986

निदेश सं अाई० ए० सी ० /एक्यू० बराड़ा / 30 / 85 – 86 — अतः मुझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मुख्य 100,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० भूमि 149 कनाल जो गांव जलूबो में स्थित है (म्रांर इससे उपायद्ध अनुसुकी में म्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बराज़ा में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिन क 23-12-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए निम्नलिखित भें वास्तिक रूप से स्थित महीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की गयत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, डिप्पाने में सुविधा के सिए;

- (1) सर्व/श्री मनमोहन , स्रिन्द्र मोहल पुत्रान रामनाल इन्दर रोन पंथी चन्द पुत्रान देवन चन्द पुत्र करम चन्द नि०—-जनूबी तह० बराडा, जिला अम्बाला । (अन्वरक)
- (2) श्री दिल्बाग राय पुत्र लाल भीम सेन, वेद प्रकाश भूभाप चन्द्र, पुत्र संगल देन, लाल घानन णाह पुत्र लाला किरपाराम मनोहर लाल पुत्र लाला चाननशाह निवासी—-गण -णाहबाद मारकण्डा, तह० थानेमर जिला—-शुरुक्षेत्र ।

(अन्तरिती)

को ग्रह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भ्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 149 कनाल जो गांव जलूबी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के बार्यालय बराडा में रजिस्ट्री संख्या 1424 दिन क 23-12-75 पर दिया है ।

> बी० एल० खती ाजन प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

आहः अब, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ए के अनुतरण कों, मीं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ए की उपभारः (1) के अधीन, निस्नतिवित, व्यक्तियों, बंचीत् क्र—

दिनाक : 16-7-1986

,मोहर 🛭

# प्ररूप बाह् े टी, प्रमु पुराञ्चननकातः

# नाथकर निपित्रियम, 1961 (1961 का 43) कही भाइत 269-न (1) के जभीन सुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहनक

रोहनक, दिनांक 30 जूम 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० हिसार/93/85-86--अत: मुझे, बी० एल० खद्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति जिसका उचित् वाबाद स्वव 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 37 कैंनाल, 12 मरला ग्रीम डाबरा, हिसार में स्थित है (ग्रीर इसरे उपावद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप संविणत है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकार के कार्यालय, हिसार में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 9-12-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने, का कारण है कि मथ्यपूर्वेक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (ख) ए ती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राम कुमार पूत श्री नेतराम स्वयं मुख्यारेआम श्री हरचन्द लाल चन्द, वीरसिंह, रामानन्द राजेन्द्रसिंह एण्ड शेर सिंह पुतान श्री नेतराम ग्राम डावरा हिसार ।

(अन्तरक)

(2) दी हिसार मार्डन हाउस बिल्डिंग सोसायटी, हिसार द्वारा प्रधान श्री कांगीराम गुलयाणी म० न० 60, एम० सी० कालोनी, हिसार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो ता सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

### उक्क बस्पृतिस् के वर्षम् के धम्बन्ध् में कोइः भी बाक्षेत्र ---

- (क) इस त्वना के रावपन के प्रकादन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विवित में किये या सकींगे

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि कि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया हो।

#### अनुसूची

सम्यक्ति 37 कैनाल 12 मरला जो ग्राम डाबरा, हिसार में स्थित है जिमका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5213 दिनांक 9-12-85 पर दिया है ।

> बी० एन० खती सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेज-रोहतक

दिमांक : 30-6-1986

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निवेश सं अई० ए० सी०/एक्यू० रेवाड़ी/29/85-86--अतः मुझी, बी० एल० खली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह क्लियास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मं एक, 000/ को सं ० 94 कैनाल, 18 मरला ग्राम मालपुरा में स्थित हैं (ग्रंटर इसने उपाबद्ध अनुसुनी में ग्रंटर पूर्ण कर से विणत हैं), रिक्टिट्रीजिती अधिकारों के कार्यालय, रेबाड़ी भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनां र 11-12-8% को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिर बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, इसके श्रूयमान प्रतिफल से, एसे श्रूयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक, एसे किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या अक्त आधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीय - रिकालिशित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री लाल सिंह पुत श्री रामसल्प निवासी—भालपुरा तह० रेवाड़ी।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशनलाल पुत्र माधोराम पुत्र श्री गुड़श्यांम निवासी---ग्राम सिलोखेड़ा , गुड़गांव । (अन्तरिती)

को यह स्वन्ध जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वी

सम्पत्ति 94 कैनाल, 18 मरला जो ग्राम मालपुरा, रेवाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में रिजस्ट्री सख्या 2669 दिनाक 11-12-85 पर दिया है ।

> की० एल**् खन्नी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रें**ज, रोह**तक

:मांक : 14-7-1986

मोईदर:

# प्रस्प नार्दे और पुन्त पुरु । -----

# भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-क (1) के मधीन सूचना

#### STATE STATE

कार्यालय , सहायक भायकर नामुक्त (निर्देश्न)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निवेश सं अधि ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/ 136/ 85-86---अतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

नासकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें परवात् 'उथत निभिन्नियम' कहा पना हैं), की भाषा 269-व के निभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का वारण है कि स्थानर सम्मित्त, विश्वेका स्थित नावार मून्य 1,00,000/- रा. से निभक हैं

भीर जिसकी स० 42 कैनाल 4 भरला कमहेई, गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप में बिजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 9-12 1985.

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के वस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुक्तें यह विस्वास करनें का कारण है कि बनापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे सम्प्रमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से विभिक्त है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एवं अन्तरक के निष्ट तम पामा ज्या ब्रातिफल, शिम्नीनिवित सब्देशन से अक्त अन्तरक निर्मित में पास्तिक रूप से केंचित वहीं किना गया है ——

- [क] क्षी किया बाब वा किसी थन वा बस्य जास्तिकों का, विन्हें आरसीय नायकार कृषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस निथितयम, वा अत-कार निथितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिहारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए था, कियाने ये कृषिधा के निष्:

सत्तक्ष सन्, उनत् अभिनियन की पारा 269-म से स्नुतर्थ में, में, उनत् अधिनियम की पास 269-स की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिय किस्टियों अधीन ७-स (1) श्री गिरवर सिंह पुत्र पूर्ण निवासी--कनहेई ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ग्रीन पाक बिल्डज एण्ड प्रोमोटरज (प्रा०), लि०, 115, अमसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की वह स्थान जारी करने पूर्वोक्त सम्महित से वर्षक के जिल्ह कार्ववाहियां करता हुई।

वनत जन्मरित में वर्षय में बम्परम में कोई मी बाबेप ह---

- (क) इत जुपना के राज्यन में प्रक्राचन की धारींच है 45 दिन की जनकि या तत्क्षम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की नविध, को भी स्विध बाद में समान्य होती हो, के भीतत प्रशेषद अवित्तों में से किसी ज्यक्ति हवात;
- (क) इस सूचना के स्थापन में प्रकारन की तार्तिय से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थादर सम्मृति में हितवहुम् किसी बम्ब व्यक्ति द्वारा, बभोहस्तासरी के शह सिसिस में किसे का सकेंचे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रमुक्त सन्दों गौड़ पदों का, वो अवस वृधित्वमः से वध्याव 20-क में पहिसाबिध इंडि वहीं वर्ष होना सो स्वय क्ष्याय में विका वया हों।

#### अनुसूचा :

सम्पत्ति 42 कैमाक 4 मरला जो धाम क्षमहेई, गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में राजस्ट्री सख्या 5400 दिनांक 9-12-85 पर दिया है ।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहतक

विनांक : 9-7-1986 -

मोहर 🖫

प्रकार बाह<sup>र</sup>, टी. इब्. एस.----

नाथकर वहेंपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### बाउत वडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोह्तक रोहतक, दिनां हु 9 जुलाई 1986

जिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्० गुड़गांज/ 128/ 85~ 86—-अतः मुझे, बी० एल० खली,

बायकर पिधिनियम, 1961 (1961 को 43) (विसरे इसमें इसके प्रशाद (उन्त निधिनियम) कहा गया है), की भारा 2'69-स के अधीन सक्ष्म पा किस्टी को यह विश्वाप करने का अप्रणा है कि स्थाप वार्षिक हो। वार्षिक के प्रशास करने का अप्रणा है कि स्थाप वार्षिक है।

श्रीर जिल्ली सं० 33 कैनाल, 9 मरला ग्राम सरडोल, गुडगांव में स्थित है (ग्रीर इसमें उत्तबह अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर में विणित है) रिजस्ट्री हत्ती अधिकारी के कार्यात्य गुड़गांव भारतीय आयकर अधिमियम 1961 के अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1985।

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उपित बाधार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्प्रीत का जावित बाधार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफान सं, एसं दश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन, निष्योगिक स्थापन से ज्वास्तिक क्य से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) विराय से दूर्व किसी बाय की बावत, देवन गरिवित्यम् से जुभीन कर दोने की संसुरक से दारिक्य में कार्या तारने या उक्कर कार्ने की संस्थित से जिस्; अपि√मा
- (भ) एसी किसी अय या किसा धन या अस असिताने को, जिल्हों भारतीय अयक्ष अधिनियम, 1922 (1922 की 11) भा अवन अधिनियम, ११ भारतीय अस्ति १००१ । १००१ । १००१ १० १९सीजार्ज जिल्हों सुरुष ग्रामार मही विकास ग्राम् था या जिल्हा आना चाहिए था, कियाने में सुनिय, के सिए।

बतः शव , उल्ल विधित्रमम की धारा 269-ग के वनुसरण में , में , शक्त वृक्षिभियम की धारा 2**69-म की उपधारा (1) वै वृ**ष्णिक निम्व**विद्यालय को व्या**स्त्र स्वास्त्र स्रमान (1) श्री खेमचन्द पुत्र श्री जामन, श्री भण्तू पुत्र श्री निहाल निवासी सरडोल तहरु गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज श्रंसल प्रापट्रीज एंड इंडस्ट्री प्रा० लि० 115 श्रंसल भवन 16 वन्स्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह क्षमा चारी करके पूर्वोक्त सन्वीत के वर्षन के मिए कार्यनाहियां करता हुं!!

उन्ह राम्परि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्रोप :---

- (क) इस प्यना के राजपक में प्रकाशन की साडीब के 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुनना की दासीन से 30 दिन की बढ़िश्व, को भी अविश्व और संग्रीत होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इंत सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की दारीक वे 45 दिन के भीतर उसते स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बव्ध किसी मन्य व्यक्ति स्थारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में विसे का सकते।

स्वक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्ट सिंगियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया दश हैं।

#### अनुसूची

सम्पत्ति 33 कपाल 9 मरला जो ग्राम सरडोल, गुड़गांव में रियत है जिसका अधिक विवरण रिष्टिशकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिष्टिशे संख्या 5435 दिनांक 10-12-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 9-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर आसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## क्षार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहण्ड

रोहतक, दिलं र 9 जुलाई 1986

निर्देश सं ० आई ० ए० सी ०/एक्यू ० गुड़गांव/ 137/ 85 – 86 — अनः मुझे बे ० एए० खन्नी

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें वरवात 'चुक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के बिंदीन सक्षम प्राधिक िको, यह विषयास करने का कारण हो कि स्थावर संपास जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनको सं० 5 बीघा 17 बिस्वा ग्राम वाय्पुर, गुड़गांव में स्थित है (श्राण इन्नों उपाबद्ध अनुभुवी में ग्रांप पूर्ण रूप से विजित है) प्रिल्ट्रीएकी अधिवारी के वायिलय गुड़गांव में भारतीय आयशर अधिवियम 1981 के अधीन, दिगांक 6 दिसम्बण 1985।

की पृशेकि। संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है आर मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि प्रयोग्योंकः संपत्ति का उवित विद्यास करने मृत्ये, उपने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिश्वेत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में पाम्तिक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अतरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दार्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या "धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ज्विधा के लिए।

श्वतः अज्ञ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , ं , उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उण्लास (१) े ज्ञान किम्नलिखित व्यक्तियों , सर्थास् ६——

- (1) सर्वश्री लेख राग, महावीर विलोक पुत्रान जन्दन सिंह, श्रीमती गांती विधवा जन्दन िंह, श्रीमतो कृष्णा श्रीमती बाला पुत्रीयान जन्दन सिंह, रतनलाल, श्रीमती बलदेई पुत्री रामचन्द ग्राम नाथ्पुर जि० गुड्गांव । (अन्तरक)
- (2) मैरार्ज बी॰ डी॰ इन्बैस्टमेंट एंड एजेंसीश लि॰, 21-22, मरेन्द्रा गैलेस, पालियामेंट स्ट्रीट, मई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में मगान होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर एकत स्थावर सम्पत्ति में हित• वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों वा, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषितः है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति 5 बीघा 17 विस्वा जो ग्राम नाथुपुर, गुड़गांव में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकत्ती के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 5363 दिनांक 6 दिसम्बर 1985 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 9-7-1976

प्रस्थ बार्ड , दी., एन , एस . -----

नार्थकर संभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संभीत स्थान

#### भारत सरकार

## कार्यातम्, तहासकं वासकंर वास्त्रतः (विद्रीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिमांक 9 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/153/85-86--अतः मुझे बी० एल० खली

भावकर साधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रणात 'उस्त सिथिनयम' कहा गया है।, की धारा 269-स के संधीन सकम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्ट्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 82 कनाल, 8 भरला भूमि ग्राम णिलोजेड़ा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिएस्ट्रॉक्ती अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीम, दिनांक 3 दिसम्बर 1985 ।

को प्रविक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान ब्रितिकल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्रवेक्ति समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का क्षेत्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षित निम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) संबर्ण से हुइ कियी नाव का वायस, उपस बाबियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के बाबियम में कभी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; नरि/या
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन या जन्म जास्त्रण कां प्रे जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंगरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा आ शे किया जाना बाहिए था, क्रियाने में सुविका के हिंगए;

बत: बत, उक्त विधिनियम की भाग 269-न में नम्सप्त वें, में, उक्त विधिनियम की भाग 269-व की उपभारा (1) वें विधीग, निम्नविधिट व्यक्तियों, वर्षार क्रिक्त (1) श्री भ्रोम प्रकाश पुतः भीम सिंह, कूड़ाराम इत्यादि निवासी झाड़सा, गुड़गांव ।

(अन्सरक)

(2) रूही एन्सर्ट्रेक्शन कं प्रा० लिं ०, 6 कोमूनिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के विद्यु कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्प्रति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बार्शण :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 पिन की बंदिय या तत्संत्री स्थित्मों पर स्थान की तारीच से 30 दिन की नगरिंग, जो बी बंदिय में समस्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितस्यों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहल्लाक्षरी औ पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इस्में प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्यस्थ

सम्पत्ति 82 कनाल, 8 मरला जो ग्राम शिलोखेंड़ा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 5281 दिनांक 3 दिसम्बर 1985 पर दिया है।

> बी० एस० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनोक: 4-7-1986

शक्य नार्<sup>1</sup>. टी. पुन्-पुन्<sub>-</sub>----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के बचीन सुष्या

#### RING GENERAL

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन नेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं ० आई० ए०प्सी०/एक्यू० गुड़गांव/ 142/85-86---अतः मुझे बी० एल० खली

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके परणान् 'उनत अधिनियम' कहा गया की, की भारा 269-ज को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिपकी सं० 27 कतात, 5 मरला आम कन्हेई, गृङ्गांव में स्थित हैं (श्रांर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यात्य गुड़गांव में भारतीय आयऊर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बहरवान प्रतिफार के लिए जन्तिरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिमल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए एव पाचा नवा प्रतिफल, निम्नदिखित उद्देश्य से उच्छ बन्दरण विविध में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (45) बन्तरम से हुई किसी बाद की नावस, जन्म सीव-रिवन के अभीन कर दोने से सन्तरक से दासिस में कनी करने या उससे क्याने में तृष्टिभा के सिए; बरि/या
- (ब) एसी किसी बाग या किसी भन या बन्य वास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय अपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपकत अधिनियम, बा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया बाबा बा का किया बाना बाहिए बा, छियाने अं स्थिया के निष्:

भतः, अय, उस्त अभिनियम् की भाष 269-म से अन्सरम मों, मीं, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :---- (1) श्री मोहन लाल पुत्र श्री फूल सिंह, निवासी कनहेई, गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज देहली टावरण एंड एस्टेट प्रा० लि॰, 115, श्रंभन भवन, 16 कम्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को नह सूचना वारी कारके पूर्वीनच संयुद्धि के नुर्वन के जिल्ला कार्यनाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की हाजपूज में प्रकादन की तारींच हैं 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षणा की दासीन से 30 दिन की नव्धि, को भी वृत्यि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय वृत्यातः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के बव्ध किसी अन्य अयोकत द्वारा अधोहस्साकारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-शक निर्वित में किए वा सचीने।

स्वकारिक हुन हुन्समें प्रयूक्त कार्यों बहि वर्षों का, वो सामा विभिन्नियम, के बच्चाम 20-क में पहिलाबित हैं, वहीं कर्ष होया वो सम्बन्धाय में दिवा मना हैंग्री

# अनुसुची

सन्यन्ति 27 कवाल, 5 मरला जी ग्राम कनहेई, गुड़गांव में नियन है जिनका अधिक विवरण रजिस्ट्रोक्स के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री मंख्या 5339 दिनांक 6-12-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नो, राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, रोहतक

বিশেষ: 30~ —1986

माहर:

प्रस्त कार्ड ती प्रमु क्रेड ......

कायकर सिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कार्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश सं व आई० ए० सी ० एक्यू० गुड़गांव | 414 | 85-86--- अप: मुझे की० एल० खड़ी

जानकर अधिनियम् (1961 (1961 का 43) (विश्व समर् इसके परकात् जनत अधिनियम कहा त्रवा है) । की पाउर 269-य से अधीन सक्षम प्राधिकारों कों,। यह विश्वास करने, का कारण है कि वसायुनियस अमिति का अधित बाबार कुरव 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 79 जनाल, 11 मरला भूमि पाम जिलेखेड़ा, तहसील गुड़गांव में स्थित है (भीर इमसे उत्तवक्क अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणात है) रिजिस्ट्रीतंची अधिकारी के जार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधितियम 1961 वे अधीत, दिशांक 21 फरधरी 1986।

का प्वांक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूनय से कम के उपयमान प्रतिफल के जिए बन्तरित की गृह है और मुम्हें वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उषित बाबार मूक्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे रम्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंवरिती (अन्तरितियों) के यौच एसे अंतरण के लिए तम पामां बया प्रतिक फल, निम्निचित्त उद्देश्य में स्वस्त जन्दरन निवित में वास्त्रिक क्ष्य म किंशा बहीं किया बना है किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बार्यस्थ में करी अध्येश राजका अध्येश में मुणिया के लिए; स्टीज़/बा
- (क) श्रेती किसी बाव ना किसी धन वा बन्च वास्तिनी को, जिस्हें भारतीय वासकर मिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रोधीनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रवास्त्राम सन्दिती प्रवास प्रकट तहीं किसा गया भारत है जिसा दान भारति भा, श्रिक्षाम में स्विश्वा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. इक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मूल जन्द पुत्र श्री इन्द्र, लिशाती ग्राम-सिलोखेड़ा, सहसील-गुड़गांच ।

(अन्तरक)

(2) मैं० सी० लायल एंड कं० (कंसदृक्णम), प्राईपट लि०, 16 करलूरका गार्थी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

हो यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कर्मजाहियां करता हुन्।

**एक्त सम्मत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप** ए---

- (क) इस सूचना के शक्यक में अकामन की तारी से बं ८५ दिन की नवीं या तत्यम्बन्धी मानिसकों इक मजता की मानी व में 30 दिन की नदीं या औ नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

अक्टीकरण:---रममें प्रवृक्ष वस्तों और पद्यों का, वी उपत सीधीनचम के बध्याय 20-क में परिमाणिक ही, यही वर्ष होगा, को उस बध्यात जी विका यदा ही।

#### अन्स्ची

सम्पत्ति 79 कनाल, 11 मरला भूमि जो ग्राम-सिलोखेंड्रा तहमील गुड़गांव में स्थित है जिस जा अधिक विवरण रिजस्ट्रीकत्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री मख्या 6815 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खबी, गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जेन रेंग, रोहनक

दिनां क : 14-7-1986

## द्रक्ष वार्ड. टी. एन , एस , मारा प्रमाणकार महामान

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

#### नारत सरकार

# कार्यासय, सहारक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू० करनाल/ 186/85-86-अतः मुझे बी० एल० खन्नी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 126 कवाल भूमि जो ग्राम जंडाला, तहसील करनाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से पणित हैं) रिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करमाल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 3 जनवरी 1986

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- हैंक) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, स्वश्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की अधिरण में कनी करने या उससे बचने में सुविधा व सिए; इसी,/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गण्ड प्रतक्तर अधिनियम, गण्ड प्रतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ बन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विजया जाना शाहिए था, ख्याने भें स्थिया जे सिए;

- (1) श्री सूमेर चन्द पुत्र श्रो पूरन चन्द, श्री जयपाल सिह, श्री सतबीर सिंह, पुत्रगण श्री सूमेर चन्द, श्री कृषण लाल पुत्र श्री पूरम चन्द भिवासी कैलेण्डर गेट, करनाल (अन्तरक)
- (2) श्री पन्दा मिह, श्री बावू राम पुत्रगण श्री संवा राम, भिवासी कैलेण्डर गेट, करमाल ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

प्रकार सम्पतिष्य की बार्यन हो. सरकान्य जो क्यांको भी आक्रोप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पश्चित्र की अविध , को भी अविध , को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत अविकास में स किसी अविदा उनारा,
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिलस्युक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्यक्तिस्ताक्षरी के पान जिसीत में किए का सकोंगी।

स्पव्स्थितस्थः इसमे प्रयासत शस्त्रों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, को अध्याद 20 के में परिभाविक्ष हैं, बही अर्थ होना ओ उस अध्याय में दिशा स्वया हैं।

### अनुसूची

सम्पत्ति 126 कनाल भूमि जो जंडाला, तह० करनाल में स्थित है। जात्रा अधिक विवरण रिजस्ट्राकर्सा के कार्यालय, करनाल रिजस्ट्री संख्या 3990 दिशांक 3-1-1986 पर दिया है।

> बी० एन० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण ं, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपधारा (1) कुलभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

दिलां ह: 9-7--1986

## THE REPORT OF THE PERSON

## वायकड विश्वित्वम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के वृथीन सूचना

#### नारत प्राप्त

## **भावतिक, सहायक वायकर नायुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

भिदेश सं० आई० ए० सं।०/एक्यू० दिल्ली/17/85-86--अत: मुझे बी० एल०खन्नी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्नीर जिसकी सं विल्डिंग एवं फैनटरी क्षेत्रफल 31, 666% वर्ग गण जो मथुरा रोड़ फरीदाबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांग 8 फरवरी 1986।

को वृष्णित सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिक ल के निए गन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, ऐसे क्रयमान प्रतिकल का पल्लह प्रतिचत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्यारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब बाबा नया प्रतिकस, निम्नसिचित उद्विस से उक्त बन्तरच् लिखित में बास्तविक रूप में क्यित नहीं किया नया है —

- (क) अन्यक्षम ने हुई किसी भाग की गानता, उनता निष्क विषय की अधीन कहा देने के अन्यरक के वाहित्य की कभी करने या सम्बंधनियों में सुविधा के किए; बॉर्/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नया था, या किया जाना आहिए था, किया विश्वा के किया

(1) मै० आटो पिन (इंडिया) प्रा० लि० 17/1 कम्यूनिटी सेंटर न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) मैं ासरोंको प्रेसिंग (प्रा०) लि॰ 17/1 कम्यूनिटी सेंटर न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति वर्ष वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूँ।

उनक सम्मरिक के नुर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आसोद्ध=

- (क) इस अध्या ने राजपूत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधिष या तत्सध्वाभी व्यक्तियों पर स्वा की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के अवधन में प्रकाशन की तारीख़ है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में द्वित-बद्ध किशी बन्ध व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकों ने ।

स्थव्यक्तिरसं --इसमें प्रयुक्त सन्यों भीर पदी का, को उक्त जिनियम के जभ्याय 20-क में परिशाबिद हैं, वहीं जुर्भ होगा को उस जभ्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्ची

सम्पत्ति बिल्डिंग एवं फैक्टरी क्षेत्रफल 31, 6662/3 वर्ग गज जो मथुरा रोड़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कत्ती के कार्यालय दिल्लो में रिजस्ट्री संख्या 183 दिनांक 10-2-1986 पर दिया है।

> बी० एस० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

स्तर वर्ष, अक्ष विशिवन की भारा 269-न वै वन्यर्थ पें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 8—

दिनांक 10-7-1986

मोहर 🐞

## मस्य बाह्य अर्थ प्रमृत्य अर्थ ।

# नायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के निर्धान सुप्रा

#### भारत पहलाह

## कार्याजय, सहायक भायकर आयुक्त (ट्रेनर्शक्तक)

अर्जन रेंज़, रोहतक

रोहतक, दिमांक 30 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू गुड़गांव/410/85-86--अतः मुझे बी० एल० खड़ी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित्त बाकार मृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

म्राँर जिसकी सं० भूमि 32 कनाम गांव सिलोखरा में स्थित है। (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में म्राँर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 17 फरवरी 1986।

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उषित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त सम्पत्ति का उषित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) औड़ अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्ते अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी नाम या किसी धन या बन्य वास्तियों की, चिन्हों भारतीय नाम-कड़ निधिनयमः 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियमः वा धन-कर अधिनियमः 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में वृद्धिया के प्रिक्षाः

केतक अथ् उक्त अभिनियम की भारा 269-म के क्ष्मूसरण को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभादा (1) को अभीन निस्मितिक व्यक्तियों अधिक क्षम्या

- (1) सर्वश्री प्रताप सिंह, महिन्द्र सिंह, राम किशोर, कमल सिंह पुतान देणराज नि० छन्हेई, तहसील गुड़गांव। (अन्तरक)
- (2) मैं व्यूनीटेक लि॰ यूनीटेक हाउस 6 कम्युगिटी सेंटर साकेत, गई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन के जिस् कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

## तकत सम्मतित के वर्षण के ब्रम्बन्य में कोई थीं मासोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितनक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में कियु वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रंयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बरिधनियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होगा को उस बभ्याय में विका पता ही।

### मन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 32 कनाल जो गांव सिलोखरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6853 दिनांक 10-2-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 30-6-1986

## 

बायकर बीधिंगरम, 1961 (1961 मा 43) क्या 269-म (1) के बधीन मुचना

#### ALCO SECUL

## कार्यास्य, सहावक भायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 10 जुलाई 1986

भिदेंग सं० आई० ए० सी०/एक्यू० बराडा/31/85—86—— अत: मुझे बी० एल० खन्नो

वार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके क्ष्मांत उक्स अभिनियम् कहा क्या ही, की बाख़ 269-र के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विश्वका उचित वांगार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको स० भूमि 136 कनाल 15 मरले जो सिरसगढ़ में स्थित
है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में विणित
है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में विणित
है) रिजस्ट्री हत्ती अधिकारी के कार्याद्य बराड़ा में भारतीय
आयकर अधिनयम 1961 के अधीन, दिनांग 10 फरवरी 1986
को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम क्यमान
शतिफल के निए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
कारण है यथापूर्वेक्ति सम्मतित के उचित बाजार मूल्य, उसके
क्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में
शस्तिक रूप से क्यित नहीं किया गया हैं

- (क) सन्दरम् सं शुरू भिन्नी नाथ की बाबत, सनद निर्मानन के बचीक कर बने के सन्दरक खे वानित्य में कभी करने का उसने वचने में शृपिया में /मय; मांद्र/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य किसी को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 की 11) या उन्तर विधिनियम, 1922 की 11) या उन्तर विधिनियम, वा जन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तिसों,, अर्थात् ध−− (1) श्री देद प्रकाश पुत्र श्री आस्मा राम नि० मुलाना, तह० अम्बाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर सिंह पुत्न श्री भम्बल सिंह सर्वश्री जगदीश सिंह, बलबीर सिंह पुतान अमर सिंह नि० मलूयान, यू० टी० चडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के कियू कार्यवाहियां करता हूं के

उक्त सम्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र हा---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्तवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए का क्ष्मेंने।

स्पष्टिमकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, ओ उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

सम्पत्ति भूमि 136 कनाल, 15 मरले जो सिरसगढ़ तह० अम्बाला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बराज़ा में रिजस्ट्री संख्या 1633 दिनांक 10-2-1986 पर विया है।

> को० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिमांक: 10-7-1986

मोहर 🖫

प्रकण नार्थ<u>ः,</u> टौ<u>ः एतः, एसः, -----</u>

बायकाः जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वता

#### भारत स्रका

# कार्यक्रिय, चहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/ 411/75—76—— अत: मुझे बी० एल० खली

क्ष्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' फहा गया हैं), की भाषा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारूप है कि स्थावर सम्परित, चित्रका उचित अजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 5 कनाल 14 मरले जो सिलोखरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीम, दिनांक 21 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्तिक में वास्तविक रूप से क्षिथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाम या भन या जन्म जान्सियों को, विनद्दें भारतीय आपकार अधिक्रिकात, 1900 (1922 का 11) या उक्क कथिकियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 20) के प्रयोधनार्थ अन्तिरिटी व्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया थाना आहिए था, छिनायं वृद्धिया के हैंस्सः

बत: सम्, सम्बद्ध निधिनियम की भारा 269-म व्हें अनुसरण भी, भी, शक्त अभिनियम की धारा 269-म की स्पर्धार (1) की सभीन, निम्नलियित व्यक्तियों, सर्थात क्र--

- (1) सर्वश्री जो। राम, हुःम सिंह, खजान सिंह बलवंत सिंह पुत्रान फूल सिंह, मि० झाड़सा, तह० गुड़गांव। (अन्तरक)
- (2) मैं व्यूनीटेक बिल्डर्स प्राव्य लिव्य कम्युभिटी सेंटर साकेत, भई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 फिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूद सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं व वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त विविनयम, के कथ्याम 20-क भें परिभाषिल हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस कथ्याम में दिया क्या है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 53 बनाल 16 मण्ले जो सिलोखण में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिष्ट्रीक्ती के बायलिय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6829 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है।

> बी० एस० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिसांक: 10-7-1986

प्रकम बाहै, दी, एन. एस.-----

# भागकर जीभ<u>ी</u>नवस 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बधीन सूचना

#### भारत सहस्कार

# कार्यासय, वहायक बायकर जायुक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिशांक 14 जुलाई 1986

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गाव/417/85-86---अतः मुझे बी० एल० खन्नी

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनाम' कहा गा। है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 11 कनाल 14 मरले जो कर हेई में स्थित है (श्रीर इपये उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिस्ट्रीक्ति अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनोंक 17 फरवरी 1986

की प्रवीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नद्दें हैं और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य कृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार्ते) और (चन्तरिक्यों) के दीच एसे बन्तरच के जिए तब पाया चमा प्रतिफल, निम्नसिसित उच्चे स्था से उच्छ कन्तरण सिसित बास्तविक रूप में काँचत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण के हुई जिली जान की नामझ, उपर्य नियम के अभीन कर क्षेत्र के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, भी, सक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें अधीन जिल्लीकित व्यक्तियों वधीत ह—

- (।) सर्वश्रो निआदर, चुक्सोलाल, रतन सिंह पुक्रात श्री केन्ह्र्या, श्री टेका पुत्र सुखदेव, सेवा शाम पुत्रदिलू, राम लोल पुत्र संगली, ति० कन्हेई तह० गुड़गांव । (अन्तरक)
- (2) मैं० श्रंसल हाऊसिंग एंड एस्टेटस (प्रा०) लि०, 115 श्रंसल भवन, 16 यस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह प्रमा जारी करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति से सर्थन से सिष् कार्यसाहियां सुक करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्थन के लंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीत मों हितबस्थ बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकैंगे।

स्पन्धिकस्मः - इतमें प्रयुक्त सन्दों और पक्षों का, भी उक्त विधिनयम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस वश्याय में दिशा प्रशाहीं।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 111 कनाल 14 मरले जो कन्हेई में स्थित है जिसका अधिय विवरण राजिस्ट्रीयन्ति के कार्यालय गुड़गांव में राजिस्ट्री संख्या 6884 दिनांक 17-2-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनोंक: 14--7-1986

मोहर 🙏

प्रस्प बार्च, टी. एन. एस.

नायकर बिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के ब्रिभीन स्थन।

#### प्रारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

ेम्हतक, दिमांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/ 341/ 85-86---अतः मुझे बी० एल० ख्ली

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

क्रीर जिसकी सं० भूमि 17 कताल जो गांव चोमा में स्थित है (क्रीर इसमें उपाधाइ अनुभूची में क्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिक्ट्रिक्ती अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आगफर अधिकियम 1961 के अधीन, दिनांक 11 फरवरी 1986 का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एरो दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प में कथित नहीं किया गया है ६——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एंसी किसी नाय या किसी भन का बन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय नाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अज, उक्त आँधनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थाः विभावितित अवितयों, अर्थात् :---

- (1) श्री चंदगी राम पुक्ष राम स्वरूप नि० विजवासन । (अन्तरक)
- (2) मैं० ग्रंथल हाउसिंग फाइनेंस एंड लीजिंग कं० लि॰ 115 श्रंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

## उक्त संपत्ति को वर्षन हो संबंध में कोई भी वःसंप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो। के भीतर प्रोंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाडा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकाँगे।

स्पष्टिमकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उसस आयकार अधिनियम के जभ्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# प्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 17 कनाल जो गांव चोमा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्चा के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6650 दिनाक 11-2-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी, सहाय 5 आय हर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहन क

दिनांक: 10-7-1986 मोहर्ूं:

1-226GI/86

## प्रकृष बाह्र , ही. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बाधीन सुचना

#### THE WESTE

कार्यास्य, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, रोहनक

रोहनक, दिनांक 10 जुलाई 1986

जिदेण मं० आई० ए० मो०/एक्यृ० गुङ्गांव/415/85--86----अत:, म्झे, बी० एल० खली,

आयकार गिपनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दश्काल 'उज़द अधिनियम', सहस्र गया है, की भारा 269-रा के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका लियत अजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिमकी संव भूमि 79 कमाल 14 मरले जो सिलोखरा में स्थित है (फ्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिल्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयाकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिमांक 21 फरवरी, 1986

को पर्योक्त सम्बन्धि के लीमत काजार मृत्य से कम में क्रायक्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्योग्य से उसत अन्तरण कि हिंदी से से वास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाइ किसी आम की मानत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और / म)
- (य) ए.सी. किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियाँ या विद्यापार अधिरियाम, 1922 (1922 या 11) या उज्जा अधिरियाम, या यराज्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के

भारतिका जाता चाहिए था, जिल्लाने में सकिया जी लिख:

शत अस, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक कें, में उपल अधिनियम की धारा 269-च की उप्पारा (५) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री राम सिह् पुत्र इन्द्र पुत्र श्री मोती, नि० विखीखरा तहसील गुड़गाँव ।

(अन्तरक)

(2) मैं० ग्रीन पार्क विल्डर्भ गृष्ट प्रिमोटर्म (प्रा०) लिं० 115 श्रंसल भवन, 16 कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित सभी पत्रिकाओं में से किसी को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्स अध्यक्ति के वर्जन के ि कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कांडे भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविस्तर्यों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बचिध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राज्यम में प्रकाशन को तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए का सकेंगे।

स्थादीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं नुषे हुगेंगा. उस रूप्याय में विश्व गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 79 कनाल 14 मरले जो सिलोखरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिष्ट्रिकली के कार्यालय गुड़गांव में रिष्ट्री संख्या 6814 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है।

> बी० एक० खत्रो, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज, रोह्नक

दिनांक: 10-7-1986

प्रकार भारते . शी . यून . एक . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### नारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहत ह, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/ 418/85-86---अतः, मुक्ते, बी० एल० खत्नी,

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसफे परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 34 कमाल 5 मरले जो सिलोखरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, विना 5 17 फरवरी 1986

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृन्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापृषाँक्त संगीत्त का उचित बाजार मृन्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे नंतरण के सिए तय पाया पदा प्रतिक कक निम्नसिवित उच्चेश्य से उक्त अंतरण विवित्त में बास्तिक कम से कथिश नहीं किया कना है कि

- (क) अन्तरण वे हुइं किसी नार्य की बाबवा, डक्ट सिश्चियम में समीय कर दोने के अन्तरक के दाबित्क में कमी करने में स्विधा के सिह्द में समी करने में स्विधा
- (क) एंसी किसी जाय वा किसी थन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जल्य करा, उनत अधिनियम की भारा 269-न की अनुसूरण भी, भी, अन्त अधिनियम की भारा 269-व की स्पेधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, वर्धात ३००० (1) श्री रतीराम पुत्र खवानी, सूमरथ सिह खुद व मुख्त्यार जय किशन पुत्र खवानी नि० कन्हाई।

(अन्तरक

(2) मैं व्यूनीटेक लिव्यूनीटेक हाऊस, 6 कम्यूनिटी सेंटर माकेत, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्तः सम्परित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्महित के कर्जन के संबंध में कोई श्री बाक्षेप प्र—

- (क) इस स्वान के हाजपण में प्रकाशन की शारींच (१ 45 विन की जनिए या तत्सुम्बन्धी स्थितवाँ पह स्वान की तामील से 30 दिन की मतिथा, जो भी सर्वान बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रांतिक कावितवों में से किसी स्युक्ति सुवारा;
- (म) दब ब्रूपमा के राज्यम में प्रकादन की शारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहम किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पाध किसी का में किस या सकति।

स्पत्तांकरणः — इसमें प्रयुक्त वक्कों और वक्कों का, को सकत विभिनियम से अध्याय 20-क में वरिभाविह है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमाणवा है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 34 कनाल 5 मरले जो सिलोखरा भें स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6754 दिनांक 17-2-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 30-6-1986

मीहर:

# प्रस्त नार्<sub>थि</sub> टी<sub>ल</sub> पुष्<sub>ल</sub> पुष्<sub>ल</sub>ालका

# शतकर विधितियम, ा961 (1961 का 43) की चारा 269-थ (1) थे तथीन कुच्चा

#### STEE SERVICE

## कार्यात्रयः, रक्ष्यक वायकर वायुक्त (प्रिक्रीक्य)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहनक, दिनांक 30 जून 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/419/85-86--अत:, मुझे, बी० एल० खत्री,

कावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विक्षे इसमें इसके वश्वात; 'उन्त विभिन्नियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उजित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से विभिन्न हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि 21 कनाल 12 मरले जो सिलोखरा में स्थित है (श्रार इसमें उपाबद अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणा है), रिपस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नायिलय,गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 17 फरवरी 1986

को पूर्वोंक्स सम्पर्ति के डिक्स बाबार मृस्य से कन के स्वकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे अह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का कारण का वाचार मृस्य, उसके स्वयमन प्रतिफल के एके स्वयमन हितफल का पंत्रह प्रतिकास से विषक है और जन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एके वन्तर्य के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:——

- (क) जनसरण वे हुद्द किसी आप की वायस, छवत मधिनियम के मधीन कर दोने के अन्सरफ के बायित्व में कमी करने का उससे अपने में सुविधा के लिए; जाँद/सा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नामकर निधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियस, या धन-कर निधिनियस, वा धन-कर निधिनियस, वा धन-कर निधिनियस, वा धन-कर निधिनियस, वाधनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नस्तियों ह्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया वाधना हाहिए था कियाने वें बुजिया के विष्य 10

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राम कुमार पुत्र खवारी नि० कन्हेई तहसील गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मैं व्यूनीटेंक लिए यूनीटेंक हाउस, 6 वम्यूनिटी सेंटर साकेत, नई दिल्ली ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सुमना बाड़ी कारमें पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उनल बंपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बदिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की बदिध, जो भी वदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (क) इत क्षा के रावपण में शकावन की तारींक वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 21 कनाल 12 मरले जो सिलोखरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्रो सठख्या 6755 दिनांक 17-2-1986 पर दिया है।

> बा॰ एल॰ खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 30~6-1986

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिशांक 10 जुलाई 1986

· निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/412/85~86--अतः, मुझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्राँर जिसकी रं० भूमि 55 कमाल 1 मरला जो कार्टर पुरी में स्थित हैं (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्राँर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रोकत्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21 फरवरों 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गोर सिंह पुत्र हरदेव, श्री हरेश साहनी पुत्र श्री शेर सिंह गांव कार्टरपुरी तह० गुड़गांव।

(अन्तरकः)

(2) मै० श्रंमल हाउसिंग एंड फाइनेंस लीशिंग कं० लि० 115 श्रंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, मई दिल्लो।

(अन्तरिप्ती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षक के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

#### **अनुस्**ची

सम्पत्ति भूमि 55 कनाल 1 मरला जो कार्टश्पुरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6821 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है।

> बी० एन० खन्नी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-7-1986

## प्रकार आर्थ- ही . एवं . एस . :--::--

# भायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) वे वधीन सुवना

#### भारत चरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू व गुड़गांव/ 416/85-86---अत:, मुझे, बी० एक्व खन्नी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- फ. से अधिक हैं

श्रांर जिनकी सं० भूमि 7 बीघा 3 विस्थे जो नाथूपुर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, गृड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, विनांक 19 फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

लातः जन्म, उभतः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीतु:—— (1) सर्वश्री जगराम, देगराम, रिक्षपाल पुतान गिरधर, गांव नाथपुर तहसील गुड़गांव।

(अन्तरकः)

(2) मै॰ पिंदल्ली लैंड एंड फाइनेंस लि॰, 21-22 नरेन्द्रों प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरितो )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शृक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्कारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों था, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अज्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

सम्पत्ति भूमि 7 बीघा 3 बिस्वे जो नायूपुर में स्थित है शिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6795 दिनांक 19-2-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-7-1986

मोहरः

प्रारूप आहें .टी .एव .एस . . .... 🕾 🕾 🦠

आधकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिमांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड्गांव/ 420/ 85-86--अतः, मुझे, बी० एल० खदी,

आसकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांर जिसकी सं० 55 कनाल, 7 मरला भूमि, अलावर्दी तहसील गुड़गांव में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुभुची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्गालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 17 फरवरी 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दरयमाम प्रतिद्भल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृष्कित सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्व, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युष्ट्य से उसत अन्तरण जिल्लिस में बास्तिक कप से कथित नहीं कया गया है क्रि-

- (क) बन्तरण **से हुई किसी बाय की वावतः, उक्त** आधिनियम के अधीन बार दोने का अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का अन- कर अधिनियम, का अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रें., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्री रामातल मिह पुत्र श्री बोहार, श्रीमतो पाम देवी विश्वया श्री बोहार विवासी ग्राम अवावदी, तहसील गृहगांव।

(अन्तर्क)

(2) मै० श्रंसल प्रापर्टीज एंड इंडस्ट्रोज प्रा० लि०, 115, श्रंसल भवन, 16 वस्तूरबा गांधी मार्ग, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्थन क़ संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कवां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुस्ची

सम्पत्ति भूमि 55 काल, 7 मञ्ला भूमि जो ग्राम अलावदीं, तह्सील गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यात्रय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6737 दिनांक 17-2-1986 पर दिया है।

> बी० एल**० खत्नी,** मक्षम प्राधिकारी महासक आयाज्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, रोहतक

दिनांक: 14~7~1986

प्रकथ सार्थ . टी. एन . १९५ -----

**बायकर मीधीनयम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्टना

#### गारत सहकाई

# कार्यालय, भहायक शायकार **यायुक्त (निर्धाक्य)** अर्जन रेंज, रोहलक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गाव/ 413/ 85-86---अतः, मुझे, बी० एल० खदी,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संवरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 104 कनाल, 15 मरले, सिलोखड़ा तहसील गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकक्ती अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21 फरवरी 1986

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिस को लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या वा वा वा वाहए था किया में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अ अभीन निम्नलि**यित् व्यक्ति** स्थाद ा— (1) श्रो इन्द्र पुत्र श्री मोती, विवासी ग्राम सिलोखड़ा, वहसील गृड्गांव।

(अन्तर्क)

(2) मैं० ग्रीन पार्क बिल्डर्स प्रोमोटर्स (प्रा०), लि॰, 115 श्रंमल भवन, 16कस्तूरबा गांधी मार्ग, भई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 💵

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकींगे।

स्वाकटोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया बदा है।

## **मन्त्**चौ

सम्पत्ति 104 कनाल, 15 मरला भूमि जो ग्राम सिलीखड़ा तहसील गुड़गांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण राजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में राज्स्ट्री संख्या 6816 दिशांठ 21-2-1986 पर दिया है।

> बी० एस० खत्नी नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 14-7-1986

मोहर 🖫

## प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ष (1) के अधीन स्थना

#### भारक सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1988

भिवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/427/85—86---अस:, मुझे, बी० एल० खली,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

शीर जिसकी सं० भूमि 4 बीघा 7 बिस्वे जो नाथूपुर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्री इस्ते अधानरी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21 मार्च, 1986 को पूर्वोक्स संम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अत्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्धि घ से उक्त अन्तरण कि सित् में अस्त कर्म से सिकत कर्म से सिकत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिक्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अध, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8 —22 6GI/86

(1) सर्वश्रो हेमराण, सूखनीर प्रताप, रिसाला, खणाम परमल, मुरणमल, शांती, चम्पा मांजी, रामकलो ज्ञानो, बलवन्ती, सूरजोत, ज्ञानचन्द, रामश्वर मोनी, किचतू, लाडो, चन्द्रेश, दलीप निवासीगण-नाथूपुर तहसील गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मैं० बो॰ दी॰ इन्वेस्टमेंट एंड एजेंसीज प्रा० लि॰, 21-22 नरेन्द्रा प्लेस पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिस्ली। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में सेमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि ४ बीघा 7 बिण्वे जो ताथूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिष्ट्रिवर्त्ता के टार्मालय गुड़गांव में रिष्ट्रि संख्या 7463 दिसांक 21-3-86 पर दिया है।

> बी० एस**० खकी** ाक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोह्तक

दिनांक: 14-7-1986

## अस्थः, आद्दो, ही. एन .एक .------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विभीत बुमना

#### भारत सर्का

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंत रेंज, रोहत त रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986 निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू० बल्लबगढ़/9/85-8>--अत: मुझे, बी० एस० खती,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक ही और जिसकी मंग्र भूमि 90 कर्नाल 9 मरला एवं बना हुआ भी जो गांव आंसा त्र बल्लबगढ़ में स्थित हैं (ग्रींट इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींर पूर्ण क्या संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय आयकर अधिनियम 1961

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष---

के अधीत दिनांग 11-3-1986

- (क) अन्तरम से हुइ किसी बाय की बाबत उक्क बिभिनियम के बधीम कर दोने के बंदरक के दायित्व में कभी करने वा बससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्तियाँ कार, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने ने सम्बंधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राजिन्दर सिंह सैनी नि० ई-49 ईस्ट आफ कैनाम, नई दिस्ली ।

(अन्तरक)

(2) अरिकन्द कन्स्ट्रक्णन कं० (प्रा०) लि० कनाट सरकस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कर यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्परित के व्यक्त के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ड--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बदिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पक सूचना की तामील से 30 दिन की बदिथ, जो भी वदिथ या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त श्रेट्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पात्त भूमि 90 कनाल 9 मरला साथ ही कुछ बना हुआ भी है जो झायसा में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिएट्री तो के कार्यालय में रिजिल्ही संख्या 3527, 3529 दिनांक 11-3-86 पर दिया है।

बी० एल० खनी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक

विभार : 14-7-1986

# यक्ष्य नार्वा स्वीत प्रमृत स्वातन = = ====

# भावकार विश्विष्यं, 1961 (1961 का 43) की भार 269-वं (1) के विभीन ब्युवा

#### **1130 4246**

# कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीजन)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/431/85-86—अत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत विभानयम' कहा गया हैं), को भाषा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० भूमि 3 बीघा 9 बिस्वे जो नाथूपुर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिक्यम, 1961 के अधीन, दिनांक 21-3-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिपत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरित (अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिक विश्व के बीच प्रसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिक विश्व के बीच प्रसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिक विश्व के बीच का विश्व के बीच विश्व के बीच का स्रोतिक का विश्व के बीच का स्रोतिक विश्व की बीचक का स्रोतिक का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; बार/वा
- (क) एसे किसी नाम मा जिल्ली धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय नायकर निवासना, 1922 (1922 का 11) वा उन्त निवासन, वा च्य-कड़ निधासका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती प्यास प्रकट नहीं किया न्या था या जिल्ला नामा नाहिए था, कियाने में जुनिया के निए;

सतः अव उक्त विभिन्निम की भारा 269-ग के जनस्रण में, में, उक्त विभिन्निम, की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वर्भान, निम्नर्टन्थित व्यक्तियों, भवति च— (1) सवश्री गेरा, चन्दर पुत्रान दौलत नि०—माथूपुर तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मैं वी बी इन्वेस्टमेंट एण्ड एजेंसीज प्रा० लि 21-22 नरेन्द्रा प्लेस पालियामेंट स्ट्रीट नर्ड दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह बुक्ता आही कहके प्रतिकतः वस्पृति के वर्जन के हैंन्द्र कार्यनाहिनां कहता हों।

उक्त उम्मणि के वृर्धन् कें सम्बन्ध में कोई भी बाक्से हूं---

- (क)। इस सूचना के राज्यन में प्रकशन की तारीस हैं 45 दिन की नवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की सामील से 30 दिन की जबिध, जो भी कविथ बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियाँ में से किसी स्थलित इवादा;
- (च) इत च्चना के राज्यम में श्रेकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उच्छ स्थावर सम्पत्ति में हिटबंद्ध विसी जन्य न्यानित क्वारा सभोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए आ सकोगें।

्नम्बीकरण: ----इतमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उनके विभीनयम के ब्रम्याय 20-क में परिभावित हैं।। वहीं नर्थ होंगा की उस्त अभ्याय में दिवा गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 बीघा 9 विस्वे जो नायूपुर में स्थित है जिसक अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 7455 दिनांक 21-3-1986 पर विया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

# त्रक्ष्यु आहें, टी. एन . एव . ------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 30 जून 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/430/85— 86——अत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं० भूमि 5 बीघा 2 बिस्वा जो नाथूपुर में स्थित हैं (प्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन दिमांक 20-3-86, को प्रांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के व्ययमान प्रतिकत के जिए अन्तरित की गईं हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं ,और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम बाया गया। प्रतिकल, निम्निलिखित उद्विष्य से उच्त अन्तरण कि लिए तम

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी बाय की वास्ता, उनके अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को शमित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी जिसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा से जिए?

भवः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. मी, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सर्वश्री कियानचाल, रतनलाल पुतान सुनेहरी नि० नाथपुर तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक 🕽

(2) म० डी० एल० एफ० लि० 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिस्ली ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी अवित द्वारा;
- (क) इसस्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### करवरी

सम्पत्ति भूमि 5 बीघा 2 बिस्वे जो नायूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्याक्य गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 7456 दिनांक 20-3-86 पर दिया है ।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक **।** 30-6-1986

## त्रक्षर वार् . सी . इस . इस , ------

# প্রথজায় **লখিনিযান, 1961 (1961 का 43) की धारा** 260-ছ (1) के स्थीन स्थान

#### बारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सठ० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांब/425/85-86--अत: मुझे, बी० एल० खझी,

शानकर जीभगियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इतमें पश्चाद् 'उक्त विशिनवर्ध' कहा बना हूं), की भाष 269-कं के अभीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारभ ही कि स्थावर कन्यित, वितका उचित शावार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भार जिसकी सं० भूमि 26 कनाल 8 मरले जो खराली में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वीणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांट 17-3-88,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार शूच्य से खेन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और सूझे यह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित याजार मूल्य, उतके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से बाधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिठी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जवा अतिक क, निम्निबिक्त समुद्देष्य से सक्त अन्तरण विविद्य में बास्तिक के रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- ्रेंक) सन्तरण में हुई जिल्हीं साम की नावर , क्या वर्डिकार के जबीन कर गर्न में सन्दरण के कामका के काम काम का काम जाने में ध्रीमण की विका की/मा
- (व) एंकी किसी शाय वा किसी घन वा नव्य जास्तिकों को, फिक्टे धारतीय शान-कर विधित्तवन, 1922 (1922 का 11) ना चन्छ योजिनवन, का धव-कर जीधिवयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्मीच्यी झान्छ बहुरि देखना कता ना वा किया संस्था चत्रीहरू चा, कियाने के स्थितका में किए;

जतः भव, उक्त वाचिनयम की वाद्य 269-व के वव्यवस्य व, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः— (1) सर्व/श्री रिसाल सिंह, रतीराम पुत्राम शिवलाल, गांव--सुखराली तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) दी इण्डिया एयर लाइन्स पाइलट सेना प्रतीम हाउस बिल्डिंग सोसायटी गांव, सुखराली तह० गुड़गांव।

(अन्तरिती)

## को यह सूचना भारों करके पूर्वीक्त सम्मक्ति के सर्वन में हैक्यु कार्यवाहियां करका हैं।

#### चनत सन्तरित के वर्षन को संबंध याँ कोई और कार्यण ह<del>----</del>

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

सम्दत्ति भूमि 26 कनाल 8 मरला जो गांव सूखराली में स्थित है जित्र हा अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 7308 दिनांक 17-3-86 पर दिया है।

बी० एल० **खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10--7--1986

# ४**०व नार्द्र**ा ठी<sub>ट</sub> एव<sub>ं र</sub> पुर्व <sub>अञ</sub>्जन्मालक

# नावकर नीधनियन, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-क (1) के अधीन स्वता

#### तारा पुष्पर

कार्यासक, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सठ० आई० ए० सी०/एक्यू गुड़गांव/426/85-86--अतः मुझे, बी० एल० खस्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्रति, विसका अधित बाबार मुख्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी स० भूमि 17 बीघा 14 विस्वे जो भाषूपुर में स्थित है (मौर इससे उपावद्ध अनुसूचीों में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिशांक 5-3-1986,

ना पूर्वीकत सम्मत्ति के उचित बाचार मुस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है जोद्र मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बंक्ड प्रतिकृत से विभिक्त है बीर वंतरक (वंतरका) बीर वंतरिती (वंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पास नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण चिचित में बास्यविक रूप से कृषित नहीं किया गया है क्ष्य-

- (क) ब्रुक्टरण वे हुई किसी बाव की बावत्, जनक अधितियन के नवीन कर दोने की कलाइक की दानित्व में कनी करने ना उन्नवे नज़ने में बृहिका के बिए; ब्रीड्र/वा
- (च) प्रेसी किसी आय वा किसी धन या जल्य कास्तियों को, बिल्हें भारतीय आय-कार वॉधीनयम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया का या किया जाना था। इए था, कियाने में सुविधा के सिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीराम, रतीराम पुजान चेतराम नि०-गांब-नाभूपुरत० गुङ्गांब।

(अन्तरक)

(2) मे ० अनुराग कन्स्ट्रक्सन कं ० लि०--24--नरेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिता)

का यह पुष्पा भारी करके पूर्वीयतः संपृत्ति के अर्थन के दिवस कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीब से 30 विन की नविंध, को भी नविंध पूर्वों के सविंध पूर्वों के सित्र पूर्वों के सित्र पूर्वों के सित्र में से किसी स्वक्ति वृत्राहाः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतार उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी बन्य स्थक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस दा सकेंगे।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 17 बीघा 14 बिस्वे जो नायूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में राजिस्ट्री संख्या 7049 दिनांक 5-3-1986 पर दिया है ।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक अषकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

# प्रकर् वार्<u>ष्ट्री. ए</u>म्. एक<sub>ः</sub> हर्नारकः

## नायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीन सुम्बा

#### माइक बहुकार

# कार्यक्ष, सहायक नायकर भावूक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिमांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्यू गुड़गांव/432/85 -86---अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 4 बीघा 13/3/4 बिस्वा जो नाथूपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 21-3-1986,

को पूर्वोक्त सम्मरित ने अधित नाथार मून्य ने कम भी बक्तनान अधिक को लिए जन्तरित की नई है और नुभो यह निश्वास

करने का कारण है कि यथावृत्तींकत सम्पत्ति का उचित वाजार वृत्त्व, उत्तके अवसान प्रतिकत से, ऐसे असमान प्रतिकत का वृत्त्व, प्रतिकत ते निधक है और नंतरक (जंतरकों) और नंतरिती (वृत्तिरिवर्सी) के नीच ऐसे अन्तर्भ के बिए तथ वाया वशा प्रतिकत, निम्नसिवित उद्वेषय से उच्च अन्तर्भ निवित में वास्तिविक स्व से कांचल वहीं विका वस है —

- (क) बन्दरन से हुई किसी बाय की बायत अक्त स्थि-निवन से न्यीन कड़ दोने से अम्बरक के दायित्व में कभी कड़ने वा उपसे बचने में सुविधा से निए सरि/या
- (च) यूरी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय वायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम या धन कर बिधिनयम या धन कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) जो प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया धाना चाहिए था, कियाने में बृविधा के किए:

जतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बभीन, निम्नसिचित स्पिकतयों, वर्थात् ;—— (1) श्री रामेश्वर, श्री चन्दर पुक्षाम मेरु नि०---नायूपुण तह० गुड़गांव।

(अन्तर्क)

(2) मैं ० अपोलो लंड एण्ड हाउसिंग कं० लि० 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट मई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

अन्त बन्नीरत के वर्षम् के सम्बन्ध में काई भी बाक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकासन की तारीन से 45 विन की व्यक्ति ना तत्त्वस्त्री व्यक्तियों पन स्वना की सामित से 30 विन की नविभ, यो भी व्यक्ति वाद में स्थानत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस ब्रामा के राजपण में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन के मीत्र उनत स्थागर संपत्ति में द्वित-क्यूप किसी ज्ञान कावित द्वारा मधोहस्ताकारी से पास सिवित में किए वा सकों ने।

क्यक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त कर्जी और पदों का, यो उक्त श्रीकृतिक के भव्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सम्बाद में दिका मुवा हैं॥

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 13/3/4 विस्वा जो नाथूपुर में स्थित है जिसका अधिक विश्वरण पिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 7454 दिनांक 21-3-86 पर दिया है ।

> बी० एल० खली सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (सिरीक्षण), अर्जनरेंज,रोहतक

दिनांक : 10~7-1986

प्रकम बार्च, टी. एन. एस.------

वासकार विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वमा

#### नारत वरकार

## कर्कत्व, बहावक भावकार मानुक्त (निर्द्रोजन)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० दिल्ली/17/85-86---अत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं 'क स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित्र वाकार बुक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर णिसकी सं० 20 कैनाल, 12 मरला भूमि ग्राम झार सेनली तह० बल्लबगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिभियम, 196! के अधीम, विभांक 14-3-86,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अभित बाकार बृज्य से कम के क्रयमान प्रिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि बनापुर्वोक्त सम्मत्ति का अभित बाजार मृत्य, असको बश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नसिवित उप्योध से उक्त अन्तरण कि बिक् के बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ने हुई फिली काव की बाबत, उक्त वीविष्यत्र के बचीन कार दोने को बंतरक की वाधित्य में कमी कारने वा उन्नते वचने में सुविधा के मिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चय-ऋद अधिनियम, या चय-ऋद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जरा: बच, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) श्रे नधीग, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) एस्कोर्टस ट्रैक्टर्स लि०, रोणभन्नाश रोड, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) एस्कोर्टस लि०, एख-2, कनाट सर्कास, भई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को वह क्षता जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के निगर कार्यवाहियां सूक करका हैं।

उक्क सम्मलि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :----

- (क) इत सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीज वं 45 दिन की जबकि या तरस्वन्त्रभी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति, जो जी जबकि कर में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त जिस्ता में से किसी व्यक्ति दुवाका;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृक्ष किसी व्यक्ति ब्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, आ सन्ध विधिनयम के वध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा, वो उस सन्धाय थे दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्यक्ति 20 कनाल, 12 मरला भूमि, जो ग्राम झारसेतली तह० वल्लबगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली रिजस्ट्रो मंख्या 538 दिनांक 14-3-86 पर दिया है।

बी० एक्ष० खती सक्षम प्राधिकारो, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहकक

विनांक : 4-7-1986

#### नाइस चहुन्तह

कार्याखय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू गुड़गांव/ 429/ 85-86---- अतः मुझे, बी० एका० खती

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें एसमें इसके पदवात् 'उन्त निधिनियम' कहा वया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्बन्ति, विसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/-क से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 3 बीघा 8 बिस्वा भूमि, ग्राम नत्यूपुर, तह० गुड़गांव में स्थित हैं (भ्रांश इससे छा।बद्ध अनुभूषी में भ्रौर पूण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीम, दिनांक 21-3-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के दश्यकार प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और स्क्षेत्र यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दश्यमान प्रतिफल के स्वाह प्रतिक्त से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार) और इंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया बया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को शास्त्रीकक रूप से कायत नहीं किया बचा है है——

- (क) नन्तरण से शुद्ध किसी नाम की बाबत, उमस निधानकम के अभीन कर दोने की जन्सरक जे दाबित्य में अभी करने या उससे अथने में श्विधा के निश्; कोंद्व/बा
- (ण) एसी किसी बाव वा किसी भन या अन्य आस्तियों की शिवह भारतीय आवक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया बाना चाहिए था, जियाने में सविधा के निए।

कतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की वर्गसरण भें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नितिसत व्यक्तियों, अभीत् :—— 9—226GI/86 (1) श्री बेग राम पुत्र श्रीमती सोना, श्रीमती रेमवती पुतीगण श्री हरबंस , निवासी—नत्थुपुर, तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मैं० डी० वी० इन्बेस्टमेंट एण्ड एजेंसीण प्रा० लि०, 21-22, नारिन्द्र प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए आयंत्राहियां करूता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य प्रिक द्वारा अधाहरताकारी के पास लिकित में किए जा भकींग।

स्थापिकरणः --- इसमें प्रयावश शब्दों और पदों का, जो उक्त विविधियन के निष्याद 20-क में परिभाषित हैं बही वर्ष होगा थी उस निष्याद में दिशा गया हैं॥

## FUL

सम्पत्ति 3 बीघा, 8 बिस्वा भूमि, जो ग्राम नत्थूपुर तह० गुड़गांव में स्थित है ।

जिन्ना अधिक विवरण रिल्स्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 7458 दिलांक 21-3-86 पर दिया है ।

> बी० एल० खत्नो सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, रोहतक

दिनां ए : 30-6-1986

प्रारूप बाह्<sup>क</sup>. टी. एम. एस<sub>ा स्वय</sub>्यक्तकात्रक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) वी अधीन सुचना

#### भारत चरुकार

# कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 30 जून 1976

निवेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू गुड़गांव/428/85-86--अत: मझे बो० एल० खन्नी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 2 बीघा 11 बिस्वे जो नाथूपुर में में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21-3-1986

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुभी वह विषयास करने का कारण है कि मधा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रति-फल से ए'से ध्रममान प्रतिष्मल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितवों) के बीच ए'से अंत-रण के लिए तम पामा गमा प्रतिपक्ष, निम्निनिस्त उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गमा है । --

- (क) अस्तरण वे हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथानियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बद
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था. स्थिपाने में सुविधा के बिए;

अतः। अवः, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।

(1) श्री प्रेम राज पुत्र श्री चुरी, श्रीमती नार्की पुत्री चुर्शी नि॰ नाथूपुर ।

(अन्तास्क )

(2) म० देहली लैण्ड एण्ड फाइनेंस लि० 21-22 नरेन्द्रा प्लेस पालियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली। (अन्तरिती)

की वह त्या धारी करके प्योक्त सम्पीएं के अधीन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## **उक्त राज्यित के अर्थन के सम्म**न्ध में काई भी शाक्ष्री

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी जितातों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी क्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्तः भूरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, शही अर्थ स्पेगा जो उम अध्याय में दिया

#### अनुस्की

सम्पत्ति भूमि 2 बीघा 11 विस्था जो नाथूपुर में स्थित है जिमका अधिक विवरण रजिस्ट्री तो के कार्यालय गुड़गांत्र में रजिस्ट्री मंख्या 7460 दिलां 21-3-86 पर दिया है।

> मी० एल० खती भक्षम प्राधिकारी महायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

धिनांक 30-6-1986 मोहर प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) कौं भारा 269-अ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/16/86-87---अन: मुझे, बी०एल० खती

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के जधीन सदाम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मूल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

श्रीप जिसकी सं० 2 बीघा 171 बिस्वा भूमि, गांव चणतपुर, तह० गृङ्गांव में स्थित हैं (श्रीप इससे उपाबद अनुसूची में श्रीप प्ण रूप सावणित हैं), रिजस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 24-4-86

की पृष्ठ कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के ध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोकत सप्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे अस्मान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकात से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) को कीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया कवा प्रतिकल निक्निविष्ठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविष्ठ में बास्तविक रूप से कांचत नहीं किया गया हैं :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाक्क, अक्त निवम के जभीन कर दोने के अंतरक के वाजित्व में कमी करने या उसते अकने में सुविभा के लिक्; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

नतः जब, उक्त जीधनियमं की भारा 269-ग के अनुवरण में, मैं,, उक्त अधिनियमः की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्रीलाना पुत्र श्रीजय सिह निवासी—ग्राम चकरपुर ।

(अन्तरक)

(2) म॰ पारागांव रीयल इस्टेट एण्ड अपार्टमेंट, 21-22; नरेन्द्र प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट; मई दिस्ली ।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त कम्पील के आर्थन के लिखू कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की बर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट स्मक्तियों में से विक्री स्मक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपक में प्रकाबन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पाक सिचित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुस्पी

सम्पत्ति 2 बीघा 181 बिस्वा भूमि, जो ग्राम च करपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्याक्य, गुड़गांव में रिजस्ट्री सख्या 398 दिनांक 24-4-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण, रोहतक

दिनांक: 30-6-76

मोहरः

# प्रस्थ नाहर् दी. एन मृत्याः =====

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

नि क्रेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/17/86-87--अतः मझें, बी० एल० खत्री,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

भीर जिसकी सं 10 बीघा, 2 बिस्वा भूमि, ग्राम—चकरपुर, तह गुड़गांव में स्थित हैं (श्रीर इसमे अपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीयती अधिकारी के नार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, विनांक 30-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रममान इतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिषक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित इद्देश्य से उक्त जन्तरण निवित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया स्था है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वासत, जन्म के अग्रेरिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियरच में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना गहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बन, अक्त बिधिनियम की धारा 269-म की बनुसरम बी, भी, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री रणजीत पुत्र श्री शिवलाल निवासी—ग्राम चकरपुर, तह० गुड़गांव (अन्तरक)
- (2) म० ग्रांसल प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115-ग्रांसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के सिह् कार्यवाहिणं करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप द---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याक्तीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया नगर हैं।

#### अमुसुची

सम्बक्ति 10 बीघा, 2 बिस्वा भूमि, जो ग्राम चकरपुर, तहसील गुड़गांव में स्थित है जिपका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 508 दिनांक 30-4-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोह्सक

दिनांक 10~7-1986

मोहरः

# प्रकार साहित सीत हुए हुए क्षा का स्वाप

# नायकर अभिनितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में म्पीन क्पना

# कार्यात्रय, सङ्घायक बायकार बायका (निर्देशका) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिमांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सू०/गुड़गांव/3/76-87-- अतः मुझे, बी० एल० खती,

नायकर अभिगियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्वे इसर्वे पश्चात् 'उक्त अभिगियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरंगास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित शाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 5 बीघा, 19 बिस्बा भूमि, ग्राम चकरपुर, तह् गुड़गांव में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 15-4-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कन के अध्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) जहर अन्तरिती (अंशरितिओं) में बीच एसे बन्दुड्य से जिस् तम् बावा प्या हित-स्था विश्वासित क्ष्योच्य से उच्छ बन्द्रुट्य विश्व में पास्तुनिय क्य विश्वासित क्ष्योच्य से उच्छ बन्द्रुट्य विश्व में पास्तुनिय क्य से क्षित्र सही क्या क्या है कन्न

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वास्वरव में कभी करने का उससे वचने में सुर्विभा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

बत जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग वी बन्दरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधास (1) इो बधीन: रिम्निसियित व्यक्तियम्] वर्षीय के च्य

- (1) श्रीमती माया देवी विधवा श्री राम किशन, श्री मामन सिह पुत्र श्री राम नाथ निवासी—ग्राम चकरपुर, तह० गुड़गांव । (अन्तरिक)
- (2) मैं श्रम्सल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कं 115 श्रम्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिस्ली ।

(अन्तरिती)

च वह ब्चना शाही करने प्याप्त हम्मीता के नर्पन् के विश् कार्यशाहियां करता हो।

## उक्त कन्तुरित में वर्षण् के कन्युष्य में कोई भी बाबोप् ---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस है.
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिसों पद
  स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीं
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीत्र अन्य स्थानर सम्पत्ति के हिन-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नयम के वश्याय 20-क में परिभाविक इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वयक पी

सम्पत्ति 5 बीघा, 19 बिस्वा भूमि जो ग्राम चकरपुर; तह० गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रो-कर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 273, दिनांक 15-4-86 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नो सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंण, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

## प्रकथ आई'.ही.एन.एस.----

आयंक्ट का चिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहारक आयकर भागमत (निर्धामण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

, नद्वींग सं० आई०ए०सी/एक्यू० (गुड़गांव/ 5/86-87---अत मुझे, बी० एल० खन्नी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 169-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह बिएलाम करने था कारण है कि स्थावर मध्योत्त, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जितकी सं 0 10 बीघा, 6 बिस्वा भीम, ग्राम—-च करपूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भौर पूर्ण क्य में विणित है) रिजस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 11-4-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की जिस्त बालार मृत्य से तम को इत्यमान प्रतिकान को निए अन्तरित की गड़ हैं और मृत्रों यह विश्वास करमें का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकाल से, एसे क्यमान प्रतिकान के पेद्रह् प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिक के निए त्य पाया गया प्रतिकात में वास्तविक क्य में कथित महीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरक से हुई किसी जाय की बावत, क्या कि मिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक के दाबिएक में कभी करने मा उससे अचने में सुविक्त के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य बास्सियों मंत्रे, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, सम्बं अभिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मो, में उत्का अभिनियम की धारा 269-व की स्पभारा (1) ई अभीतः निस्मीनिक्त व्यक्तियों, प्रशृत्यु ह——

- (1) श्री सुखर्बार (2) श्री विषय कुमार पुत्रगण श्री शिवजी जिवासी---ग्राम जनसपुर, तहसील -गुड्गांव । (अन्तरिती)
- (2) मैं ० डी ० एल ० एफ ० होटल (प्रा०) लिं०, 21-22, नरिन्द्र प्लेश, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अन्तर्था)

को यह सूचना चाडी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक्क कार्यभादियां करता हुँ।

समत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी गामेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हारेती हो, के भीतर पूजीकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतात;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की वारांख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकरेंगे।

स्पक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शस्यों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित हाँ, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया क्या है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 10 बीघा, 6 बिस्वा भूमि, जो ग्राम-चकरपुर, तह०-गुड़गांव में स्थित है, जिसवा श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 233 दिनांक 11-4-1986 पर दिया है।

> बी॰एल॰ खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्प आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, रोहतक

तारीखा: 10.7-1986

## भक्तप बार्च क्षा की तुम्ब प्रचार करण करण करण

# भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा १६९०व (१) को नभीन सूचना

#### भारत बहुकार

## क्षायां अरु सहायक नायकर जायकर (विरक्षिक)

अर्जीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिमांक 10 जुलाई, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/गुड़गांव/7/8 6-8 7---अत: मुझे, बी० एल० खबी,

बातकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क ले अधीन संश्मा प्राध्यारी को यह विध्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00000/-कः. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 17 बीघा, 6 1/2 बिस्वा भूमि, ग्राम—चकरपुर, तह—गुड़गांव में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण क्ष्य में विश्वत है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1961 के अधीन, तारीख 1-4-86 की पूर्वोंक संपरित के उचित नाषा पूर्य से कम के उत्यमान प्रतिकृत के लिए अंटरिंग की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिथक है और मंत-रक (मंतरकों) और मंतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे कंच-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश के उच्य मंतरण मिथित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की वावत, उक्त विशिक्ष के अधीन कर दोने की जन्सरक को अधिन कर दोने की जनसरक को अधिक कर दोने की जनसरक को अधिक करने ना उससे वजन में सुविका भी किया, सीकारण
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनयम, 1922 (1922 का :1) या उत्तः अभिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वी सिए:

कतः. कथः, उक्तः अधिनियमं कौ धारा 269-ग कै अनुसरक में, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, अधीत् हिस्स (1) श्री दीघा पुत्र श्री दीपचन्द, निवासी- चकरपुर, गुड़गांद।

(अन्तरक)

(2) मै॰ डी॰ एल॰ एफ॰ हाउसिंग एण्ड जन्स्ट्रक्शन लि॰ 21-23, निरन्द्र प्लेस, नई दिस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वृर्वन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ः---

- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जबिंध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस के 30 दिन की जबिंध, वो और अवधि बाद में सभात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यें किया में के कियी स्पर्कित क्यां का
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविध में किए का सकेंगे।

स्थव्यीक्षरणः - इसमें प्रयूक्त धव्यों और पदाँ का, को सक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा वया हाँ।

#### अनुसूची

सम्पत्ति 17 बीघां, 6 1/2 बिस्वा भूमि जो ग्राम-चकरपुर, गुड़गाँव में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्या लय, गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 29, दिनांक 1-4-198 6 पर दिया है।

> बी० एस० खक्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 10-7-1986

## **दश्य वार्ड. टी. एद. एय** अवस्थानकारमञ्ज्य

जावकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### शारक सरकात्र

## धार्वाजय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्रीक्षण)

अर्जन रेज, रोहरूक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

मिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/11/85-86---अतः मुझे, बी० एल० खकी,

कायकर शिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-वि **को मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ल हैं कि** स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं क्रीर जिसकी सं० 5 बीघा, 6 बिस्वम भूमि, ग्राम-च रुरपुर, गुड़-गांव में स्थित है (फ्रीर इसमें उपाबत अनुसूची में फ्रीर पूर्णस्प में वर्णित है ), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम, दिनांक 15-4:1986 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिकाल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने वा कारण है कि सभाष्योंक्त सम्पत्ति का उचित काजार । पुल्य, असको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंशरिक्षियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पावा यया प्रतिकल, निम्नसिवित उद्बोश्य से उस्त बन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है :----

- (क) वस्तरण से इ.इ. किसी जाव की बावत, अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भरि∕या
- का) एरेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त सीधनियम, वा धन-कर र्राथितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रजीजनार्ज जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

- (1) श्रीमती छोटी देवी विधवा खजान, धरमबीर, भागमल, रधबीर पुत्रगण खजान, कटारी देवी, मुन्नी देवी पुत्नीगण खजान, ग्राम-चकरपुर, गुड़गाव। (अन्तरक)
- (2) मैं पारागांव रीयल इस्टेंट एण्ड अपार्टमेंटस लि०, 21-22, नरिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस क्षमा में राज्यम् यो प्रकारक् की राहीय से 4.5 दिल की वर्षीय वा तत्त्वध्यन्थी व्यक्तियों पर शुष्ताकी तामील से 30 दिन की जनिष, को भी मंबीप बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (म) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरो के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का बी उक्त सिभिनियम के सभ्यार 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस मध्याय में विया गया 8ª I

## अनुस्पी

सम्पत्ति 5 बीघा, 6 बिस्त्रा, भूमि ग्राम-चकर पुर, गुड़गांव, में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडुगांव में रजिस्ट्री सं० 276, दिनांक 15-4-1986 पर दिया गया है।

> बी० एम० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरोक्षण) अर्जन रेंज, ीहतक

क्षत: वद, सक्त वर्षिणियम की भारा 269-ग की वनुसरण 📂 मैं, अक्त अधिनियम की भारा 2.69-व की उपभारा (1)

🐧 अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 10-7-1986

मोहरः

शक्त भाषं . टी. प्रस्त एस्त । • •- •

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/6/86-87---ग्रत: मुझे, बी० एल० खली,

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजास मूल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 6 बीघा, 5 बिख्या, भूमि गांव-चकरपुर, तह०-गुड़गांव में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय श्रायकर स्रिधिनयम, 1961 के स्रधीन, तारीख 15-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का नन्दह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एंने जन्नरण के लिए तय पाया नया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) कलाइक में हुई किसी बाग की बामत उक्त बाँच-नियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बौद्ध/वा
- (स) एंसी किसी भाव या किसी भन् या कन्य आस्तियों की, बिन्हें भारतीय कायकर विभिन्नक, 1922 (1922 का 11) या उद्धर विभिन्नक, या ध्यूप कर समिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया भारत चाहिए था, छिदाने में मुलिश से रिकटः

बस बन, उपल नांधांस्थम की भारा 269-म की अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिबत व्यक्तियां, अधीत :---

(1) श्री भगवान सिंह पुत्र शीश राम, श्रीमर्ता सोहनी विधवा त्व० श्री शीश राम, श्रीमती संतरा, श्रीमती प्रेम, श्रीमती कृष्णा उर्फ किरन पुत्रीगण स्व० श्री शीश राम द्वारा श्री भगवान सिंह, धरमवी सिंह, रान, श्री रामेण्वर पुत्रगण स्व० श्री शीश रामनिवासी, ग्रम-चकरपुर, तहसील-गुड्गांव।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० डी० एल० एल० होटल लि०, 2-1-22, नरिन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी कारके प्रशिक्त सम्पन्ति से सर्वत् से जिए कार्यशाहियां कारता हुं।

उनम् कम्परित के वर्षन के कावरूप में कोई भी माओप:---

- (क) इस मुचना के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समान्य होती हो, से भीतर वृत्तीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वश्थ किसी नन्य व्यक्ति वनाय, अभोहस्ताकरी के नाम निश्चत में किए वा सकति।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुधी

सम्पत्ति 6 बीषा 5 बिम्वा, भूमि, ग्राम-चकरपुर सह०-गृड़गांव जिसका श्रिष्ठक विवरण रिजिम्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजिम्ट्री सं० 274, दिनोक 15-4-86 पर दिया है।

> बी० एल० **खदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायकत (निरीक्षण) म्रजैन रेज, रो**ह**तक

हाशीख 10 -7-1986

ग्हा :

प्रकृष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण)

भ्रजन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/गृहगांव/1/86-87---ष्टतः मुझे, बी०एल० खली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उमित गाजार मृत्य 1,00,000/- रक. से अधिक हैं

स्रीर जिपकी पं० 23 करनाल, 19 मारला भूमि, गांव सरहोल, गुड़गांव में स्थित है (स्रीर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप वर्णि । है), रिक्ट्रोहर्ना चिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय स्थाय हर प्रविचिम, 1961 के स्थीन, तारीख 9-4-86

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार भूल्य से कंग के बश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार अंक्य, उसके बंध्यमान प्रतिफल से, ऐसे बस्यमान प्रतिफल का अंक्ट्र प्रतिक्षत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पारा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त जन्तरण किरिया गया है :~~

- (क) अन्तरण में हुड़ किसी जाय की कावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अतरक के दायित्व में कभी करने या उसम अकरों में मिलिश्ट के एउए; और/या
- (भा) एनी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का को का प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ट;

(1) सर्वश्री मृख्यार हरगेंन, शोबीर पुत्रगण श्री राम, राम कौर विधवा करतूरी, निहार्ला, भूलन कृष्णा पुत्रीगण श्री राम निवासी— सरहोत, िटा— गुड़गांव।

(भ्रन्तरकः)

(2) मैं ॰ श्रंसल हाउसिंग क्राइनेंस एण्ड लीजिंग कम्पनी प्रा० लि॰, 115-श्रंसल भवन 16-कस्तूरबा गोधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई शक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाषन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिचित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका थया हैं।

## धन्भूषी

सम्बक्ति 23 कनाल, 19 मारला भूमि, ग्राम-सरहोल, गृडगांव जिसका श्रक्षिक विवरण रितस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़-क्क्षुंगांव में रजिस्ट्री सं० 187, दिनांक 9-4-1986 पर दिया है।

> षी० ए ७० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जनरेंज, रोहतक

 अन अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
 अ अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अधीत ६—-

**तारीख: 10-7-1986** 

मोहर

# प्रक्षः बाह्र<u>ै.की.पुर्व.पुर्व.</u>-----

# बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन सुकता

#### भारत सरकार

# कार्याणय, सङ्ग्यक कायकर नायुक्त (निर्देशिय)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांकः 10 जुलाई, 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/गुड्गाव/8/86-87----भ्रतः मुक्ते, बी० एल० खन्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7 बीघा, 4 बिस्वा, ग्राम-चकरपुर, गुड़गांद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्व श्रनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रवीन, तारीख 15-4-1986,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भेट यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्मिरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिबित में शस्तिविक रूप से किथत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमती मायादेवी विश्ववा रामिकशन, मामनिहिह पुत्र रामनाथ, गांव-चकरपुरः।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० डो० एल० एफ० यूनिवर्सल लि०, 21-22 नरिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सवंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ज्ये भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोद्दत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

मन्पत्ति 7 बीघा 4 बिस्वा भूमि, गांव-चकर पुर,गुड़गांव में ियत है श्रीरजिमका श्रधिक विवरण रिषस्ट्रीकर्ती के कार्यालय एड़गांव में रिजस्ट्री सं० 275 दिनाक 15-4-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैनरेंज, रोहतक

क्षारी**ख**: 10-7-1986

मोहर 🤃

## प्ररूप् आई. टी. एन. एस. -----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सों०/एक्यू० गुड़गांव/ 9/85-86---यतः मुझें, ची० एस० खत्नी,

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बहुनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के क्षर्थां सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 बीघा, 18 बिस्वा, भूमि, ग्राम नत्थूपुर, तह० गुड़गांव, 2 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 11~4-1986,

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्री फल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारफ है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ता !! शिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित। (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रशिक्त भेनम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाहरीयक रूप से कथित नहीं किया गया है ६——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं ाक्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अराः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६——

- (1) 1. श्री णिवराम 2 श्री देण राम पुत्रगण श्री गोरधन, जाति अहीर निवासी—-ग्राम नत्थूपुर। (अन्तरक)
- (2) मैं ० वी० डी० इन्बेस्टमेंट एण्ड एजेन्सीज, प्रा० लिं०, 21-22, नरेन्द्र प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वीक्स सम्पन्ति में बर्चन में दिवल कार्यनाहियां करता हो।

## डक्त बन्मीता के अर्थन के बन्दर्भ में कोई भी बार्वेप हुन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तरस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी स्यूचित हुवारा;
- (क) इक्ष स्वना को राजपत्र में प्रकाशन को तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा बभोद्दस्ताक्षरी को पास 'सविस में किस का सकते।

स्पष्टीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही जर्म होगा, को उस सध्याम में दिवा स्वा है।

# अनुसूची

सम्पत्ति 2 बीघा, 18 बिस्वा भूमि, जो ग्राम् नत्थूपुर्र, तह० गुड़गांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 233 दिनांक 11-4-76 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक । 30-6-1986 मोहर ।

## प्ररूप आहे. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यात्रवः, शहावक वायक्ट वायुक्त (निर्देखिक)

**ग्रर्ज**न रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू० गुड़गांव/19/86-87--अत मुझें, बी० एल० खन्नी,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विभिनियम्' कहा क्या है), की धारा 269-च के अधीन तक्षम् प्राधिकारी को वह विक्वात करने का कारण है कि स्वावर सम्मत्ति, विश्वका विकार वांचार मृज्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9 बीघा 6 बिस्बा भूमि का 29/33 हिस्सा गांव चरुरपुर, तह० गड़गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में आयक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 17-4-86,

को पृथेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान विकास के निए बंतरित की नद्दें हैं और बुक्ते वह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार बृध्य, उसके व्यवनान प्रतिकास से, एसे व्यवनान प्रतिकास का बन्दह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निय तथ पाया पदा प्रतिकात विक्निवित उप्रदेश से बन्तर अन्तरण विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- हुँकों क्लाइम्स से हुइर्ग विकासी बाग कर्ण वाध्यक्ष , उपल व्योगनिक्षण को वाधीय कर दोने को अन्तर्थ को व्यादस्य वो कक्षी करने या उपको वाध्यम को स्थानका की विकास अविकार का
- (क) एंसी किसी नाम ना किसी धन वा अन्य आस्तियों को, विन्हीं भारतीय नाम-कर निधिनयन, 1922 (1922 को 11) ना स्वच्छ निधिन्यन, वा धन्-कर निधिन्यन, वा धन्-कर निधिन्यन, 1957 (1957 का 27) के प्रधानार्थ अन्यतियों स्वारिती सुनारा प्रकार नहीं किया भना ना वा किना जाना जाहिए था, किनाने धें सुनिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण कै, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री जोगिन्दर सिंह 2. श्री राजिन्दर सिंह पुत्रगण श्री चतर सिंह 3. श्री नारिन्दर 4. श्री हरबंस 5. श्री हंस राज 6 गंगा प्रसाद पुत्रगण श्री राम कंवर 8 श्रीमती धनपति 8 कुमारी सन्तोष पुत्रीगण श्री राम कुमार निवासी—ग्राम चकरपुर ।

(अन्तरक)

(2) मे॰ पारागांव रीयल इस्टेट एण्ड अपार्टमेंट लि॰, 21, मरिन्दर प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हुं।

## क्या सम्पत्ति के वर्षन के बस्वक्थ में कोई बार्बाप हुन्स

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षारी के पास सिक्ति में किए जा तकों के ।

स्वच्छीकरण अन्यसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उब अध्याय में विवयः क्या है क्ष

## अनुसूची

सम्पत्ति 9 बीघा, 6 बिस्वा भूमि का 29/33 हिस्सा, जो गांव चकरपुर, तहर गुड़गांव में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव रिजस्ट्री संख्या 317 दिनांक 17-4-86 पर दिया र ।

बी० एस० खन्नी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्स (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-7-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

भिदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०गुड़गांत्र/21/76-87--यतः मुझेबो ०एका खली,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षायकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2 बीघा 18 बिस्वा, भूमि, गांव चकरपुर में स्थित हैं (ग्रीर इसरे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिष्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 15-4-1986,

अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से शृष्ट किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---मोहर : (1) श्री सुरजमल पुक्त श्री जयमल भिवासी—-चकरपुर ।

(अन्तरक)

(2) मैं अंसल हाउँ सिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कं०, लि०, 115-अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनक अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित ही, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

# समुसुची

समित 2 बीघा, 18 बिस्वा, भूमि, जो ग्राम चकरपुर में स्थित है श्रौर जिसका अधिक विवरण. रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुज़गांव में रिजस्ट्रीसंख्या 272 दिनांक 15-4-86 पर दिया है ।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक । 30-6-1986 मोहर:

# प्रकार जार्च हो हो । पुरा पुरा हरा ।

# नायकर नॉंपनियम, 1961 (1961 का 43) भी नाय 269-न (1) ने नपीन स्पना

### HIST TRAIS

# कार्यात्तव, सहायक मानकर नाम्कत (निद्रीकाण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/14/85-86---अतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें इसमें एसके परकार, उन्त निधिनियम कहा गया है), भी भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5 बीघा, 8 बिस्या, भूमि, गांव चकरपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 13-5-86, क्यें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह किश्यास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्रमों से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबता,, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) । श्री चन्दगो राम २ श्री सक्ष्मी नारायण पुत्रगण श्री प्यारेगाल, निवासी—-ग्राम चकरपुर तह० गुड़गांत्र । (अन्तरक)
- (2) मैं० श्रंमल हाउभिग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कं० लि०, 115 श्रंमल भवन, 16 कस्तूरबा, गोधी भाग, नई दिस्सी।

(अन्तरिती)

# को बहु स्वना बारी कर्ज पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रशाशन की तारीस से चिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जी उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 5 बीघा, 8 बिस्वा भूमि, जो गांव, चकरपुर में तह० गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में राजिस्ट्री संख्या 760 दिनांक 13-5-86 पर दिया है।

बी० एस० खती सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

प्ररूप बाइ .टी. एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) জা धारा 269-च (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

रोहतम, दिनांम 30 जून 1986

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/ 13/ 86—87—— अत: मुझें, बी० एक्ष० खलो,

वाब्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिधम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह जिल्लाब करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आधक हैं

प्रौरिजिसकी सं 2 बीघा 131/3 बिस्ता भूमि, प्राम च करपुर

में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्राँर पूर्ण रूप से
विणित हैं), रिजिस्ट्रीकिता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में
अग्यकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 13-5-1986,
को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने
का कारण है कि यथा प्वोंक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं
बार बंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिता (अंतरितयाँ) को
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखिक
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में बास्क विक रूप से क्रियत

- (क) जन्तरण वेहुइ किवी जाब की बाबत, उपत विश्वनिषक के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तवे बचने में सुविधा के निक्; बार/या
- (वा) एसी जिस्ते बाय वा विस्ती अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें अरितीय आध-कर अधिनियम, 19 (1922 का 11) वा सकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, स्थिपने में मुजिधा के जिला:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, सैं, जन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थातः:——

- (1) 1. श्रो चन्दगी राम 2. श्री लक्ष्मी जारायण पुत्रगण श्री प्यारेलाल, निवासी-चकरपुर, तह० गुड़गांव । (अन्तरक)
- (2) मैं पारागांव रीयल इस्ट्रेंट एण्ड अपार्टमेंट, 21-22 नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । (अन्नरिती)

को यह सृचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के सर्वन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै
  45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  कानितामों के से किसी व्यक्ति क्षाता;
- (ज) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति मां दिनक किसी काम व्यक्ति दुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा ममा है।

# ननुसूची

सम्पत्ति 2 बीघा 13 1/3 बिस्वा भूमि ,जोग्राम चकरपुर तहर गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 759 दिशांक 13-5-86 पर दिया है ।

> बी० एल० खन्नी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण ) अजन रेंज, रोहतक

दिनांक: 30-6-1986

## प्ररूप बार्ष . टी , एन , एस , -----

# आसकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जभ रेंस-7, नई दिल्ली गई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1976

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/7/37ईई/12-85/ 1338--अन : मुझे, बी० के० मंगोता,

शायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), जी धार 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिन कार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांर जिसको सं० ए-211, 3, है तथा जो भी काओ जासा प्लेच में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में पूर्व स्था से दर्णित है), रुज्यिद्धीयनी अधिकारी के कार्यालय, रुद्धायक अधिकर आयुक्त (अर्जन रेज) नई दिल्ली में नायाण अधिकियम 1961 के अधीन, दिसांक दिसम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित भाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के निए तय वाया म्या प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविश्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गरा है कि

- (क) अन्तरच सं सुद्दं किसी जाय की बावर, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कभी करने या उससे बचने से सुमिधा के निष्; और√या
- को ऐसी किसी आब का किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किमा जाता चाहिए था छिपाने में सबिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 11—226 G1/86

- (1) लोन इंडिया प्रा० लिमि० 227, ऋोखना इंडिस्ट्रियन एस्टेंट, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) माणवा निर्णाण निर्माण 317, मे 30 वेस्वर-5, 221, भारीमन प्याइंट, वस्वई-400021।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के जिल्ला प्राचनित्यों करता हुई।

सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में निष्णु जा सकींगे।

अपादीकरणः - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उन्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पदा हैं।

# अञ्चलकी

फ्लट संग्म-211, 3, भी गजी कामा प्लेस; नई दिल्ली । प्रिया 618 वर्ग फीट ।

> बी० के० मंगोद्धा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाज्य आयुक्त (निरीक्षण.) अर्जन रेंज्-7,दिल्ली, गई दिल्ली-110002

विशांक 14-8-1986

मोहर

## प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2.69-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगन्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/एस० आ $^2-3/12-85/385--अतः मुझे, बी. के० मंगोला,$ 

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- कु. से अधिक है

श्रीर जियकी सं के के -6, है तथा जो फौलाण कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण क्या में विणत हैं), रिजस्ट्री क्ती अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में रिजस्ट्री करण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिनम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री चन्द्रा बाली;
   के-6, कैलाण आलोगी, नई दिल्ली ।
   (अन्तरक)
- (2) भदुश्या इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० 2, कॉशस्या पाक, हीजखास, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मा काइ। भा आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रापर्टी सं० के-6, तादादी 311 वर्ग गण कैनाम कालोनी, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली, दिल्ली 110002

दिलांक 14-7-76 मो**हर**ः प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांगः 14 अगस्त 1986 निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/७/एम० आर्०— 3/12-85/366----यतः मुझे, बो० के० मंगोला, प्रकर ऑपनियमः 1961 (1961 का 43) (**विते इसमे** 

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सदान प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सभात्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो ४०-25, कैलाग जलोनी, में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीय नारीख दिसम्बर 1985

का पूर्वाक्त सम्परित के उधित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपन्न के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित काबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपन्न से, एसे दृश्यमान प्रतिपन्न के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा नया प्रतिपन्न निम्निसित उद्देश्य से उक्त दंतरण जिकित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तर्थ सं हुद्दं किसी बाय की वाब्द्र) उक्त अधिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसा अप वा किसी धन या अभ्य आस्तिनों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना शाहिए था, छिपाने में त्विधा सृत्विधा सृत्विधा के जिंद्र,

ा, श्रीमती यशोदा देवी कक्कड, के०--25, कैला श ालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2, श्री बणीर अहमद, 61, कारनः, मानिविया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करका हुए ।

## उक्त सम्पत्ति के मर्थन को संबंध में कोई भी बाहरेप क्ष्रू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस कै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिध, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त रथानर सर्पात्त मा हितवक्ष किसी कन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निर्मित मो किए जा नकने।

स्वकाकरणः ---इसमें प्रयुवत शब्दो आर पदों आ जो उसव विभिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

प्रोपर्टी नं० के०-25, तादादी 297 8 वर्गगण कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता गक्षम प्राधिकारी भहायक आयक्क शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-7 दिल्ली, मई दिल्ली~110002

बत: क्षेत्रः, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बन्तरण के, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. वर्धात् :——

नारोख: 14-8-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269 व (1) के अधीन सूचना

## बाहुत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेण-7 नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/७/एम० आ४०—
3/12-85/382---यतः मुझे बी० के० मंगीता
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा
269-इ के अधीन तक्षत प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जितका अधित वाणार मृत्य
1,00,000/- रा. में अधिक हैं
और जितकी मी० हैं, तथा जो बी०-95 डिफींग
कालोनी में स्थित हैं (श्रीपडानम आबाह अनुगुची में और
पूर्ण कर में बणित हैं), प्रजिन्द्रीकरण अधिकारों के अर्थान्य,
नई दिल्ली में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, गारीख दिसम्बर्ग 85

को पूर्वोक्स संपत्ति के उत्तित को जार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई हैं और मुन्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अन्तर्य (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्त्रिरित्यों) के बीच एसे अन्तर्य के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है ध---

- (का) मन्तरण सं शुद्ध किसी माम की बाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दीने की अन्तरक औ दायित्व में कहीं करने था उसमें उन्हों में बिद्धा के दिल्य; बीर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ यन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया आना जाहिए था, स्थिपाने में मुनिधा के लिए.

बतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अधील :— 1 श्रीमती इता गुहा, पत्नी गैलेन्द्र कुमार गुहा, जी-1301, चितराजन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्त्रक )

2 श्रीमती निहाल कीर, पत्नी रतन मिह, बी-95, डिफेंस ∷लोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरितो )

को यह सचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिश करता हूं।

उक अम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तरहां ती ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध . यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यस निस्तित वें किए पा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नग्त्र्य

प्रोपर्टी नं० बी-95, भाषादी 325 वर्ग गण डिफेंस भाषोनी, नई दिल्ली।

> वी० के०भंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1986

अस्थ आहे. टी. एन. एस. -----

ाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, **महाय**ा आ**रकर आ**गवा। (निर्माक्षण) । अर्जुं मिल्म, नर्द (स्ट्ली)

पर्ड मिल्ली, विकार 14 पंतर 1987

निर्दोण मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/ //एम० आर 3/12-85/384---गणः सुझे, वी० के० मनाहा, इएकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

स्रीर णिउनी ते हैं (या जो पाट ने 94, ब्लाज एसर, ग्रेटर कैनाजना में स्थित हैं (श्राप इतने उपायस अनुसूची में स्थाप पूर्ण कान विश्वित हैं), प्रांतिव्ही तो अधि- जानों के जार्यालय, गई।उन्ली में वारीख दिल्ला भारतीय प्राप्तिकण अधिन्यम, 1505 (1905 एए 10) कि अशिष्तिकारी प्राप्तिक विश्वम्या 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवन बाउर मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; ऑर/या
- (धं) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिदी, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्श्यार में स्किया के निय;

कतः अब, उक्त कांशिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1, श्री पृथीनाल सिंह, 37-27, स्ट्रीट बुड साईड, न्यूयार्क द्वारा एटोरनी क्रमाल सिंह सुपुत्र स्वर्गीय एस० चन्दा सिंह, 2/48, मल्हो मार्ग, शापिग मेटर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

्र, श्री चंद्रा कांसा, ए-2/35, सफदरजंग गुंकलेब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के अर्थन के सिए कार्यकाशियां शुरू करता शुं।

इक्ष्य मम्पास के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्यास्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **मन्स्**ची

भूमि नादादी प्लाट नं० 94, नादादी 300 वर्ग गज क्लाफ एएफ, अवासीय कालोनी, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहाया आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोखा: 14-8-986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, भई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/७/एम० आ२०-3/ 12-85/363--अतः मुझे, बो० के० मंगोला, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह<sup>®</sup> कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुरूर 1,00,000/- रु से अधिक है हैं तथा जो एस०-229, ग्रौर जिसकी सं० कैलाश, भाग-2 में स्थित है (प्रीप इसने उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीय, नारीख दिसम्बर 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजाए मूल्य से कम को इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापवाँक्त संपत्ति का उचित बाजनर मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निष् तय पाया अया प्रतिफल, निम्नलिखित चढ्देश्य में उक्त वन्तरण लिखिष्ठ में बास्त्रविक रूप से किशत नहीं किया गया 💕 🖫---

- (क) बन्तरण से हुइ फिली अगय की बाबत, उक्त अधिनियब के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उबसे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बत: जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इं लधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बर्धांब् क्र---  $I_{p}$  मैं । डेलाइट बिल्डर्स, P-2/140, सफदरजंग े.क्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री कृणन कुमार णर्मा मुपुत्र ए० पी० शास्त्री, एच०--98, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुबना के राज्यत्र में निकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना के जामील तो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाई में निमाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा:
- (ब) इस स्वना प्रश्न राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अवत स्थायर सम्पत्ति यो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए या निर्माण ।

न्य होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ंधा हैं।

## **बन्स्**ची

प्रथम खंड, प्रोस्टी नं० एंप०-229, ग्रटर कैलाग-2, वर्ड दिल्ली-33% आफ 300 वर्ग गज ।

> त्री० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्थार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमां 🗆 14 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आए०-3/ 12-85/355--अतः मुझे, बी० दे० संगोता,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजर मृल्य 1,00,009/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं है तथा जो एस०-250, ग्रेटर कैलाश-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भौर पूर्ण रूप ने वणित है), रिजस्ट्री रुर्ता अधिकारी के जार्यालय नई दिल्ली में भारतीय पिस्ट्री रुर्ण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिलम्बर 1935

को पूर्वेक्ति राम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिकास के निए अंतरित की गर्दे हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य . उन्नक्ष क्ष्यमान प्रतिकास से, एमें दश्यमान प्रतिकास का पन्तक प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, जिम्मिजिसित उद्योग्यों से उन्त अन्तरण निकास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्सन

- (को मन्त्रस्य से हुए भिसी आय की साम्य, उन्धा मधिनम्त्र में समीत उन दोने के मज़रक के द्वीयर यो क्यी मरने गा उन्थों मज़ने यो स्विभा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्ह भागतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के दिन्ह।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ..., मं, उक्त अधिनियस की धारा 269-घ की जपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :—

1 इश्वर लूंद, एम-273, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

2 श्रीमती मधिदर कार, ए-202, डिफेस कालोनी, गई दिल्ली।

(उन्हारिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्मत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधिक्षस्ताक्षर। के पार जिल्ला मो किए के अर्थों।

स्वश्योक्षण प्रमुख्य प्रमुख्य स्व १ कीट स्था स्था हो जनस्य प्रोक्षित्यम् से बन्दार १८-व्य सा परिभाषित हो, वहीं सभी होगा का सम अध्याय में विसा गया है।

# अनुसूची

एस-250, ग्रेटर कैशाम-2, तई दिल्ली तादादी 300 वर्ग गण।

वी० के० संगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयग्रर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेष्ट-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14**-**8-1**9**88

प्रस्व बाइं.टी.एन.एस.------

बायकर व्यक्तित्वम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्पनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-7, भई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/२/एस० आर०--३/ 12--85/386---अतः मुझे, बी० के० मंगोबा.

कायकर अधिनियम, 1961 (1965 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को पारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राराजन में हैं। यह दिस्तार नाम के स्टाइं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित हारा मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-372, है तथा जो ग्रेटर कैलाम )-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजित है), राज्स्ट्रीवर्ता अधिकारी के लायांत्रिय, नई दिल्लों में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर 1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मुन्द से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है और मुझे यह विद्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पर्ति का उचित यम्बार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिवक्त से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरका) अं अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए उय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण जिल्ला जाता से वासरिवक क्ष्य से कामति मुझी सिक्षा मुझी के वासरिवक क्ष्य से कामति मुझी सिक्षा मुझी है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काय की शब्द उक्त अभि-नियम के वधीन कर दार के अतरक की शविद्य के कभी कारने या उससे अचने में सविध्य की लिए, श्रीज़/मा
- (क) एंसी किसी बाब का किसी बन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनयम, १९८७ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रात श्राह्म , उसत श्रीभिनियम की भारा 269-म की अनुसर्थ हैं, में, सकत अभिनियम की भारा 269-म का नवधारा / स्थे अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमत्ति अभः पुरी, बं15/9्. सफदाणंग संबंखेत, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अमल्जित शिह जौहर, श्रीला39, डिफ्टेंम कालोनी वर्ड दिल्ली।

(अन्तरिष्ठी)

की यह सूचना आरों करके पूर्वोधन सम्पत्ति के अर्थन के लिए फार्यप्रिटियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोएं भी आक्षप :---

- (क) कम मुखना की एकएम तो प्रकार कर भारतेल में 45 विन की अवर्षिय पा सम्बन्ध की क्षांचित्रयों पर सुनन की सम्बन्ध के अपने के अपने के अपने के अपने के साद मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्षांक्रियों मीं की शिक्षी व्यक्तित देवास;
- (भ) श्र्व सूपन्य के ापप को प्रकाशन को **हारीक** स 45 बिन के जीतर उपत स्थापर सम्पत्ति में हित-श्र**ड़ किसी अन्य स्थाप्त द्**वारा अ**भोह**स्ता**शरी के**

## मन्स्ची

ई-372, ग्रेटर कैलाग-2, वर्ड दिल्ली, 250 वर्ग गछ।

वी० के० मंगोला ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ नेंध-7 दिल्ली, ार्ड दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1986

# মুক্ত ৰাষ্ট্ৰ চৌত চৰত চৰত ক্ৰান্ত

थायकार अधिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-**ग (1) के अभीन सुमना** 

#### कारत सरकात

# कार्यास्त्र , सहायक नायकार कार्यका (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-7, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आर०--3/ 12--85/360---क्तः मुझे, बी० के० मंगोता,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इंडर्मे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० डी-292, है, तथा जो डिफेंम कालोनी में स्थित है (भ्रौर इसने उपावद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अध्ययम के हुइ किसी काय की नावत, उपत वीपनियम के वर्षीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य मैं कभी करने वा उपको क्याने में सुविवा के जिल्; और/वा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

णतः भव. उक्त जीवनियम की भारा 269-न की वन्सरक को, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन. निम्नतिचित स्थिनस्यों, अर्थात् ⊞—— 12—226 GI/86 1. कर्नल सरदार सिंह भसीन, 26/1, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चित्रलेखा घोष, डो-292, डिफेंस कालोनी, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह कुचना भारी करचे पुत्रोंकत बंगीस्त के नर्धन के बिह्य कार्यवाहियां कारता होतु।

वन्त् बन्दरित के वर्णन के बस्तम्थ् में कार्द्र मी शाक्रोधः--

- (क) वस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की क्यांचि का तत्त्वकानी क्रित्रकों पर स्थान की ताबीश से 30 दिन की वर्वाच, वो भी क्रिक्त का में तमान्त होती हो, के मीतर पृत्रोंकत क्रिक्त में वे किसी क्यांच्य व्याराह
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के शीवर उथत स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष फिसी बन्त स्थाविङ युवारा जभोहस्ताक्षद्वी औं पास निमित्न में किन्तु या सकोंने।

स्पथ्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा., जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **मन्स्**ची

प्रोपर्टी नं॰ डी-292, तादादी 325 वर्ग गज। डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

> बी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज-7 दिल्लो, नई दिल्लो-110002

तारीख: 14-8-1986

धस्त्र वाइं.टॉ.एव.एड., -----

# भावकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के मधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्वोग सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस० आर०-3/ 2-86/1371/401--अतः मृत्रे ए० के० मनर्चदा,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इस्तर्भ इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अर्थान सक्षम आभिकारी की वह विश्वनात करने का कारण है कि स्थानर शब्दिता. जिनका विश्वत नाचार सूच्या 1,00,000/क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० एय०-24, है तथा जो भीम पार्क एक्सटेंगल, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1986

को पूर्वे किए संपरित को उपित साजार मून्य से कम के क्ष्यकान प्रतिक्ष को लिए संतरित की गई है और मूक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उपित साजार ब्रुंच्य, उसके क्ष्यकान प्रतिक्षण है, होते क्ष्यमान प्रतिक्षण का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (संतरकों) और संतरित (सन्तरितयों) को बीच होते अन्तरण को लिए तब पाया नवा प्रतिक्ष कल निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण निम्नलिखित में शास्त्रीकक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण में हुई फिली बाब का बाबत, उचत विधिनियस के वधीन कार धार्च से बन्तरक से बाविक्त में कार्य कहने या अध्यत्ने क्या अधिक से स्थित, श्रीक्र/का
- (अ) एकी किसी बाध वा किसी वय वा कर्य वास्तिकों को, जिन्हों नारतीय कान-कर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की बण्धारा (1) के बल्किन, निम्मसिकिक व्यक्तियों, बर्वास् ह 1. श्री पी० सी० बाबेजा, बी०-5, सफदरजंग एंकलैव, मई दिल्ली।

(अन्त्र ह )

2 मैं० जी० सागर सुरी ऐंड संस, सागर अपार्टमेंटरा, 6, तिलंक सार्ग, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

की यह कुषना चा<u>री करके पृत्रॉक्स सम्पत्ति</u> के नर्जन के सिए कार्यशाहियां करता हो।

## क्ष्मत कुल्लीस को अर्थन की सम्बन्ध में काही भी जाओब हुन्न-

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी क्यन्तियों पर स्थान की तामीश से 30 दिन की अवधि, को भी वविष नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकत क्यान्तकों में से किसी व्यक्ति प्रवास
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन को तारीक सं 45 इन के भीतर उन्हर स्थापर सम्पत्ति मों हित्तकूथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्थानिकरणः--इवाने प्रवृत्ताः वस्यो कार पण्डो का, जा समझ व्यक्तिपृत्याः से वध्यायः 20-क ये पृत्तितिक् हिं वृद्धीं वृत्तं द्वोता जो उद्य अध्याद से विका वया है।

# **प्र**नुसूची

एस-24, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

ए० के० मनचंदा सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-5 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सा**रीय : 13-8-198**6

## इस्य बाइं.टो.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानव, सहायक बायकर बायकर (विर्याचन) अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०--5/एस० आए०-3/ 1-86/1352--अतः मुझे, ए० के**० मनचं**दा,

ना बकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उनत भी धीनयम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गावार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० बाई--26, है तथा जो हीजखास, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सविणित है), अयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेप--5, नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1986

को पूर्वोक्स सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के क्यामान् प्रशिक्षक के लिए अन्तारत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उणित बाजार मूल्य, अशके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकति से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया यथा प्रतिकल, निम्नलिकित उज्ज्वक्य सं उक्त अन्तरण किस्तित में अस्तविक क्य से कीशत नहीं किया ग्या है :---

- (क) सन्तरम ये हुई किसी बाय की वावस, उक्त अधिनियय से स्थीन कर दोने के ब्रेस्टक के दायित्व में सन्दिक्तों वा स्वाचे बडावें में बृद्धिभा के सिए; और/या
- (ध) होती किसी शाय वा किसी धन या बन्ध आस्तियों का, चिन्ही आरतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अंबरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा के सिन्धः

सत्तः अय, अन्त वीभिष्यम की वारा 269-न के वमुबर्भ थे, में, उक्त विधिनयम की वारा 269-त की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री जोतिन्त्र माथ वर्मा, (2) बुज मोहन लाल, वाई--26 होजखास, मई दिल्ली।

(अन्तर्क)

2. श्री सतीश वाही सुपुत्र स्वर्गीय आरं एमं बाही श्रीरं ग्रीर कंचन वाही पत्नो मैंसमें पेप्सी कोला इंटर-नेशनल लिमिं०, अपोलो टावर, 64-एलं० रियान कोर्ट, स्ट्रीट जी० आरं०-115 23 एथेंस (ग्रीस) वर्तमाम—खन्ना एसोसियेट प्रा० लिमिं० 1, जी० टी० करनाल रोड़, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु ब्या बारी करने प्रोंक्त सम्मित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन की अविध् या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की वंबधि, जो भी अविध बाद में समाप्त इस्ती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्व व्यक्ति द्वादा सथोहस्ताक्षणी के गाड़ जिखित में किस जा सकोंगे।

स्थळीकरणः - इसमें प्रयुक्त लब्दों और पदों का, वो उक्क विभिन्नियमं, के वध्याव 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा भवा है।

## मन् भूची

वाई-26, हीजखास, नई दिल्ली, कादादी 200 वर्ग गज।

> ए० के० मनचंदा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

क्षा**रीख:** 13-8-1986

# प्रकृप बाह् । ही , हुन्, व्यु - + + + ++

## बावभार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-थ (1) के नथीन बुचना

भारत सरंकार

## कार्यासम्, सहायक नायकर नायका (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिमांक 4 अगस्त 1986

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस० आर०-3/ 12-85/1321--अतः मुझे, अणोक क० मनचंदा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ठांर जिसकी सं० एफ-30, है तथा जो हीजखास एक्लेब, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेप-5, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य र कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रतिफल का पंचह स्तक ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्षिति्यम् के बच्चिक कर वार्च के बच्चरक के समितः में कमी करने या उससे बचने में जूनिभा के जिए; बाह्य/या
- (थ) एंसी जिसी बाव वा किसी भव वा वस्थ आस्तियों का, जिन्हीं भाउतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा वी आए:

बतः क्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की अधीन निम्नजिक्कित व्यक्तियों, अर्थास् ध—

- श्री होमई मानेष्णाव्यारवाला, श्रीर डा॰ फारुख व्यारवाला, 17, मटल छाया सोसायटी, भिजामपुर, बदोदरा-390002 (गुणराम एस्टेट)
   (अन्तरक)
- श्री सुरेण चन्द जैन और कुन्म जैन बी-1/30-ए, ह्रीजखास, एंक्सेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी कारके पूर्वोंका सम्पत्ति के नर्जन के हैं जब कार्यचाहियां करता हूं।

## क्षमत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध के कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की बनिध, जो औं धनिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

डबल' स्टोरी आवासीय हाउस, प्लाट नं० एफ-30, हीजखास एंक्लेब, नई दिल्ली।

> अशोक क० मनचंदा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-8-1986

# प्रकृष बाद् द<u>ी पुन्दुर्चल</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन

### पारत करकार

# कार्यासन . सहायक नायकर बांबुक (विक्रीक्रिक)

अर्जन रेंज-2. मई विस्ली

मई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस० आर-के/12~85 326—अन: मझे, अशोक क्रमार मनचदा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिय इतने का का प्रशाद (उनते अधिनियम) कहा नवा है), की धारा 269-य के अधीन समृत प्राधिकारी को वह विकास जरूने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका जीवत नापाद नृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रांर जिस को सं० हैं तथा जो एफ-43, पंचशील पार्क, नई दिल्ली में स्थित हैं (भ्रांर इसम उपाबड़ अनुसुची में पूर्व, रूप से विणित हैं), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-5, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख दिसम्बर 1985 को

का पूर्वेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वे कंत्र के दश्याम मिलक के लिए जन्तरित की गए हैं जोर मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तर-रिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरंण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बह्बिनियन के बभीय कर दोने के अम्बरक के खांबाब हो कभी,कड़ने वा उचने बुझने में बुझिया के क्षिए। बीहर्रण
- (व) ऐसी किसी बाव या किसी पन वा वन्य बास्तियों की जिन्हों भाइतीय वावकर विधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उन्ति विधिनियंत्र, या पंत-कर विधिनियंत्र, या पंत-कर विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) 'चे प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा वो विकास

कतः वन, उक्त विधित्तवम की भारा 269-न में बन्धरण कें, मी, उक्त विभिनियम की नारा 269-क की स्वभास (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः :--- (1) श्री गुरमुख सिंह आमन्य नं ० एस-43, पंचाशीला पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एवि वचानी मिलर्स टोना वचानी वो-22, मईफेयर गार्डन, हीजखास एन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के **सिए** कार्य**वाहियां धुरू करता ह**ूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत है 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इस सूचना के प्रवापत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपक्षित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पत्र विचित्त में किए का तकोंगे।

रनव्यक्तिरणः— इत्तर्भे प्रयुक्त कर्व्या और यद्यों का, जो उपस् अर्ट्सिन्यम, के बध्याय 20-क में परिभाविष हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### अनुसूची

प्रापर्टी नं ० एस-43, तादादी 600 वर्ग गज, पंचशीला पार्क, मई दिल्ली।

> अशोक क० मनचन्दा मक्षम अधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (मिरोक्षण) अर्जन रेंज-5 मई दिल्ली-110002

विमांकः 4 वेगस्त 1986

श्रम् आ**र**्टरो <u>पुन् पुन</u>्याः

भायकड स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-व (1) में स्थीत स्वता

### HIST VENNE

# कार्यानन, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/37 इ/ए एस० आर-3 3~86/1432—अत: मुझे, ए० के० मनचन्दा

बातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वितः वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीप जिस की सं० हैं तथा जो एच-31, ग्रीम पाक एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीप इससे उपावश अनुसुची में पूर्व रूप से विणित हैं), अयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम तारीख मार्च 1986 को

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य हे कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि बधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूच्या, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के फंड्र प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फला, निम्नसिवित उद्योक्त से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त-किक रूप से कथित नहीं किया नवा है इन्

- (क) बन्दरम हे हुए जिल्ही बाव की बावक का बन्दर मुधिनियम के अधीन कर बने के बन्दरक के बाबित्य में कुनी कुडचे वा अज़ही कार्य में बुदिया के जिल्हा ब्रोडिंग्डा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या करन कास्तियों की जिन्हें आएडीय काय-कर कि धिन्यम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर वा प्राप्तिका आया आया आया आया अधिन्य था, जिन्मा में जिल्हा अधिन के जिल्हा

अशः जयः, धवर जीपीनयम की पाछ 209-म के अभूसरण जा, मा, उवर जीपीनयम की पाछ 269-म की वपपाछ (1) हे बंधीयः, निम्मीजीक्क व्यक्तिवर्षीः, वर्षीय मन्त (1) श्रीमती कौशल्या रानो मल्होता, 2 रमेशचनद्र मल्होता, 3 राजेश चन्दर मल्होता, (4) अमिल मल्होता (5) प्रदीप मल्होता एच-41, ग्रीम पार्क, एक्तटेंशन, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदू राय सूपुतो एच० सी० वल बी-15, मारायमा, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित हो अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हों।

## ब बदा बंपरित के बर्बन के संबंध में कोई भी नामोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की नविभ ना तत्त्वं वंभी व्यक्तियों यह स्थान की वानीस से 30 दिन की सविभ , यो औं सविभ ने से से समान्त होती हो, के भीतर पूर्वो नद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीय है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाड सिचित में किए या सकों ने।

लक्क करण: इसमें प्रयुक्त कर्णा और पूर्व का, जो उक् विभिन्तियम् के मुख्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शया है।

## वग्यर्ची

धरातल खंड साथ गेरेज और चपरासो क्वाटर गेरेज के ऊपर प्रथम खंड और 60 अविभाज्य शेंयर तावाधी भूमि 277. 8 वर्ग जग प्रापर्टी का भाग एच-31, ग्रीम पार्क एक्सटेंशम, भई दिल्ली । भुल जमा तावादी 463 वर्ग गज।

> ए० के० ममजन्दा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 मई दिल्ली-110002

दिनांक: 1-3 अगस्त 1986

प्रकृष् वार्ष्, टी<u>.</u>एन , एस<sub>.-=====</sub>-

# आयकर अधिनिधन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### श्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/37दर/3-86/
अतः मुझे, ए० के० मधन्ददा
आग्रामकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया तै), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से **अधिक ह**ै।

श्रीर जिस की संव है तथा जो नंव 202, नंव 1 कौशल्या पार्क (सुयमिंगन) ही जन्दास, में स्थित है (श्रीर इससे उपायध अनुसुची में पूर्ण रूप ये विणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मार्च 1986 की

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके स्थमान प्रितिफल से, एँमें स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक बार बंतरिता (अंतरितया) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंबित सब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से जम्तरण की निम्निलिंबत स्वास्त्विक रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से जम्तरण कि निम्निलिंबत नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाग की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/बा
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, खिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती दुआरा प्रकट नहीं किसा गणा था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

जतः अब, अक्त जिभिनियम की भारा 269-ग को, अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्रीमती मजू मोवी श्रीर आरं० कें ० मोबी , सीब्ध/95, सफदरजंग डेवेलपमेंट एरिया, नई विल्ली

(अन्तरकः)

(2) श्री डी॰ डी॰ खुरामा , नरेन्द्र कुमार खुराना 24, साउथ पटेल मगर, नई दिल्ली । रिनन्द्र कुमार अहूजा और भूनीना अहूजा आर-905, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अम्मरिती)

को शह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपृत्ति के अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमी प्रयुक्त शादों लौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मी प्रीरिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय मी दिया गमा है।

## अनुसूची

फ्लैट त० 202, तादादी 836 वर्ग फीट सूर्या में शन नं० 1, कौशस्या पार्क, ही जखास, मई दिल्ली-110016 ।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली

दिनांक: 13 अगस्त 1986

## प्रकृष बाह्", टी., एन. एतः ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के बधीन ब्यूचना

#### मारत शरकाड

# कार्यालयः, तहायक भाषकार् मानुवतः (निर्देशका)

अर्जन रेंज-5, मई दिल्ली मई दिल्ली-1, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 5/37ईई/3-86/1726 — अतः मुझे ए० के० मनचन्दा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके वश्यात 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही, की वारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- के से अधिक है

श्रीर जिस की मं ० बी - 3 हैं नथा जो सर्वोदया एन्कलेव, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से बीण हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, नई दिल्ला के अधीन तारीख मार्च, 86 को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मृत्य के कम में स्थान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विकास करने का कारण है कि यभाष्टिक्त संपत्ति का जीवत बाजार

- ब्रुच्च, असके स्वयंत्रान प्रतिकाल से एोसे व्यवसान प्रतिकास का वन्नाइ प्रतिकास से विध्यक हो जीर यह कि बंदरक (शंदरकाँ) बीर बंदरियी रिसी (बन्तरियों) के श्रीच एोसे बन्तरण के सिए सब पाया क्या प्रतिकास, निम्मीलिकास उद्देश्य के उक्त अन्तरण सिचित्त से वास्तिक क्या से की अन्तरण नहीं किया गया है ब——े
  - (क) वन्तरक से हुई किया बाब की वावड, अवस गीर्थानवन के गर्यान कर दोने के बन्तरक के दानिस्थ में कहीं करने वा उच्च बचने में सुविधा के सिए; मीट्र/बा
  - शि) एसी किसों भाग या किसी भन वा बाख वास्तियों को , जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम , या भनकर विभिनयम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रस्तियों देवाया प्रकर नहीं किया गया था का किया वास वाहिए भा कियाने में सविधा के लिए:

नतः नधः, उत्तर रुधिनियमं की धारा 269-त के अनुसरक ते, में, उत्तर अधिनियमं की धारा 269-त की छपधारा (1) है तथीर, निम्निसिस स्पवितयों, सर्थात् रूप् (1) श्री पी० ए० बी० पिलाई, निवासी-7, कम्मबरीडिंग लेयआउट, तीसरा मैन रोड, बंगलॉंग-8.

(अन्दर्क)

(2) श्री की० सी० रस्तोगी, निवासी एस०-252, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना बहरी करको पूर्वोत्रतः सन्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनक बन्गरित से बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी कालेप ह---

- ्रिक) इस बुचना के स्वयन में प्रकारन की तारीक से 45 दिन की नवीच मा स्तरम्बन्धी व्यक्तियों पर बुचना की समीस से 30 दिन की नवीच, जो भी नवीच नक में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्ञानित्यों में से किसी अमीनत ह्वारा;
- (क) इस ब्रुचना के प्रावचन में प्रकावन की तारीत है 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध स्थावत व्यास अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए या तकीये।

त्यक्कीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पदों का, नो अवस्थ विधिनियम के जभ्याय 20-क में परिशादिक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियाः ववा ही हा

# नुबुधी

प्रौ न न ०-बी-53, सर्वोदया एन्कलेव, नई दिल्ली ।

ए० के० मनचन्दा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13 अगस्त 1986

# त्रक्षपं वार्षं . टी . एस . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, महायक भायकर भायकत (निराक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 13 ग्रगस्त 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 6/37ईई/12/85/951— श्रतः मुझे, एस० सी० गुण्ता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिस की सं० है तथा जो 14, श्रीराम रोड, सिवित लाइंस, दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबंद श्रनुसूची में पूर्ण इटन से विणित है), प्रायकर ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-4 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रीधनियम, 1961 के श्रीम तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापृत्रोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके ब्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया एतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में उस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- है। ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया शाना धाहिए था, कियाने ज्विता थे सिए;

(1) श्री अतर चंद्र खन्ना, श्री जवाहर लाल खन्ना ग्रौर प्रमोद चंद्र खन्ना, 7,हेली रोड, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तुषार भागंव मैसर्स सुर्या होल्डिंग प्रा० लिमि० और मिस्टर एस० के० भागंव, ए-21, श्रोबराय श्रपार्टमेंट, 2 ग्याम नाथ मार्ग, दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कास्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

1.4, आंराप रोड, भिवित लाइंस, दिल्ली तावादी 1149 वर्गमीटर ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंन-6 नई दिल्ली-110002

असः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (!) के अधीन, जिस्तिविधिय व्यक्तियों, अधीन, जिस्तिविधिय व्यक्तियों,

13 226/GI/C6

दिनांक: 13 अगस्त 1986

# **बहुन बाहु**ं दी<sub>ल</sub> पुन**् प्**स ,-----

# बालका व्यथितियम् । 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वर्णन बुजना

#### नार्त तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रज़ीन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 ग्रगस्त 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/12-85/ 1154--मृत: मृझे, एस० सी० गुण्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिस की संज है तथा जो फ्लैट नंज 101, 107, प्रौर 108 पलाट नंज 16, 17 पुष्पा बिहार, में स्थित है (प्रौर इससे उपाबंद्वा में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-।।। नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिध-नियम, 1961 के प्रधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रकान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि मधापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्स, उभके इस्प्रधान प्रतिफल से एसे इस्प्रमान प्रतिफल का क्ष्म्य प्रतिकत से विभक्त है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया का प्रतिफल निम्हिसियत उद्योग्य से उक्त वंतरण निविद्य में दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- [क] बन्तरण से शुर्व किसी नाव की वावस, उत्तर विभिन्नस के व्यक्ति कर दोने के बन्तरक के वायित्य में क्यों करने मा उत्तरे वचने में सुविधा के सिक्; बहि/या
- (क) एंसी किसी बाब या किसी भन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर बिधिनियम, या भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया बाबा चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

सर तंत उक्त सिंधित्यमं की धारा 269-ग की अनुसरण वी, भी, उक्त सिंधितमं की धारा 269-म की उपधारा (1) वे स्थीर, निम्मीनियत क्यक्तियों, सर्वाद क्र—

- (1) केनरीकोन इन्डल्ट्रीयफस लिमि०, बी-4/205, सफ़दरजंग एंकलेव नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं राम किशन एसोसिएल्स प्रा० लिमिटेड, ई-31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16

(ग्रन्तिरती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन है जिए कार्यमहिमां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस कुणना के राज्यन में प्रकाशन की शारीचा से 45 दिन की श्रमीय ना शत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शासीस से 30 दिन की श्रमीय, को भी वनिथ नाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

रमक्कीकरणः--इसमें अयुक्त शब्दों बीर पर्दों का, को उन्तर विधिनयम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित हूँ नहीं वर्ष होगा वो उस् सभ्याय में दिया गया है।

## नगुज्बी

फ्लैट नं॰ 101, 107 और 108 प्रथम **खंड,** प्लाट नं॰ 16 श्रीर 17, लोकल शार्षिग सेंटर, पुष्प विहार, नई दिल्ली । कुल तीन फ्लैट्स का क्षेत्रफल 1205 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनोक: 13 श्रगस्त 1986

मोहर ः

# क्षान बार्म्ह ब्रोड हुन्ड एवं र ----

# बावकर ब्रॉडिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के ब्रोन सूचना

## MEN THE

# कार्यक्षर, बहुत्वक वायकर वायुक्त (निर्णयाण)

श्चर्यान रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रगस्त 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/12-85 1155--म्प्रतः सुझे, एस० सी० गुप्ता,

बावकर जीभ्रियम, 1961 (1981 का 43) (विश्व इस्ते इस् 269-च के वभीन सक्तम प्राभिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर बंधीरत, विश्वका स्थित बाकार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं है सथा जो फ्लैट्स नं 102, 103, 104 श्रीर 105 ब्लाट नं 16 मीर 17 पुष्पा विहार, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), श्रायकर अधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-6, में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को वृत्तेंक्य कम्मित के समित नाजार नृत्य से कम के ध्यममान प्रतिकत्त में निए नन्तरित की नृद्दं हैं और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण हैं कि संधापृत्रोंक्य सम्मित का स्थित वाधार भूज्य, उसके ध्यममान प्रतिकत्त से एंसे क्षममान प्रतिकत का विद्युष्ठ प्रतिकत से निष्क हैं नीड बंतडक (बंतडकों) और बंतडिती (अन्तिरित्यों) के बीच एंसे नन्तरण से सिए तम पामा नमा अविकत, निम्मिसिक उन्दर्भ से स्थल अन्तरण निचित में पास्तिक कप से स्थित बहु किया नमा है है—

- (क) ब्रुक्टन सं हुन् कियों जान की बानता, क्या अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा सं किए; और/भा
- (क) एंडी किसी बाब या फिर्की पन या बन्य बास्तिनी को जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल विधिनियम, या पन-कर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बचोचनार्थ बन्तिरिकी बुनारा प्रकट नहीं किया बचा था या किया जाना शाहिए था, कियाने में बुनिया के सिक्षः

(1) केपरीकोन इंडस्ट्रीयल्स लिमि० बी-4/205, सक्तदरजंग एंकलेब, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) टेक कन्सल्टेंटस (-31, ग्रीन पार्क. नई दिल्ली।

(भन्सरिती)

को वह ब्यान वारी करके पूर्वीका क्ष्मित के वर्षन के विद् कार्यवाहियां कुक करता है।

उथत तम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राथपत्र में प्रकाशन की तारीश हैं
  45 दिन की नगींथ या तत्तंतंत्री व्यक्तियों पह
  स्त्राना की तामीश से 30 दिन की नगींथ, जो भी
  स्वादीय नाय में समान्त होती हो, के भीतर प्रोंकर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रमातः
- [व] त्य श्रुवता के हाजारण के अववव्य की वाडीक के 45 विष् के नीव्य क्या स्थायत सम्पतित में हिल-बहुव किसी कन्य न्यांतित स्थापा, नभोडस्ताकारी के बाद निविध्य में निक्ष पा बक्तेंचे ।

लक्ष्मीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर वर्षों का, को उनक कीज-निवस के कथाय 20-क में परिशानित ही, बही वर्ष डीगा. को उस अध्याय में विया नवा ही।

## अमृस्ची

पलैट्स नं० 102. 103, 104 श्रीर 105 प्रथम खंड प्लाट नं० 16 श्रीर 17 लोकत्र शापिंग सेंटर, पुष्पा विहार, नई दिल्ली।

कुत क्षेत्रफल चार फ्तैंट्स 1205 वर्गफीट।

एस० सी० गुष्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, जिम्मीलिचित व्यक्तियों, अधीत् ध---

दिनांक: 13 ग्रगस्त 1986

मोहर 🖫

# प्रका भारी हो .ध्रुव .ध्रुव ....

# नाक्कर सरिधनियक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 क (1) के संधीन सुबना

#### भारत बरकार

# कार्याक्षक, राष्ट्राक्षक जावकर आयुक्त (निर्धावा)

श्रर्जान रेंज-6, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रगस्त 1986 निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इइ/12-85/ 1156--श्रत मुझे, एस० सी० गृप्ता,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषये क्यमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विस्तका उचित वाजार भूक्य 1,00,000/-रू. से अधिक है

भीर जिस की संज है तथा जो फ्लैंट नंज 106, 109 भीर 110 प्लाट नंज 16 श्रीर 17, पुष्पा विहार, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबज अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), भायकर श्रधिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज III में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के स्वित बाबार मूख्य से कब के अवनान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने बृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवे ब्रह्ममान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्नसिवत उद्वोदय से उक्त अन्तरण जिवित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया यस है :---

- (क) अन्तरक से हुइ किसी बाव की, वाबत, क्षवा अधिनियम को अधीन कर वेने के वस्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिहु; और/वा
- (व) इसी किसी बाम या किसी धन या बल्म बास्तिनों को चिन्हें भारतीय बायकर निधनित्रमा, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्हें रिकेश गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

- (1) क्योरिकोन इन्डस्ट्रीयल्स लिमि ० बी 4/205, सफदरखंग एंकलेय, नई दिल्ली । (ग्रन्सरक)
- (2) ग्रार० के० एड एसोसिएट्स, ई-31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां मुरू करता हुं।

## जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में आहे वी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इसस्यमा के राज्यत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटनहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पाच किसी में किए या सकेंगे।

स्वाकीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरं विभिन्नियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका चवा हैं ⊭

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 106, 109 ग्रीर 110 प्रथम खंड प्लाट नं० 16 ग्रीर 17 लोकल गापिंग सेंटर, 9ुष्प विहार, नई दिल्ली ।

क्षेत्रफल फ्लैट्स 1205 वर्ग फ़ीट

एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेंज-6, नई दिल्ली-110002

बत: अब, उक्त जीवनियम की धारा 269-ग के अनुसरक बी, भी, उक्त जीधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीग, निकासिक व्यक्तियों, वर्षात क्ष----

दिनांक : 13 अगस्त 1986

# प्रकृत जाही, टी. एवं. एस-अक्षर-अक्षर-अ

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सहस्रार

# कार्याचय , सहायक वायकर वायुक्त (गिरीक्षक)

श्चर्यान रेंज-2 , मद्रास मद्रास,दिनांक 6 श्रगस्त 1986

निदेश सं० 2/दिसम्बर-85—ग्रतः मुझे ए० ग्रार० रेड्डी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

भौर जिस को मं० 1, स्टिनिंग रोड़, मद्रास-34 है, जो नुगम्धावकम में स्थित है (श्रीर इसके अनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिनिंग्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यालय, लेख सं० 576/85 थाउजैंड लाइट्स में भारतीय रिजिंग्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से क्रम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके संवयमान प्रतिफल से, एसे स्वयकान प्रतिफल का पन्तस् प्रतिफल को पन्तस् अति अतिरक्षी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उचत अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की वावतः, जायकर जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कार्य दावित्व में कभी करने या उत्तर्ध दवने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वात प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुत्रिका के लिए;

बत्त गंग, उक्त जाँधनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंसत व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री बी० गोविन्दराजुलु

(ग्रन्तरफ)

(2) मैं सर्स टाटा भ्रायरन एण्ड स्टील कम्पनी (भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क शस्य कर्मकाहियां करता हूं।

सम्बद्धि के वर्षान के तंत्रभ में कोई भी वाक्षेप ह----

- (क) इश्व सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तक्कीस से 30 दिन की अविभ, सो भी अविभ सास से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिस्तरों से से किसी क्लोक्स स्वासा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित-बवुण किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के नास किवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स औषिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अभे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बर सं की

प्लाट थर्ड फ्लोर डोर सं० 1, स्टिलिंग रोड़ मद्रास-34 याउजैंड लाइट्स सेख सं० 576/85

ए० श्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षीय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त) भ्रजीन रेंज-1<sup>I</sup>, मद्रास-6

दिनांक: 6 अगस्त 1986

# प्रकृत वार्ष . दर् , द्व , द्व , -----

नाथकर मधिनियन , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में स्थीन ब्याना

#### THE STATE OF

# वार्याचर, रहारक मार्क्स मार्क्स (निश्लीक्षक)

मर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 श्रगस्त 1986

निदेश सं० 6/दिसम्बर 1985—अप्तः मुझे ए० ग्रार० रेड्डी शायकार विभिन्नमा, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवें इसके बन्धात् 'उपत विभिन्नमां' कहा गया हैं), अर्धे भारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार वस्थ 1,00,000/- रह. से विभिक्त हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 533/12, ब्लाक सं० 29, डोर सं० 19, है, जो वीट, काफटर रोड, नुंगम्बाक्कम् में स्थित है (ग्रीर इसके ग्रनुबंध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, थाउनैंड लाइटस/लेख नं० 606/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जीवत नाजार मृत्य से कम के क्षत्रमान प्रतिपाल के सिए वंतरित की नई है बार मुक्ते यह निवनास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित नाजार मृत्य उत्तकों स्थ्यमान प्रतिकान से एोडे स्थ्यमान प्रतिकान का नम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और बंधरक (बंतरकों) बोट बंद्याँ, रहीं (अन्तरितियों) के बीच एोडे अन्तरण के सिए तब वाना नना प्रतिकान, निम्निशिक्ति सब्देश्य से अक्त अन्तरण कि बित्त प्रोतिकान कम से अधिक नहीं स्थित वस है 8——

- (क) सम्बद्ध वे हुई किसी साक की बाबसा, उपत स्थितियस के स्थीन कर दोने के जन्तरक के रामित्य में कभी करने या उत्तसे स्थन में सुनिष्ठ के सिए; सौरू/मा
- (व) ऐसी किसी आव वा किसी भूत वा वच्य आस्तियाँ को, चिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उन्त अभिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ अस्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किसा चाना लाहिए वा क्याने में कृषिभा के लिए;

(1) भी प्रविध मिर्सा नमासि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० टी० एम० ग्रहमद मुस्तफा

(भन्तरिती)

को का त्यान वाडी करके प्रांतित सम्मतित् वे वर्षन के किए कार्यनाहिमां क्रक करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नवंधि, वो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के रावपन में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-ववृध किसी नम्य व्यक्ति कृतार वंशोहस्ताकरी के बाब सिक्षिय में किए वा स्केंने:

स्वक्रीकर्ण :--- इतमें प्रयुक्त कर्जी वरि वर्ती का, वो अवत विवृत्तिका में जन्मात 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता को अध्याद में दिया नवा ही।

## वन्युची

भूमि भ्रौर मकान-19, बीट काफट्स रोड़, नुगम्बाक्कम् मद्रास-34 थाउजैंड लाइट्स लेख सं० 606/85

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षीय सङ्घायक ग्रायकर श्रायुक्त) ग्रजंन रेंज-U; मद्रोस-6

नस्त पर्याः स्वस्य सीमिन्यम् की भाषा 269-म की नगुसरम् तो, तो। स्वस्य अधिनियम् की भाषा 269-म की स्वसारा (1) को तभीन, मिलाविविक स्वीत्सर्विक समस्य हम्म

दिनांक : 6 ग्रेगस्त 1986

प्राक्ष्य आर्थः, टर्डे. एन. एस. . =-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्योन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, बहारक बारकर बाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज=I $_{I}$ , मद्रास=6 मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1986

निदेश सं० 8/दिसम्बर 85--अत: मुझे, श्री एन० आर० रेड्डी,

कावकर विशिवन 1961 (1961 का 43) (त्ववं इसवं इसके पश्चात् 'उक्त विधितयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, विश्वका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

मार जिसकी सं० 16ए, ईस्ट लोकमान्य स्ट्रीट, आर० एस० पुरम् है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (भीर इसके अनुबन्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 5589/85 में भारतीय रिप्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नवरन हैं कि समान्वोंका सम्पत्ति का कवित बाजार मूल्य, बहुक दस्यमान प्रतिक्य है, ऐसे दस्यमान प्रविक्य का बंद्र प्रतिक्षत है बीच हैं बीचरण (बंतरकों) और बंध-रिती (बंतियित्यों) के बीच हैंसे बंदरण के जिए तय पाना पना प्रतिक्या, विभाविष्ठ उन्होंका है बक्त बंदरण विश्विष्ठ में बालाविक क्य है बहिबा नहीं किया पक्ष है हिन्स-

- (क) बन्तरम ने हुए किसी बान की बाबत . जनत अधिनवद के बनीय कर दोने के बंदसक के बहिन्छ वो कमी करने वा उनसे नथने में सुनिधा के किए? सरि/वा
- (व) एंसी किथी नाथ वा किसी थन वा कन्य वास्तिकों की, विन्हुं भारतीय नाय-कर मिशिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिशिनवस, या धनकर विभिनवस, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ अन्तिरती वृषाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-थ की उपभाग (1) वे अभीन, निकासिक्त व्यक्तियों, अवित् मान (1) 1. श्री टी॰ रामस्वरूप 2. श्रीमती राज राजी रामस्वरूप मस्होता ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द राधाविश्तदास ग्रीर दूसरे (एच० यू० एफ०)

(अन्तरिती)

चर्च क्ष्म व्यक्ता चारी कार्य वृत्योंका कृत्यतिह के वृत्यं के किए कार्यवाहियां करता हो।

## उनक सुन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेर ह-

- (क) इस ब्रमना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय ने 45 विष की नगीय या तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पर स्पना की तानीय वे 30 दिन की सर्वाय, यो भी नवीय वाद वे स्थापत होती हो, के भीतर प्रविच्य न्याय होती हो, के भीतर प्रविच्य न्याय होती की कार्याय हाता है
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 वित के भीतर अक्त स्थावर संपरित में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति प्रवास अधिहस्ताक्षरी के पास विश्विद्य में किस् का सुकेंचे।

ल्याक्रीकरण:----- इसमें प्रयुक्त सन्दों और गर्दों का, यो सक्त श्रीवर्षित्व के बच्चाय 20-क में परिश्रायित हैं,, बहुरे वर्ष होगा यो उस सम्माय में दिया सुवा हैं।।

#### बनसर्ची

भूमि और मकान डोर सं० 16ए; वार्ड, ब्लाक सं० 22, मैट सं० 13, ब्लाक सं० 17, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर, कोयम्बतूर/लेख सं० 5589/85।

ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 6-8-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) क्रेबधीन सुचना

#### भारत सरकार

# क्रमणालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनर्रेज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1986 निदेश सं० 1/दिसम्बर 1985——अतः मुझे, श्री ए० आर० रेड्डी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 12, , नुंगम्बाक्क्म् है रोड, है, जो मद्रास-34 में स्थित है (श्रांर इसके अनुबन्ध में भ्रांर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, श्रांसन्ड लैंड्स/लेख सं० 570/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कसी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जंरभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती आर० बी० सरोजिनी देवी।

(अन्सरक)

(2) भेसर्स वोरियाण केमिकल्स डिस्टिलरीस लिमिटेड (अन्तरिती)

६.. यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 बिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसंची

भूमि और मकान "दुन्द्वान" सं० 48, नुंगम्बाक्कम् है रोड, मद्रास-34, थीमण्डलैड्स/लेख सं० 570/85

> ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षीय स**हायक** आयकर आएक्द) अर्जैन रेंज⊶ , मद्रास

दिनांक: 6-8-1986

## भक्ष भाष<sup>्</sup>. टी., प्रम<sub>ा</sub> प्रस्<sub>ानसम्बद्धान</sub>

जासकार जीधनियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) की जानीन सुचना

### प्रार्थ प्रका

## कार्यालय, सहायक आवकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रात, दिनांक 6 अगस्त 1986

्रितंश मं० 3/दिसम्बर 1985---अतः मुझे, श्री ए० आर०

रेड्डी, बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके एक्टलम् 'लक्त विधिनयम्' कहा गया हैं). की धारा 269-भ के वभीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह किस्तार करने या कारण हैं कि स्थावर समर्पीत, विभाग ने गा नामा म

1,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रांर जियकी सं० 24, हैं जो जालेंग् जोड़, महाल-उ में स्थित हैं (श्रांर इसके अनुबन्ध में श्रांर पूर्ण रूप वर्णित हैं), र्यालट्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, यौरान्डलैंड्य लेख सं० 583/85, में भारतीय रिजिस्ट्रीजरण अधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिसांक तिरम्बल 1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम को दश्यगान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का बरण है के यथापूर्वोंबत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से एसे एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ंक) अन्तरण संझुदं किसी आय की सम्बद्ध, जनत अभिनियम के अभीम कर दोने की अम्तरक से स्वित्य में कमी करचे या उससे भवने में स्वीवधा औ सिक्; श्रीर/या
- (का) एंसी किसी बास वा फिसी अन या बन्य अगिन्तयां करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घर-कर अधिनियम, या घर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिल्याने हों के किया अधिक किया किया जाना चाहिए था, रिल्याने हों के किया और निर्माह की निर्मा

शकः सभ, उत्तत विधिनवय की धारा 269-न के कन्सरण हो, में उत्तत जिल्लामियम की धारा 269-ण की सपधारा (1) के बभीन जिल्लामियम स्वीत्रता, अभीत उ (1) मन्तर्भ अपेकत तत्त्वद्रवणतम् ।

(अन्तरक)

(2) में भी पश्चिष्ठिया रोधन एस्टेट्स

(अन्तरिती )

को मृह स्थान। अपती कापको पृथीयत संपरित वी वर्षन के सिध् कार्यवाहित्य कारता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप क-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद को समाप्त होती हो. के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स फिसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उच्न स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा मकोंगे।

स्पक्तीकरणः क्यान्त अस्ता अस्य वर्षा का, को सक्त कोधनियम के वस्ताय 20-क में परिश्लाविक भूरी, वहाँ अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया सन्दर्भन

अनुसूची

भूमि और माजार 24 कालेज रोड, पदाल—6 थांसान्ड-लैंड्य/लेखा सं० 583/85

> ए० आर० रेड्डी ंक्षम प्राधिकारी (विर्यक्षिण सहायक आयक्य **प्रायुक्त**) प्रजैन रेज**-II, मद्रा**स

विनारि : 6—8—1986

# प्ररूप नाइ े टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज $-\Pi$ , मद्रास मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1986

निदेश मं० 4/दिसम्बर 1985—-अत: मुझे, श्री ए० श्रार० रेड्डी,

बाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीण चित्रकी सं० 24, कालेज रोड, मद्राम है, जो में स्थित है (श्रीर इसके अनुबन्ध में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रिल्स्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाँसन्डलैंट्स लिख सं० 583/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 या 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985,

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिकित में जास्तिय कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) छोती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मेसर्स पद्मिया रीयल एस्टेटस

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए आ सकोंगे।

स्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ इंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रौर मकान- -24, कालेज रोड, मद्रास-6 थीसण्ड लैट्स/लेख सं० 583/85 ।

ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त) अर्जन रेंज⊶II, मद्रास−6

दिनांक : 7-8-1986

## प्रस्य आहें ही एन एस .----

सप्ताहर क्षिपिनगर, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के संपीत स्वना

#### म प्राप्त संरक्षण

# क्षांधिक, सहायक जानकर बायुक्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंज−II, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1986 निदेश सं० 4/दिसम्बर 1985— अतः मुझे, श्री ए० थार०

रेड्डी, शियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ह के अधीन सञ्जय प्राधिकारी जो, यह विश्वत लरने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्थ

1,00,000/- रु. में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० कृषि खेती 49, सोमन्जेरी, गांव हैं, जो कोवलत पंजायत में स्थित हैं (श्रीर इसके अनुबन्ध में श्रीर पूर्ण खप वर्णि। हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरू-एपोइन्ए लेख सं० 2773/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास कर्म का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का जिसत माजार मूल्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तब पावा गया प्रतिक्षा, निम्निनिचित्त जर्दकेश्य से उस्त जंतरम जिसित में नास्त-विक स्पास कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्बरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त धीव-नियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष् बार/मा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा खे किए;

जरा. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वी० बी० कोठियन्

(अन्तरक')

(2) श्रीमती सूबैदा बेगम (पार्टनर) बिफा कामेंस (গ্ৰন্দিনী)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

नत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तार्गेक में 4.5 दिन की वंदिंग या तत्वम्बून्सी व्यक्तियाँ देव कुल्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स स्थानितयों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (ज) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की हारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिलान बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्स्ची

कृषि **खेती ---49** सोमांजरी गांव, कोवलम पंचायत, कोवलेम्/तिरूपोरूर/लेख सं० 2773/85 ।

> ए० आर० रेड्डी यक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक आयक्त अर्जन रेंज⊸II, सद्रास⊸6

दिनांक : 6-8-1986

मोहर

# प्रकृत कार्याः, टाँ । एम् ॥ एस् ।-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-व (1) के अभीन स्वरा

# कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज--11, मद्रात

मद्रास, विकास ७ अगस्त 1986

निदेश सं० 11/दिवस्थर 1985—-प्रवः मुझे, श्री ए० आर० रेड्डी,

भायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हो), की भारा 269- के अर्थार राष्ट्राम प्रिकारों जो, यह विकास करने का कारण ही कि स्थानर सम्भाति, जिसका उनिया बाजार मृष्य 1,00,000/- रहा सं अधिक ही

स्रीम जि.की सं० 4, विषयमगर्यायमं, भोड, रिकार म्हेट है. जो टी० नगर मद्रायमगर में स्थित है (क्री १४को अमुबन्ध में स्थार पूर्ण रूप वर्णि। है), एजिंग्ड्रीकर्ता अधिकार के कायित्वम, मद्राय बीकण /३।३१/८० में आपतीय १ स्ट्रिंग् नरण अधितियम, 1908 (1908 मा १६) द अधीन, वियोग दिसम्बर 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित शजार मूल्य संक्रम के दश्यमान विप्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया क्या है:---

- (क) बालरण सं हुई थियों बाव की बावल, उक्स बाधियबंध के बधीन कर बने के बन्तुहक बी बाबिस्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन मा अन्य आस्तिया की जिन्ही भारतीय अध्य-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) सी उच्च अभिनियम, या बन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकृत नहीं किया बया था वा किया जाना थाहिए था, कियाने में मुश्चिमा के जिए;

अतः अबः, उक्तः अधिरियम की धारा 269 ग के अन्सरण मों, मों. उक्तः अधिनियम की धारा 269 ध की उपधारा (1) के अधीरा, विश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री एस० आर० श्वानम

(अन्तर्क)

(2) कुपारी एम० भानुप्रिया ।

(अन्तरिनी )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्ष सम्पोस के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि ल्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस य 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी जन्य स्थापत द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्क विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रश्नी होतेग को उप अध्याप में दिया। गुसा है।

## अनुसूची

भूमि श्रीर महात —-4, विजयरागवायारी रोड—I कास स्ट्रीट,  $\vec{c}$ ि नगर महात-17 दक्षिण महात-लेख सं० 3681/ 1985 ।

ए० आप० रेड्डो पक्षम प्राधिनारी, तिरीक्षीय यहायाः आयगर आयुक्त अर्जन रेज-11, मद्रार

दिनां : 6-8-86

अरूम बाहं. टी. एन. एन.-----

# जायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की ार 269-ए (1) जे अधीन सूचना

# भारत सरकार कावासक, **सहाय**क जायकार बाएक्ट (निरोक्तक)

ार्जन नेश-मा पहर .

महांस, १७७० ७ अन्त १९८७

मिदेश सं० 15/विश्वयाः 1985~ - ६१: मृझे, श्री गु००। ८० रेड्डी,

षायकर जी। नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के अधीन मक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जि.की सं० 9, पण्युम मुदली स्ट्राट, प्यपेट्टा है, जो मद्राय-14 में स्थित है (श्रीर इसके बनुबन्ध में ग्रीप पूर्ण रूप में विश्वत है (श्रीर इसके बनुबन्ध में ग्रीप पूर्ण रूप में विश्वत है), पिपस्ट्री तो अग्रतीय पिएस्ट्री तरण अहिए यम, निक्ता के 1221/85 में ग्रास्तीय पिएस्ट्री तरण अहिए यम, 1993 (1993 रा. 13) र ते ग्रीन, विश्वीत विश्वत में कम के स्वयात प्राक्षक में लिए बन्तिस्त की गर्द है अहि मध्ये यह विश्वत को मर्द है अहि मध्ये यह विश्वत कर्मा कर्म के व्यवतात कर्म के व्यवतात की गर्द है अहि मध्ये यह विश्वतात करात के कराया है कि मध्या विवत संपर्धित की गर्द विश्वत कराया कराया स्वया अग्रत कराया की विश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित। (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक प निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उत्तत अधि-विस्था की ब्रुचीय कार बन की अस्तरक की दासिएन सी असी करते का असी उकने की स्विधा के किसी; करिश्वा

अत: अब:, उन्तर अधिनियम को धारा 269 म के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वरी उपधारा (1) े अधीर, निम्निलिखित चिक्तियों, अर्थात् — (1) श्रो के० श्रीमिवासन ।

(अन्तरक)

(2) शोमती धभुना बाय देवजी अपर

(अन्तरिती)

का यह सूचना वाती करतं वृशास्त सम्मात्ति के बर्चन के लिए कारवात्हिया शुरू करता हूं।

# उक्त सम्मारित के सर्वन के सम्मन्य में केंद्र<sup>4</sup> श्री साम्रोप ह—

- (क) इस सूचना को राजस्य में एकासन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सकरन्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविध, को भी वविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 वित के भीतर उक्त स्भावर संपत्ति में हित-देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के राज निष्ठत में निष्ठ का बक्ति।

स्थान के स्थाप के स्थाप के अध्यास के स्थाप के स्याप के स्थाप के स

# अनुसूची

भूमि प्रौर नकात सं० 9, षण्मुग मुदली स्ट्रीट, रायपेट्टा, मद्रास 14, मद्राप्त सेण्ट्रल/लेख सं० 1221/85।

> ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज-II, मद्राम-6

दिनांक: 7-8-1986

प्रक्ष वार्ड.टी.एन.एस.------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) से वधीन स्थना

### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आध्कत (निरीक्षण) अर्जन रेज $-\Pi$ , मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1986

निदेश सं० 5/दिसम्बर 1985--अत: मुझे, श्री ए० आर० रेड्डी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीभकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

1,00,000/- स्ट. स आधक हुँ
ग्रांद जिसकी सं० 811, श्रण्णा भाने, है, जो मद्रास-2 में स्थित
है (श्रांद इसके अनुबन्ध में श्रोंच पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, थांसण्ड लैठ्प निख सं० 605/
85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधील, दिनांक दिसम्बर 1985,

को प्वानित सम्बन्धि के उचित् वाकार मून्य से क्या के ज्यावान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर् हैं और असे यह विश्वास करने का कारण हैं कि नवान्योंक कम्मित का उचित वाकार मृत्य, इसके क्याना प्रतिकल से होते क्यावान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकृत से गीमक हैं और अन्तरक (जंतरकों) और जन्तरिती (जन्मरितियों) के बीच होते जन्तरय के जिल् हव पाना कम्प प्रतिकल, निम्नविधित उद्योक्ष से क्या क्याइन जिल्ला में वास्तविक क्या से क्याद नहीं क्या नवा है हिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाववा, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में तृषिभा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ैं, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) े अर्थान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) मेसर्स कम्मुडियार्स शापिग नेण्टर सूदाकरा श्रीर रामैया)

(अन्तरकः)

(2) श्री विक्रम ए० जोगनी ।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्कान के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मव्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छी रण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रां'र मकान --81, श्रण्णा शालै, मद्रास-2 तीसन्डलैलेस लेख सं० 605/85।

> ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी,¶ निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज-म, मद्रास-6

विनांक : 7~8-1986

प्रकप **भाष**्य हो , एष , ए**स**्नक्ता

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्क (निरीक्तण) अर्जन राष्ट्र-11, मधास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1986

निदेण सं० 17/दिसम्बर 1985---अत: मुझे, श्री ए० आर० रेड्डी,

जायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृस्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि खेती कोट्टकरम मेवलूर गांव, है, जो श्रीपरम्नुदर में स्थित है (श्रीर इसके अनुबन्ध में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, मद्रास, उत्तर लेख सं० 3601/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाए बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गवा प्रतिकल निम्निचित उद्वेषय से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गथा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बावत, डक्त नियम को अधीन कर दोने को बन्तरक को दावित्व को कमी करने या उससे बचने में स्विधा को किए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उक्त वीधीनमत्र की धारा 269-व के बनुसरक कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की क्पधारा (1) के बधीन, निम्नीनिवत स्पीतकयों, अध्येत् द्रान्त (1) श्री कें उमापति णिवम्

(अन्स्रक्)

(2) श्री बद्रीमाथम श्रीर अन्यों।

(अन्ति रती )

को बहु सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्धन के लिए कार्ववाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी कविध भाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति या मों से किसी व्यक्ति य्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी मन्त्र व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास निवित में किए जा तकोंगे।

रचक्किरणं:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कका हैं।

### नगराची

कृषि खेती कोट्टकरम श्रीर मेवलूर गांव, श्री पेरम्बुदूर तालुक मद्रास उत्तर/लेख सं० 36011/85 ।

> ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहाय आयकर आयुक्त अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 7-8-1986

प्रस्य पार्व ती एन तम ...

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स(1) के वर्षीय सुसना

### भारत तस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-मा, महारः

मद्रास, दिनां र अगस्त 1986

मिदेश सं० १८/दिसम्बर 1985---अ**तः** मृझे. श्री ए० आर० रेड्डी,

शायकर किनियंग, 1961 (1965 का 13) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास राजने दा कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० ७ए, टी० एंक्रस० सं० 7 2, जब हरलाल नेहरू स्ट्रीट है, जो पांडिचेरी में स्थित है (श्रीण इसके अनुबन्ध में स्थित है), रिजरट्रीकर्ती अधि हारी के हामित्र, पांडिचेरी लेख सं० 3012/85 में भारती र पिएट्रीड ए कि नियम, 1908 (1908 जा 10) के अधील, दि और कि एक 1985,

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाधता अन्त बिधिया के अधीम का ६४ के धनगरक के दावित्व में कमी बचक का प्रत्य करता के स्विध्य के लिए: बारि/का
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें अयोजनार्थ अन्तिराही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था प्रा किया जाना नाहिए २० विनाम के परिवास असी के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) े बधीर, रिक्लिकिट करिक्तकें. कर्मार हरू (1) श्री अर० जन्तानहप्णन चेट्टियार

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीं नीनादेवी ।

(अन्तरिती)

की यह सुमना धारी करने प्रशेवत सम्पत्ति के वर्षन के लिए जार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्पन्ति के अर्गत के सम्बन्ध में कोर्ट भी वाक्षेप :--

- ्या स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अधिवारों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- ि । १८०० होता के सक्यत हो एकासन की तारोब से बुक्त हैन्द्र के हीता उत्तर स्थायण सम्पत्ति में हितवद्रश्र हिंद १८०० होता द्वार प्रशादनगुझरी की पास

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

# **ज**नस्**धीं**

भूमि ऋौर मकान (हिस्सा)-6ए, जवाहरलाल नेहरू स्ट्रीट, पांडिचेरी, पांडिचेरी लिख सं० 3012/85।

ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज $-I^I$ , मद्रास

दिनांक: 7-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सुरक्ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्राम मद्राम, दिलांक 4 अगस्त 1986 भिदेण सं० 1 दिसम्बर 1985---अत: मुझे, आर० जानकीरामन,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राको परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा नवा ह"), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थाव्य सन्पत्ति, जिसका जीवत बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. सं अभिक ह"

स्रोर जिसकी सं० डोर सं० 18 है, जो गिल झिस्ट एवेन्यू हॉरिंगटम रोड, चेटपेट मद्रास-31 में स्थित है (श्रीर इसके अनुबन्ध में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस सं० 1441/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिसम्बर 1985

को पूर्वोचल सम्पत्ति को अभित बाजार मूल्म से कम के क्ष्मिमान अतिका के जिए अंतरित की नई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि अधावृत्रोंचल सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूट्स, उसके कावमान पितकल से, एसे क्षमान प्रतिकल का बन्दह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और बैत-प्रतिकाल के बिच एसे बंतरक अंतरकों निर्माण विकास विकास के सिक्त के अधिक के स्वत्रका में सिक्त तम पाना विकास के सिक्त के सिक

- (स) जंदरक से हुए कियाँ आप की बसाव, काय करिय-विषय के अपीन कर दोने के जंदरक के करियन में कही कहते हा क्याई क्याई में दृष्टिक के विह: वरि/या
- (क) कोनी किसी जाब या किसी धन या जन्य वास्तियों, का जिन्हें भारतीय नायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) जा जनत निधिनवन, वा धन-कर निधिनवन, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोक्तियों क्ष्मां अच्छ वहीं किया परा धा या किया अन्ति अहिंद्दी क्ष्मां अच्छ वहीं किया परा धी वा किया अन्ति अहिंद्दी या, क्षिमार्ग, यो वृत्तिधा के

मतः त्र उक्त विधिनिक्ष की धारा 269-म के वन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्ति में, अर्थात् :- - 15--226 GI/86

(1) श्री आरं० ाटराजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें ० तमिल मेलवी।

(अन्तरिती)

को वह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के निद् आर्थनाहियां गुरू करता हो ।

उक्त सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में केरह भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुवजा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिल के भीतर अक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनक्ष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमें की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बढ़ी कर्य होगा जो उस कथ्यात के दिवा गया है।
- (व) इस नृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 श्रांशियत के व्यक्ति कर दीने के वस्तहरू वे किशी काम क्रांत्रित प्रवास अभोहस्ताकारी के पाव शिक्ति में किए का सकींगै।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं हैं, बहुरी कर्च होंगा को उस अध्याय में विदा गढ़ा हैं।

# सरवर्धी

भूमि और महान द्वीर सं 18, गिल झिस्ट एवेन्यू, बेटपेट, मद्राम-31 ।

आर० जानकिरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास-6

दिमांक : 4-8-1986

# प्रकार बार्ग .टॉ.एग.एड. ------

# वासकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) को अभीन न(मना

# भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~1, मद्रास—6 मद्रास, दिनांक 25 जुलाई 1986 निदेश सं० 2∤दिसम्बर 1985—अतः मुझे, आ**र०** जानकिरामन,

लायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसकें स्थले पर्यात 'ज़कर विधिनियम' कहा गया ही, की भाषा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विस्का उचित बाकार कृष्ण 1,00,000/- क. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० 28, तिष्तारायणा एवेन्यू, नियु आविड रोड, किलपाक मक्षास-10 में स्थित हैं (श्रीर इसके अनुबन्ध में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, पेरियभेट (इस सं० 1396/85) में भारतीय रजिस्ट्रीयरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक 4-12-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाह करने का कारण है कि बचाप्टोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का क्यू प्रतिपत ते जिपक है और अन्वरक (अन्तरकों) और अन्वरित (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्वरम के किए तब पाना पना प्रतिफल निम्नीसित उप्दोस्य से उनक बन्तरक कि किए ते वास्तर में बास्तिक रूप ते कवित वहीं किया पना है है

- (क) नगरण ते हुई किसी नाव की नावस स्वत्त व्यक्तियन के अधीन कर दोने के अग्तरक में दायित्व में क्ष्मी करमें मा दससे रचने भी स्वित्तर में प्रिया, म्हार्थना
- (क) प्रेसी किसी आय या भन वा अस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर जीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, हा वन-कड अधिनियम, १९57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा अकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में स्विभा के किए;

सतः वन, उन्त अधिनियम की धारा 269-न नै अपृत्रस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निक्तिविक व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) 1. श्री चेवुकर प्रभाकर रेड्डी 2. श्री चि० रामचन्द्रा रेड्डी 3. श्री चि० प्रियमवद्रा रेड्डी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुम्ताज कबीर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्योत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उपस सम्मृतिक के बर्जन के स्थापन में कोई भी सामाप्त--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामां से 30 दिन की वनीध, को भी
सदिष नाद वें बनान्य होती हो, के कीतर पृथानय
स्थितरायों में की किसी स्वित्य द्वाराह

संस्थानिक प्रामितिक है।

(क) इ.स. स्थान के राजंपन औं ज़िकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर अनुस्ति स्थान के क्षित में दिवसूच किसी अन्य स्थानित स्थाप अन्य स्थाप के बास जिस्सा में किस से किस सा स्थाप के उन्हें के उन्हें कि उन्हें के उन्हों के उन

रपक्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शर्कों नीर्पपदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्यार 20 के में यथा परिमाणित ही, वहीं अर्थ होगी, जो उस अध्याय में

# अनुसुची

भूमि श्रौर मकान ——डोर सं० 28, तिक्तारायणा एवेन्यू न्यू आविडि रोड, किलपाक, मद्रास—10 ।

> आर० जानिकरामन मक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

दिनांक : 25-7-1986

# दरूप बाइ' टी व्यप एस -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ज्योग स्वना

# भारत बहुकार

# कार्याज्ञ, सहायक मायकर माय्क्त (निरक्षिन)

अर्जन रें ज-1, मद्रास--6 मद्राम, दिनांक 28 जुलाई 1986

निदेश सं० 3/दिसम्बर/1985—अतः मुझे, आर० जानकिरामन,

नाभकर अभिनियम 1981 (1961 का 43) (चिर्च इसर्ज इस्को वस्थात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया ही, की भारत 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का काइन ही कि स्वावद सम्पत्ति विक्रका उपित वाकार सूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिनकी सं ा, राजरितिशम स्ट्रीट, किलपाक, मद्रास-10 में स्थित है (ग्रीर इसके अनुबन्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस सं 1424/85) में भाग्तीय रिजर्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन, दिशांक 11-12-1985

प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर कृत्य, उसके दूरगमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिजक स्प स किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अध्यापम से द्वार्य किया मान की बावक, समस्य बाजिन निवन की अधीन कर दोने की अध्यादक को वासिएन को कमी करने या उनके बाजने को वृतिका को तिए; बीड/बा
- (क) द्वी किसी नाम ना किसी थन ना अन्य सारितकों को जिन्हों भारतीय सामकार निर्मानकन, 1922 (1922 का 11) का अनत निर्मानकन, ना फनका सामितिकन, ना फनका सामितिकन, ना प्रतिकार सामितिकन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्मीरिती ब्वारा प्रकट नहीं किना त्या का या कियाने के स्विका के सिर्देश की सामित्र की सिर्देश की सिर्देश

अत: अब, उत्रत अधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उत्रत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नास्थित व्यक्तियों अभीत् :-- (1) डाक्टर जी० आत्मरामा राव ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० राजरतिनम

(अन्तरिती )

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वया के राजपण में प्रकाशन का तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध जिस्ती जन्य व्यक्ति व्याप वभाहत्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकीने।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रोर मकान डोर सं० 1, राजरिक्षिम स्ट्रीट, किल्पाक, (दस सं० 1424/85) मद्रास-10 :

> आर० जानकिरामन मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1,मद्रास-6

दिनांक : 28-7-1986

# प्ररूप आहें, टी. एन. एसंड्रान्टरन

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास---6

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० 4/दिसम्बर/85—अतः मुझे, आर० जान-किरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 16/1 श्रांर 16/2 है, जो अम्मापेट, गांध लेलम टाउन में स्थित है (श्रीर इसके अनुबन्ध में श्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम ईस्ट (दम सं० 3748/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक 13-12-85,

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्पयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निकलिखित व्यक्तिकों. अथित ::—

- (1) श्रीमती पी० वी० सूब्बम्माल ग्रांर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री एस० राजमन्नार ग्रांर उनके भाई! (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुएका जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर मंकान (चिनीमा टाकीस) अम्मापेट, सेलम टाउन (दस सं० 3748/85)

आर० जानकीरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास--6

दिनांक : 31-7-86

माहरः

# अक्षत्र वार्ष्<sub>ट</sub>टी<u>. युव...</u> एका<u>त्र</u>्य

# नामकड निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वर्षीन सुवना शासा अवसर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम---6

मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1986

निदेण सं० 5/दिसम्बर/1985---अत: मुझे, आर० जानिकरामन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं डोर सं 162, गोविस्टप्प नायक्वन स्ट्रीट, मद्वास—1 में स्थित है (ग्रांग इसके अनुबन्ध में ग्रांग पूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीजर्ता अधिकारों के कार्यालय, संकारपेट (इस सं 624/85) में भार्श्ताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985, को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित याजार मृन्य स कम के दिसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विक्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिका (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से किश्व नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबस, उच्या अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा वी खिए; बार/वा
- (क) एसी किसी जाब या किसी धन या जन्य जास्त्या को, जिन्हें जारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बता: वंब, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ को वनसरभ कों, भीं, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) क संधीन, निम्नीनिवित व्यक्तियों, संधीन क्र-- (1) श्रीमती जमुना भाई।

(अन्सरक)

(2) श्री मूलचन्द कोतारी श्रीर 4 अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के विष कार्यवाहियां करता हुं।

एक्स संपत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी बालांच ु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की वविध या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर स्वापत की ताणील से 30 दिन की कविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्य किमी अन्य अधित व्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकेंगे

स्वयः किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर वदा का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में विदा गया है।

# ननुसूची

भूमि ग्रीर मकान-डोर सं० 162, गोविन्दप्प नायक्कम स्ट्रीट, मक्रास-1 (दस सं० 624/85)

> आर० जानकिरामन सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, सब्रास-6

दिनांक : 5-8-1986

धक्य बाह् दो प्राप्त ।-----

नाय्क्ट निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन स्थान

भारत चरका

# कार्यासन्, बहारक गायकार नाम्कत (निहुतिका)

अर्जन रेंग-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाव, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4648/॥/86-87-अत: मुझे, ए० के० सिह्ना,

कावकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वृष्णात् 'उन्त अणिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उन्तित भाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन श्रीर मकान स० नं० 620/622-2/ है तथा जो 622-7/627-पी अड़ौदा कस्बा, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई का 16) के अधीन, दिनांक 24-1-86,

को पूर्वोक्त स्व्यक्ति के उचित बाजार मुख्य से कम हो क्यायान् प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यभान प्रतिकल से, एसे रश्यमान प्रतिकल का बलाइ प्रतिचत से अधिक है बीड बन्दरक (बन्दरकों) बीड बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया बवा प्रतिकल निकासिक्य उद्देश्य से उच्च बंदरण सिक्ति में भारतिकल कर से किया नहीं किया बवा है —

- हैंक) संबद्धन हो हुइए फिटी लाग की बावक, बनक व्यथितिवस के व्यथित कर दोने में जनसरक के वाजित्य में कभी करने वा उसने बचने में स्विधा के चिए; औट/मा
- [4] एती किसी बाद वा किसी धून वा बन्द आहिराकी की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उपत अधिनियम, वा धून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने से स्टिया के प्रीक्ष के प्रयोजनार्थ कर्या काना चाहिए था, छिपाने से स्टिया के प्रीक्ष के प्रयोजनार्थ कर्या काना चाहिए था, छिपाने से स्टिया के प्रीक्ष होता.

(1) मे० पौशाक लिमिटेंड, अलोम्पक रोड, बडौदा

(मन्तरक)

((2) मे० पराम लिमिटेड, उद्योग मन्दिर सं० 1 महिम यम्बई-16

(अन्तरिती)

का वह सूचना चाड़ी कहन पूर्वोच्छ संपरित के अवंत वो सिख् कार्यवाहियां शुरू करता हों।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की स्वीध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सार्धित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावत व्यादा, नथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ सकीने।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयूक्त शक्यों भार पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में दिया गया ही।

# भनुसूची

37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 2-1-86 से पेश किया गया है ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

नेता अब स्था निमानन की भाष 269-ग के नन्सरश ने, में, कच्छ प्रिशीननम की पास 269-त की उपभास है।} ने भीत, जिल्लानिक व्यक्तियों, नर्भात ह—

दिनांक : 1-8-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेण सं० पी० अग्र० सं० 4649/॥/86-87--अतः मुझे, ए० के० सिक्का,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० आर० एग० सं० 308-1, बाबाजीपुरा, है; तथा जो बड़ोंदा में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीनती अधिकारी के कार्यालय, बड़ोबा में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-2-88,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एमे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सक्त अधिमियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री चन्दुलाल मोहमलाल धांकी कोखण्डी , वाडी, बढीदा ।

(अन्तरक)

(2) कानम प्रदेश पाटीदार सेवा समाज प्रमुख श्री चुनीभायी थीटाभाई पटेल रेसकोसँ, यहाँका।

(अन्तरिसी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तारसम्बन्धी म्यक्तियाँ पर स्त्रान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में दितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्याप अभोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उच्छ अधिय नियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### जनसची

मिलकत जो **बाबाजीपुरा, बड़ोदा में स्थित है जिसकी सब-**दील किमत 8,48,450/- रुपए हैं। स**ब रजिस्ट्रार, बड़ीदा में** दिनांक 24-2-86 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी; महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-॥, अञ्चनदाबाद

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारार (1) के अधीन, निम्निजिसित स्थितियों, अर्थात् —

दिनांक : 1-8-86

# प्रकर कार्य 🗗 टर्ड ु एन . एवं .------

# बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) की अभीत स्वाना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांक 1 अगस्त 1986

मिदेश सं० पी० आप्र० सं० 4650/II/86—87——अतः भूकों, ए० के भू सिंहा

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभ्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृस्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० रोड सं० 292, जी० आई० डी० सी० उमरगांव है तथा जो ि० बल गर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 37ईई का 16) के अधीम, दिनांक 9-4-86

का पर्धोकत अपनान के समित नाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिक्षल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण सं हुए कि.जी बाव की बावस, उपक विभिन्नम के वभीन कर दम्ने के बन्तरक के बाक्सिय में कही करने वा उत्तवे बचने में सुनिया के लिए; बीर/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जायकर जीभिनियम, 1922 (1922 की 11) या जकर अभिनियम, या भन-कर जीभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे निय;

(1) हिन्दुस्तान पेंसीहम प्रा० लि० 510 हिमालय हाउम, पाल्डन रोड, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) अप्तारा आर्ट मैटीरियल्स प्रा० लि० 510, हिमालय हाजस, पाल्टम रोड, बम्बई ।

(अन्तरिनी )

का ग्रह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्त्रव्यस्थी व्यक्तितमें वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रमीय मोद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्लित का किता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन हो तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकतें।

लिक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, को उक्त आयकर अधिनियम के अभ्यास 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना को उस स्थ्यास में दिन्ह । बा है।

# नगुजुनी

फोर्म सं० 37ईई जो यह कार्यालय में दिनांक 9-4-86 को पेश किया गया है।

> **ए**० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

कतः अब, उपत विधिनियम की भारा 269-व के अनुसरक मों, मों, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 1<del>--</del>8--1986

# प्रकल जा<u>र्च .दी .</u>एन <u>.एस . ------</u>----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

# भाइत बच्छार

# कार्गातव, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं०पी० आर० सं० 4651/II/86-87---अन: मुझे, ए० के० सिह्ना,

अग्रकर निर्मितमम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निर्मितम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० स. नं० 378 से 402, बड़ींदा क्सबा, है। तथा जो सयामीगंज, बड़ींदा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिभयम 37ईई का 16) के अधीन, दिनांक 2-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, विश्वासिक उद्वेश्य से उस्त बन्तरण निविक में बान्तर-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की, वाभत, स्वस्त अधिनियम के अभीन कर दोने के छोत्स्क के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एंसी किसी नाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुनिधा के निए:

अतः अरं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनूसरण धौ. मौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) कै अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----16—226'GI'86 (1) श्री विश्व कुमार सोमेश्वरपुरी गोस्वामी सोमनाथ मन्दिर । भाषाजी, बढ़ाँदा ।

(अन्तरक)

(2) ला, बिल्डे, कारपोरेशम, कुवेरभुवन, बजाज रोड, विले पारले (वेस्ट) बम्बई--56

(अन्तरिती)

भा वह सुचना वारी कर्ने पूर्वीवत संपृत्ति के वर्षन के जिए कार्यग्रहिमां गुरू करता हूं:

सक्त संपर्ति के अर्थन भी बंबंध वे कोर्ब भी कार्ये ३---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील वें 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास्त;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींने।

स्वत्वाचित्रण: - इसमें प्रमुक्त सक्यों शर पदों का, जो वक्त जिमियक, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो जस सध्याय में दिया गया ही।

# मन्सूत्री

37ईई का फोम यह कार्यालय में दिनांक 2-1-86 को पेश किया गया है  $\cdot$ 

ए० के० सि**ह्ना** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरो**क्षण**), अर्जन रेंज्—II, अहमदाबाद

दिनां कः 1-8-1986

प्ररूप आर्हा टी.एन.एस.-----

धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

# भाषात्म, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाध अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1986

**मिदोग सं० पी० आप० सं०** 4651/11/86--87--- अत: **मर्से**, ए० के० रिन्हा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रींग विश्वकी मं० जमीन घोड़दीड़ रोड, अम्बा लाईन्स, है। स्या जो सूरत में स्थित है (श्रीर इस्मे प्रपाबढ़ अनुसुची में ग्रींस पूर्ण रूप में दिणा है), प्रविस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में प्रविस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिसाँ हे 24 फरवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिकाँ) के बीज एसि अन्तर्भ के लिए लग पारा गरा प्रकिष्ण न, निम्निलिसित उद्देश्य से उथा अन्तर्भ विकित में बारविका कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां स्त्रो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विध्य के लिए;

(1) श्री अन्यस्तलाल २णछोड्दास एण्ड अन्य बेगमपुरा, सूरत ।

(अन्डःका)

(2) मे० एम० एरा० कारपोरेशत द्वारा जी० एम० गणाला, त्रिवेणी अपार्टमेंट, नातपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य्वाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप 🤝 🗕

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की नविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थावित या में से किसी स्थावित ब्वारा;
- (स) इस सूचना क राज्यत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यायत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्थष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अब होगा को उस अध्याय में दिया गरुग है।

## अनुसूची

37ईई का फार्म यह कार्यास्थ्य में दिनांक 24-2-86 को पेश किया गया है ।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी राह्यबर्व आयक्षर आवृक्षः (रिरोक्षणः) अर्जन रेंध-मा, अहमदाबाद,

इत: अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिधित व्यक्तियों, अधीन :---

दिनांक 4<del>-8-</del>1986

# प्रक्ष वाद ती.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांक 4 अगस्त 1986

मिदेश सं० पी० आप० नं० 4653/Ⅱ/86-87--- अतः मझे ए० के० सिन्हा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं उद्भान नं 8, वार्ड नं 3, नोंघ नं 2886/ बी-2, बी-3 है, तथा जो सूरा में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है),रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याच्य, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर हारीख 6-1-1986,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अशिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे बतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण सिवित में बास्तविक रूप से क्थित नहीं किया वया है 4—

- (क) वंतरक से हुई किसी बाय की नावत, उक्त अभि-पियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; सार/वा
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

कतः अब, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कु अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात् म्न--

- (1) मनीष कारपोरेशन, ट्रेड हाउस, रिग रोड, सूरत । (अन्तरक)
- (2) मैं । प्रियदर्शनी प्राप » झैनुदीन एम । दीवान, अम्बा-लाइन्स, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचनर के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान जो सूरत में स्थित है जो सब रिजस्ट्रार, लूरत में 175 नं० पर दिनांक 6-1-1986 को रिजस्टर्ड की गई है।

> ए०के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; अहमदाबाष

तारीख: 4-8-1986

# प्रक्य बाई, टी. एन, एवं, -----

# जायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4654/II/86-87-- अत: मुझे, ए०के० सिन्हा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं कार्य नं 261/2, भीमपुरा, दमन है, तथा जो दमन में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दमन में रिजस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-86 तथा 7-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नावतः, उक्त विधानियम की अधीन कार बोने को जन्तरक के स्वित्य में कमी करने या उससे विधाने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः नव, उक्त किथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक को, जो, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री णांतीलाल भंवर लाल णाह, वीर सावरकर मार्ग, महिम, बम्बई-16

(अन्तरक)

(2) परेमाशील आटो प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, वार्डन रोड अम्बई-26

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वम्त्वी

जमीन जो भीमपुरा, दमन में स्थित है। सब राजस्ट्रार, दमन में 5-2-1986 प्रार 7-2-1986 को राजस्टर्ड की गई है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4-8-1986

धरूप बार्च । टी. एन. एस. -----

# नायकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व ((1) के अभीन सूत्रमा

# बारत सरकार

# कार्यासय,- सहायक जायकर आयुक्त (विरक्षिक) अर्जनरें ज, अक्षमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निदेश सं०पी० आर० नं० 4655/II/ 86-87---अत: मुझे, ए० के० सिन्हा,

बायकर बरंभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है 'कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य रा. 1,00,000/- से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मिल्कत सूरत, मजूरा वार्ड भीर सर्वे हैं तथा जो नं० 194, वार्ड नं० 13, सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यात करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नितियाँ उद्देश्य से उक्त बंतरण जिल्हा में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गमा हैं:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खबित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्त्रियी द्वाप प्रकट नहीं किया गया या वा किया थाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के निए;

क्तः भव, उक्त वर्षिनियम की भाग 269-ग की वन्तरण को, को, उक्त विभिनियम की भाग 269-थ की उपभाग (1) को अधीन, निकासिक्त व्यक्तियों, ब्रथ्सि क्र-

- (1) श्री नानूभाई भाष्यभाई माली, संग्रामपुरा, सूरत (अस्तरक)
- (2) मैं अार व्हीं सन, भागीदार-नितिन कुमार रती-लाल, अम्बा लाइन्स, सूरत ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं है.

उक्त सम्पत्ति के अर्थन को संबंध में को**ई** भी काखेप **ट**—

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वाचिष बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी सन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंचे।

स्वकाकरणः ----इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्र ।

मिल्क्त जो, सूरत, मजुरा वार्ड में स्थित है जिसका रिजस्ट्रेंशन नं॰ 1796 घौर रिजस्टर्ड विनांक 25-2-1986 है जो सूरत में रिजस्टर्ड की गई है।

> ए०के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-II रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 4-8-1986

# प्रकम कार्युः हो <u>. एक . एक त</u> अन्तर-अन्यक्तराहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) चैं वधीन सूचका

# शाइत वरवहर

# कार्यांचय, सहायक जायकर जाय्यक (निर्माण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० नं०  $465 \epsilon/II/86-87$ —अतः मझे, ए० के० सिन्हा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ियसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका अधित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

माँद जिसकी संव बंगला नंव 60, सुगम कांव्यों व हाउसिंग सोसाइटी सूरत है तथा जो रांद रे रोड, सूरत में स्थित है (ग्रींग इमसे उपाबड़ अनुभूची में ग्रींग पूर्ण क्य से विणित है), रिपस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,सूरत में रिपस्ट्रीदरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-2-1986

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाचार बूक्य, ससके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रवमान प्रतिक्व का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गयां प्रति-पल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धहरू से मुद्द कियों बाद की वायद त बन्ध वर्ष्ट्रियम्ब के स्थीन कर दोने के बन्धरक के वायित्य के कही सहते था उद्देश करने में कृषिका के बिए: वर्ष्ट्रिया
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

(1) निरंजना सरन बाबूभाई पारिख, बम्बई ।

(अन्सरक)

(2) श्री बसन्त लाल ईववर लाल श्रीफ 60, गुगम सोसाइटी रविरे रोड, सुरता।

(अन्तरिती)

को वह सूचवा चारी करके प्योंच्छ स्वारित में वर्षन में दिए कार्यगित्वां करता हो।

वन्त कमरित के वर्षन के तुम्बुन्ध के कोई ही बाक्षेप्:---

- (क) इस बुवना के राजपन के प्रकारण की शा<u>र</u>ीय में 45 विन की नगीन ना राखनियों क्वितिकों पर सूचना की शानील से 30 दिन की नगीन, जो भी नगीन बाद में नगान होती हो, से मीतर प्रांकत व्यक्तियों में से जिली क्वित हुमारा;
- (वें) वर्ष चूंचना के राज्यभ को अकार्यक की तारीचा के 45 विन के भीतर उच्च स्थापर सम्पन्ति में द्वित-बहुम किसी अन्य व्यक्ति हुनारा, अधोहस्ताक्षत्री के पास निविश्व को किसे का दक्षींचे।

रचन्द्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्दों और नदों का, को उपस समितिनम को सम्बाद 20-क में परिश्रामिख ही, यही सर्थ होना को उस सम्बाद में दिसा गया है।

# मनुस्ची

बंगला जो, सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 219 नं० पर दिनांक 10-2-1986 को रिजस्टिंग्ड किया गया है।

> ए०के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

नारीखा: 4-8-1986

मोहर:

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) मुहेअधीन, निम्नल्लिसत व्यक्तियाँ, अर्थात् ट—-

# बक्द बार्ट, ही. एन. एक.: ----

# बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-ए (1) के बधीन सूचना

# कार्यासय, सहायक भावकर नावृक्त (विरोक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 4 ग्रगस्त, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4657/।।/ 86-87--- ग्रसः मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इसमें वस्तात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित याजार मुख्य 1.00,000/- स्त. को अधिक हैं

भौर जिसकी सं० स० नं० 173, गुडू लाल, ता० वलसाड है तथा जो बनसाड में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती भिधकारी के कार्यालय, वलसाड में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, नारीख 2-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वत बाजार मूल्य से काम के क्रयमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्तास करने का कारण है कि यथाएगों क्से संपत्ति का उश्वत बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकाल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकाल का पत्द्रह प्रतिकात से निषक है नीउ बन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया नवा प्रतिकाल, निकासिवत उन्नवकों से अन्त जन्तरक लिवित से वास्तरिक कम से कलिए नहीं किया गया है

- (क) अन्तर्भ संदुर्ग किसी शाम की बान्द्र, समझ वाभिनियम से अभीन कर दोने से बन्तर्क के दासित्य में कती करने या उद्यश्चिमने में सुविधा के निरु, अदि/या
- (क) देशी किसी भाग वा किसी थन या अन्यू जास्तावों का जिन्हें भारतीय नाय-कार विधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत व्धितियम, या धन-कार विधितियम, या धन-कार विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया वा या किया वामा वाहिए था, कियान ये स्विधा के लिए;

वशः वयः, उपरा विभिनियमं की पादा 269-व के बगुबरमं में, में, उसर मधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) वे बधीर, निम्मीनियसं व्यक्तियों, स्थारि ए---

- (1) जितेन्द्र बाबू भाई देसाई, कैलाण रोड, बलसाड। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० नरेश इन्डस्ट्रीज, पार्टनर-श्रीमिन मजीसरन णामजोतरन शाह, हालर कासलेन, बसलसाड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उन्त त्रमति के वर्णन के तम्बर्थ में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वसिंध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी बन्द स्थावत द्वारा अभोहस्ताकरी के पाइ जिज्ञित में किए का सकेंगे।

# अनुसूची

जमोत जो पृष्टनाप में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बसलसार्ड में 9-10-86 नें० पर दिनांक 3-1-1986 को रिजस्टडं की गई है।

> ए०के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 4-8-1986

मोष्टर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, ग्रहमवाबाद

महमदाबाद, विनांकः 4 ग्रगस्त, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4658/॥/86-87— ग्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्ध 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं जिमीन सी एस नं 3749, है तथा जो भगवाबाद, बलसाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद श्रनुसुची में भीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 7-5-1986

को पूर्वेक्ष सम्पत्ति को जिनत बाजार मूल्य से कम को इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गवा विषक्त, निम्नलिखित उद्विदेश से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (इ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अप्तः ज्ञव, उक्त क्रिपिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्ति व्यक्तिक्ष्णें नर्धात ड़—- (1) मैं ० दिधेण कारपोरेशन, "मातृ पाक भगीनी समाज हालर रोड, बलसाड ।

ग्रन्तरक)

(2) श्री जनार्वन बाबूभाई देमाई, भावनगर, सोसाइटी, लीयल रोड, बलसाड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त धव्यों और क्यों का:, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जमीन जो बलसाड में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड में 595 नं पर 7-5-86 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए०के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रक्तन रेंज, श्रहमदाबाद

तारी**खा**: 4-8-1986

# 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के मभीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 4 भ्रगस्त, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4659/II/86-87--- ग्रन: मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार म्ल्य **1**,00.000 / - रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकी संव मकान नंव शारव एसव नंव 933, 1993-3, 1995-1 है तथा जो 199-2- सयाजीगंड, बडोदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता <mark>श्रधिकारी के कार्यातय, बड़ोदा में रजिस्</mark>ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1986 को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के के लिए।

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निति खित व्यक्तियों, अर्थाता :--

17-226GI/86

(1) श्रीमिन कमना लक्ष्मी सरन ईष्वर लाल सेठ कृष्णाक्ष्ज. स्रार्०सी०रोड,बड़ोदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्णा कारपोरेशन, सतीष छोटा भाई पटेल, जलमापूर, बडोदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्<del>च</del>नाके राजपत्र में प्रकाशन की **तारीब** सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गुचनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में **दिक** गया है।

# बन्सश्री

मिलका जो सपाजी गंज, बडोदा में विश्वत है जिसका सबडील का मृत्य 25,01,700रु० है। सब रजिस्ट्रार, बड़ोदा में 1359 न० पर फरवरी 86 को रिजस्टर्ड की गई है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

नारीख: 4-8-1986

# त्रकृत नार्षः, टी. १२ . स्तः ----

ক্রণেলং রুগিয়নির্মন, 1961 (1961 का 43) की পাতে 269-ম (1) আঁ লখীন মূজন।

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 ग्रगस्त, 1986

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 4660/11/86-87-- भनः मुझे, ए० के० सिन्हा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इनमें इसके पर्वताह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 3, सी० एस० न० 2157 (हिस्सा), 2158,  $\nabla U_1$ , 1158,  $\nabla U_2$ ,  $U_3$ ,  $U_4$ ,  $U_5$ ,  $U_6$ ,  $U_7$ ,  $U_7$ ,  $U_8$ ,  $U_8$ ,  $U_8$ ,  $U_8$ ,  $U_8$ ,  $U_9$ ,

को पृत्रों भत संपतित के उचित वाचार भूज्य सं कम के हण्या प्रमित कि वाचार भूज्य सं कम के हण्या प्रमित के का कारण है कि यथा पृत्रों कि संस्मित कः शिवत का कारण है कि यथा पृत्रों कि संस्मित कः शिवत वाचार मृत्य, उसके हच्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से विधिक है बार बन्तरक (अन्तरकाँ) वार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय वाया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वर्षिय से, उसत जन्तरण निकित में वास्तिवक रूप से कमित नहीं पाया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वसने में सृविधा के लिए; सौर/या
- (थ) ऐसी किसी जाय वा किसी पण या जन्य अस्तिवाँ
  के 175 जार के काम-कर किसी वमा, 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
  गण था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा की किस्त

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण े. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० संजीव बिल्डर्स प्रा० लि॰, कोडया श्रीर परमरा। पुरिया एन्टरप्राईजेज 351/2, मित्तल टावर्स, 'ए विभाग, नरीमान पाइण्ट, बभ्बई-400021

(भ्रन्तपक)

(2) मै० संजीव प्रिमायसेत्र को०श्राप० हा० सोसायटी लि०, मार्फत दिनेश भाई पंचेरीवाला, 211-ए, इण्डिया-टेक्सटाइल मार्काट, रिंग रोड, सुरत ।

(श्रन्तरिती)

(3) मै० केशव देव सिन्थेटिक्स और श्रन्य एथवार्भ। (वह व्यक्ति, जिसके बारेश्वधोहस्तक्षित जानता घह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह श्वना बारी कारने पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्णः के दिए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्नः सम्पत्ति के अर्थन के संग्रंभ में काई भी नाक्षप :----

- (क) प्रस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब की 45 विम् की अविध या तत्संवधी व्यक्तियों पर स्वान की वामील से 30 विन की अविध, वो भी वाबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवंकिल व्यक्तियों में से धिन्न स्वीक्त स्वीक्त स्वीक्त में से धिन से धिन से स्वीक्त स्वीक्त
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशक की तारीक से 45 दिन के भीतह उक्त स्थावत सम्मत्ति में हितवकृष किसी कम्म कवित स्थाय, वशोहस्ताकरी के पास मिकित में किए का ककेंगे।

स्वकाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त विभिनसम के वश्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्यास में विका वस है।

# भनुसूची

मिलकत जो सुरत में वार्ड नं० 3, स० नं० 2157 (हिस्सा) 2158 ए 10, 2158 ए डी, 2518 ए बी (हिस्सा) 2885 बी / 2, प्लाट नं० 2885 बी / 2, प्लाट नं० 2885 बी / 2, प्लाट नं० 4, पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 17564.58 बी० मीटरस । यह मिल्कत मैं संजीव बिल्डर्स प्रा० लि० जिसकी रजिस्ट क्राफिस बम्बई में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रेशन, सबर्राजस्ट्रार, सुरत में किया गया है।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाट

तारीख 8 8 - 1986 मोहर प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

कायकर वॉक्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा रेघ, पूरा

पूजा, दिवांच 17 मार्च 1986

िरदेंण सं० 37ईई/9426/85~86——अत: मुझो, असिन कारण-

धायकर भी धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसचे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्टास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार जूल्य

1,00,000/- रा. से अभिक हैं
श्रीर जिएकी जब्बा शाफिश न 28 दूसरा मंजिला वर्ध-मान मार्केट ज्लाट 10 75 सक्टा 17, श्री० बी० सी० बराई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसने उपादड अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप स विणत हैं), राजिन्द्रीय ती अधिकारी के बार्यालय सहायवा आयकर आयुक्त जिरीक्षण अर्जन रेज में, राजिम्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1976

को पूर्भोक्त सम्पर्कि के उचित बाजार मूला से काम के स्थमान प्रतिकः। के लिए अतिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल जिम्मिल हिंदा उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुंई किमी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अतरक के दायित्व मी कभी करन या उससे यजने मी सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1 नेस**सं वर्धमान कन्स्ट्रक्**शनन्स 40-41 विशास शापिग सेंटर, सी० एम० त्री० रोड, अंबरी (ई) धम्बई (अन्सर्क)
- 2 श्रो गुलाब हटिचन्द भगचनदानी पहला मंजिला, 7 स्ट्रालिंग सेंटर, एम० जी० रोड, पूजा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृषेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--(क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तामील से 30 दिन को उपीध, की की
अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर धूवींकत
ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवह अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, बादी अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया भया हैं:

# अनुमूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कर 37ईई/9426/85--86 जो जनवरो 86 को सहायक आयवार आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अभित कुमार सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरोक्षण) अर्जन रेंज, पूमा

दिनांक: 17-3-86

# MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

# (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)

# LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

### Mussoorie, the 13th August 1986

No. 2/8/85-EST.—In pursuance of Department of Personnel and Training, New Delhi letter No. 13014/1/86-TIN/AIS(III) dated 21st July 1986, Shri S. S. L. Trakroo, a permahent Senior Stenographer in the Lal Bahadur Shasti National Academy of Administration, Mussoorie, is appointed to the post of Private Secretary to Director (Group 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740 35-880-EB-40-960 with effect from 21st July 1986 (F.N.).

ANUPAM KULSHRESHTHA Dy. Director

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

# New Delhi-110 003, the 8th August 1986

No. 11/DD(A) CBI/86.—The Director CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Hansraj Bulbul as Office Superintendent in C.B.I. on promotion on regular basis with effect from 1st August 1986, until further orders.

# The 12th August 1986

No. A/19036/16/82/AD.V.—The services of Shii Karan Singh, Dy. Sundt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Himachal Pradesh State Police were placed at the disposal of Himachal Pradesh Government with effect from 31st July 1986 afternoon, on repatriation.

No. 3/36/86/AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Mohd. Abdul Karin, Dy. Sundt, of Police an officer of the Orissa Police to officiate as Dy. Sundt, of Police on deputation in C.B.I., Bhubaneswar with effect from the forenoon of 31st July 1986, until further orders.

D, P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-140003, the 11th August 1986

No. D.I.10/85-Estt.I.—The services of Shri C. L. Sharma, Assit. Condt. 4th Signal Battalion, CRPF, Neemuch are placed at the disposal of State Govt. of Haryana in the uftermoon of 5th August 1986, on deputation basis.

Dy. Director (Estt.)

# New Delhi-110 003, the 8th August 1986

No. O.II.2239/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Ajoy Kumar Sinha as General-II (Dy. Superintendent of Police/Company Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23rd July 1986 till further orders.

No. O.II.2240/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Jeevan Prakash Madan Gopal Agarwal as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Superintendent of Police/Combany Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 28th July 1986 till further orders.

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt.)

# DIRECTORATE OF COORDINATION

### (POLICE WIRELESS)

# New Delhi-3, the 12th August 1986

No. A-12012; 2/86-Admn.II.—The President is pleased to appoint S Shri T, K. G. Krishnau and B. S. R. Moorthy, normanent Assistant Directors to the post of Deputy Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in the scale of pay of Rs. 1,200—50—1600/- in officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st August 1986 until further orders.

B. K. DUBE Director Police Telecommunications

# DIRECTORATE GENERAL

# CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st August 1986

No. E-16014(2)/14/85-Pers.I.—On re-employment, Shri M. S. Aulakh has assumed charge of the post of Commandant, 1st Reserve Battalion, CISF Barwaha (MP) with effect from the forenoon of 21st July 1986.

### The 4th August 1986

No. F-16013(1) '4/86-Pers.I.—On appointment on deputation, Shri S. J. Barman, IPS (WB: 57) assumed the charge of the post of Inspector General, Fastern Sector, CISF, Calculta with effect from the afternoon of 14th July 1986.

No. F-32015(2)/6/86-Peral.—The President is pleased to appoint Shri P. P. John Alex, Asst. Commandant on promotion as Commandant, CISF Unit, FSTPP, Farakka with effect from the forenoon of 7th July 1986 on regular basis.

Sd./- ILLEGIBLE Director General/CISF

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 8th August 1986

No. 1599 CA I/498-84—On attaining the age of superannuation the following Asstt. Audit Officers (Commercial) have retired from the service from the dates noted against each —

SI Name of the official No.	Office where working	Date of Superannuation
S/Shrī 1. B. P. Srìvestava	AG (Audit-II) Uttar Pradesh,	31-5-1986 AN
2, M. P. Choudhary	Lucknow, MAB/DCA,	30-6-1986 AN
	Bombay.	

K. P. LAKSHMANA RAO, Asstt. Comptr. & AR. Genl. (Commercial)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I MAHARASHTRA

# Bombs y-20, the 21st July 1986

No. Admn. I/Audit/Genl/AO/1(1)/2—The Accountant General (Audit) I Mahatashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

SI, No.	Name	Date of Appointment as Audit Officer
1. Shri R, S 2. Shri M.		23-6-1986 F. N. 30-5-1986 F. N

H. SHUBHALAKSHMI NARAYANAN Sr. Dy. Accountant Goneral/Admn. 

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcut(5-700001, the 7th August 1986

No. Admn. 1-C/470/1321-22—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers (Gr.) 'B' in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from the date noted against each in the office of the Director of Audit, Central, Calcutta, until further orders:—

SI. Name Nc.	Date of assumption of change
1. Shri Santiram Chatterjee 2. Shri Sanjay Kr. Banerjee 3. Shri Ajit Kr. Bose-III 4. Shri Sanker Prasad Halder 5. Shri Sanat Kr. Biswas 6. Shri Himangshu Kr. Bhattacharyya 7. Shri Jadu Nath Guha 8. Shri Rajindra Nath Sarkar-II 9. Shri Sushil Ranjan Karmaker, 10. Shri Sujit Kr. Guha	26-2-1986 (F/N) 26-2-1986 (F/N) 29-5-1986 (F/N) 30-5-1986 (F/N) 30-5-1986 (F/N) 30-5-1986 (F/N) 30-5-1986 (F/N) 30-5-1986 (F/N) 30-5-1986 (F/N) 30-6-1986 (F/N)

# S. KRISHNAMURTHY, Dy. Director of Audit (Admn.)

### MINISTRY OF LABOUR

# DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 14th August 1986

# **CORRIGENDUM**

No. 45/33/82-Estt,—Reference this Directorate General's notification of even number dated 23rd July 1986.

The name of the officer may please be corrected to read as "Joseph M. Manobaran" instead of "Joseph S. Manobaran".

K. A. NARAYANAN Dy. Director (Adm.) for Director General

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

# (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 5th August 1986

No. A-31014/1/85/A-6—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following Officiating Assistant Inspecting Officers (Metallurgical—Chemical) substantively in the permanent posts of the Assitant Inspecting Officer (Metallurgical—Chemical) with effect from the dates noted against each:—

SI. Name of Officer No.	Date of confir- mation
S/Shri	
1. P. N. Mishra	09-07-1981
2. Mrs. J. P. Allenchery	01-02-1982
3. R. P. Sinba	06-02-1983
4, S. Anantanarayanan	21-09-1983
5. J. P. Sharma	01-12-1983
6. D. V. Asri	07-05-1985
7. C. Unikrishnan	07-05-1985

No. A-17011/71/74/A-6.—Shri G. C. Nag, permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection. Calcutta retired from service on the afternoon of 31st May 1986, on attaining the age of superagnuation.

R. P. SHAHI

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies and Disposals

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 11th August 1986

No. 5095B/A-1901J(1-MNV)/61/19A.—Shri M. N. Viswanatha, Geologist (Senior), Geological Survey of India retired voluntarily from tervices with effect from 16th January 1980 (AA).

A. KUSHARI Director (Personnel)

### INDIAN BURFAU OF MINES

Nagpur, the 11th August 1986

No. A,19012(226)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. Y. Kadeer, Senior Technical Assistant (Geo.), Indian Bureau of Mines has occup promoted to officiate in the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines w.e.f. the afternoon of 8th July 1986.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

### DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi, the 7th August 1986

No. A-12026/4/82-S.II.—Shri Satya Pal, Accounts Officer, Office of the Chief Controller of Accounts, Central Board of Direct Taxes, New Delhi is appointed on deputation basis as Accounts Officer in the pay scale of Rs. 840--1200 in the office of the Central Purchase and Stores, Doordarshan, New Delhi w.e.f. 1-7-1986 (FN) for a period of two years.

2. The pay and allowances of the officer will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. 10(24)E. III '60 dated 4-5-1961 as amended from time to time.

B. S. SANDHU Dy. Director of Administration for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 7th August 1986

No. 6/35 57-Est.1.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri M. S. Gangadhar, Permanent Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Cameraman (C.F.U.) in the same office with effect from 6th June 1986 (F.N.) until further orders vice Shri Buldev Khosla, Cameraman (CFU) retired from service with effect from 31-12-1985 (AN).

## The 12th August 1986

No. A-32014/4/84-RC.—The Chief Producer, Films, Division, has appointed Shri N. Viswanathan, Officiating Steno. Grade-I in Films Division, Bombay to officiate as Assistant Administrative Officer on ad-hoc basis in the same office in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 from the forenoon of 7th August 1986, until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

## MINISTRY OF AGRICULTURE

# (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 29th July 1986

No. F.2-2/84-Estt.I.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee Group 'B' of this Directorate.

Shri M. P. Singh, Senior Hindi Translator of the Department of Agriculture and Cooperation and officiating as Hindi Officer on an ad hoc basis in this Directorate is appointed to the same post on a regular basis, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 14th July 1986 for a period not exceeding 3 years or until further orders, whichever is earlier.

> R. G. BANERJEE Director of Administration

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION (RECRUITMENT SECTION)

Bombay-400085, the 1st August 1986

No. PA/79(19) /84-R-III/1659.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Mohammad Minhaj Rasool. Selection Grade Clerk in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in Bhabha Atomic Research Centre, Nuclear Research Laboratory, Srinagar, with effect from the forenoon of June 26. 1986 until further orders.

### The 4th August 1986

No. PA/79(19)/84-R-III/1660.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Arunachalam Pattabiraman, permanent Stenographer in Indica Gaudhi Centre for Atomic Pesearch, Kalpakkam to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in Bhabha Atomic Research Centre at Centre for Advanced Technology, Indore, with effect from the forenoon of July 21, 1986 until further orders.

> C. G. SUKUMARAN Dy. Establishment Officer

1

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 6th August 1986

Ref. DPS/2/1(3)/85-Adm./22466,—The Director, torate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jagannath Gopal Sathe, a permanent Assistant Accountant and an officiating Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 19-7-86 (FN) to 30-9-86 (AN) in the same Directorate,

> B. G. KULKARNI Administrative Officer

### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 8th August 1986

No. AMD-51(53)/85-Pen.11957.—On attaining the age of superannuation Shri P. S. R. Murty, Permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer-II in the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy relinguished charge of his post on the afternoon of July 31, 1986.

# The 11th August 1986

No. AMD-8/1/86-Rectt.11926.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. S. Viswanatham, a permanent Assistant Security Offi-

cer, Atomic Minerals Division to officiate as Security Officer in the same Division on an ad hoc basis with effect from 28-7-1986 to 5-9-1986 vice Shri S. K. Saraf, Security Officer proceeded on leave.

> S. PADMANABHAN Sr. Administrative & Accounts Officer

### DEPARTMENT OF SPACE

## INDIAN PRACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATION CENTRE

Ahmedabad, the 5th August 1986

No. SAC/EST/3-19/86—The Director, SAC is pleased to appoint the undermentioned officials to the post of SCI/Engineer SB with effect from the forenoon of April, 1, 1986 in the Space Application Centro of the Department of Space, Ahmedabad, in an ocfficiating capacity and until further orders : -

S.	No.	Name	
	Shri Shri Shri Shri Shri Shri Smt. Shri	P. A. Geda J. P. Joshi M.P. Sharma R. S. Gajjar M. Bamanja G. N. Lumavia K. P. Bhalsod R. K. Chauhan S. N. Bhatt D. R. Sevak	
			K. S. KRISHNAN,

Administrative Officer-II (Estt.)

# CENTRAL EXCISE & CUSTOMS COLLECTORATE

Vadodara, the 8th August 1986

No. 22/86.—Shri N. D. Joshi, Superintendent of Central Excise & Customs, Division-I, Vadodara will be retiring voluntarily from Government service with effect from 14-8-1986

> SMT. VARALAKSHMI RAJAMANICKAM Collector of Central Excise and Customs

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 7th August 1986

No. A-19012/1186/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Khub Chand Balani, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/ Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 23rd June 1986.

# The 12th August 1986

No. A-19012/1117/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. M. Sen, Research Assistant (SG) to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission in the scale of pay or Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 23rd June 1986 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

> MEENAKSHI ARORA Under Secv. Central Water Commission

Halling and the second

### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9426/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 228 on second floor, in Vardhaman Market Plot No. 75, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. situated at New Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

nforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly etaled in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Varadhaman Constructions, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road) Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

 Shri Gulab Hotchand Bhagchandaney, 1st floor, 7 Sterling Centre, M.G. Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette, publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 228 on second floor, in Vardhanman Market, Plot No. 75, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9426/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Dated: 18-3-1986.

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/9417/1985-86,---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 328 on third floor in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector 17, Vashi, New Bombay

situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I A.C. Acqu. Range, Pune on Dec. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Vardhaman Constructions, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road (Andheri-Kurla-Road) Andheri (E) Bombay.

(Trausferoi)

(2) Shri Yogesh Jethmal & Others B-29 Krishna Krupa, 2nd floor, Shankar Lane, Kandivli (W) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 328 on third floor in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9417/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dated: 18-3-1986.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 27th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6701/1985-86,---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Property situated at C.T.S. No. 917/17 Shivajinagar,

Punc-4.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-18-226G1/86

(1) M/s B. K. Promoters, "Jaidev" 721/1/20 Prashant Nagar, Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Upendra Keshar Kanitkar & Others. 12 Ganeshwadi, Pune-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explore later. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver. in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property situated at C.T.S. No. 917/17 Shivajinagar, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6701/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Dated: 27-2-1986

## FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9433/1985-86,---Wheeras. I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Flat No. 304 on third floor in Sarvodaya Plot No. 29-B of Sector 4 of Vashi, New Sarvodaya Co-operative Housing Soc, Ltd. situated at Vashi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Jan. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Ghruh Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road) Andheri (E) Bombay.

(Fransferor)

(2) Shri Saumitra Kumar Basu, The Associates Cement Co. Ltd. Project Division Express Tower, 6th floor, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 304 on third floor in Sarvodaya" Plot No. 29-B of Sector 4, of Vashi, New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9433/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR Competent Authorit. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Dated: 13-2-1986

Scal :

### FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Ghruh Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road) Andheri (E) Bombay

(Transferor)

(2) Mr. R. K. Ramachandran Nair, A.C.C. Project Division, Express Tower, 6th floor, Nariman Point, Bombay,

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9434/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204 on second floor in "Sarvodaya" Plot No. 29-B Sector No. 4 of Vashi of New Sarvodaya Co-op. Housing Society Ltd. situated at Vashi and more fully described in the Schedula approved.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.

Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 204 on second floor in "SARVODAYA" Plot No. 29-B Sector No. 4, of Vashi, of New Sarvodaya Co-operative Housing Soc. Ltd.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9434/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OL INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 17 February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9436/1985-86 -- Whereas, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Flat No. 1 on ground floor in Sarvodaya Plot No. 29-B Sector 4 Vashi, New Sarvodaya Co-operative Hsg. Soc. Ltd.

situated at Vashi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu.

Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Ghruh Builders. 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road (Andheri-Kurla-Road) Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. S. S. Kerkar & Mr. S. D. Kerkar, C-2/5/1:4 Sector No. 4, Vashi, New Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on ground floor in Sarvodaya Plot No. 29B Sector 4, Vashi, New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd.

(Arca 850 sq. ft. Super built up)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9436/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dafed: 17-2-1986

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TARK ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Punc, the 18th February 1986

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/9435/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 203. on 2nd floor in "New Sarvodaya Co-en

Flat No. 203, on 2nd floor in "New Sarvodaya Co-cp. Housing Soc. Ltd. Plot No. 29-B Sector 4 Vashi of New Sarvodaya Co-operative Hsg. Soc. Ltd. situated at Vashi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn., Range, Pune on Jan. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Ghruh Builders,
 40-41 Vishal Shopping Centre,
 Sir M. V. Road, Andheri-Kurla-Road,
 Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

 Shri K. V. Kini and Smt Lila Kini, 702 Amrit Tushar, 14th Road, Khar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 203 on second floor in "New Sarvodaya Co-operative Housing Soc. Ltd. Plot No. 29B Sector 4, Vashi.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9435/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 18-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9427/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 104 on 1st floor in building Vardhaman Park at Vashi, New Bombay

situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn.

Range, Pune on Jan. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (ii) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

M/s Vardhaman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Hansraj Mahadev Bagade. 276A Municipal Chawl, Near Laxmi Baug, Sion. Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given iv that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 104, on 1st floor in building Vardhaman Park at Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9427/1985-86 in the month of Jan. 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 20-3-1986

 M/s Vardhaman Builders,
 40-41 Vishal Shopping Centre,
 Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Amin Umer Rajkotwala, "Brooks Villa" 5 Sidling Pura, Mysore.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9420/1985-86.—Whereas, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 703, on 7th floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay,

situated at New Bombay

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 703 on seventh floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, Dist. Busness Centre, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9420/1985-86 in the month of an. 1986).

ANIL KUMAR Competent\_Authority Insecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 20-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s Vardhaman Builders, 40-41Vishal Shopping Centre, Sir M.V. Road (Andheri-Kurla Road) Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Asif K. Rajkotwala, 30 Muruti Lane, Fort, Bombay.

(Transferee)

### **COVERNMENT OF DIDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE **PUNE** 

Pune, the 21st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9422/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503 on 5th floor in Vardhaman Park at Plot No. 49 Sector 17 Vardhaman Park at Plot

No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay, situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering I.A.C., Acan. Range, Pune in January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid and the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property and the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair market value of the property and I have reason to be a forest than the fair marke said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nd Ave

(b) facilitating the concealment of any income or any seemeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Air. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

BEFLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 503, on 5th floor in Vardhaman Park at Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9422/1985-86 in the month of January 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

#### Pune, the 24st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/C-5/37EE/9424/85-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on ground floor in "Vardhaman Park" on Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

situated at New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as correct to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

19-226GI/86

(1) M/s Vardhaman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M.V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (E) Bombay.

(Transferor) (2) Mr. Tushar Manohar Desai & Mr. Ankur D. Patil, 80/5 Yashodhara, First Floor, Vcer Savarkar Marg, Dadar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this πotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on ground floor in "Vardhaman Park" on Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9424/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Poona

Date: 21-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 21st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9429/85-86.—Whereas, 1 ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 603 on sixth floor in "Vardhaman Park"
Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M/s Vardhaman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M.V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Dr. Mohan Dattatraya Datya, III/31 Tata Housing Colony, Chembur, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 603 on sixth floor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9429/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Poona

Date: 21-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 25th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/9419|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702 on seventh floor in Vardhaman Park on plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), have been transferred and registered under the registration Act. has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesai exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer i

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M/a. Vardhaman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road Andheri-Kurla Road) Andheri (E) Bombay

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Keshavji Sampat, 62, Nilkanth Apartment, Block No. 22, Hill Road, Worli, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702 on seventh floor in Vardhaman Park on Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Delbi.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9419/1985-86 in the month of January 1986)

Acquisition Range, Poona Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 25-3-1986.

#### FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 24th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6515/1985-86.---Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

bearing C.T.S. No. 365 Somwar Peth, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Income on Ian 1986.

nt I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Chandrakant Pandurang Shinde & Smt. Sunanda Dattatraya Shinde, 365 Somwar Peth. Pune.

(Transferor)

(2) M/s. Abhay Constructions, 1365 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bearing C.T.S. No. 365, Somwar Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No.6515/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date . 24-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 24th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6311,1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 17/1/1 Plot No. 6, Dhankawadi, Tal. Haveli, Dist. Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

ranafer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dwarkahai Gangadhar Vishwasrao, 17/1/1 Plot No. 2, Dhankawadi, Pune-9.

(Transferce)

(2) M/s. Chaitanya Promoters & Builders, 25 Budhwar Peth, Appabalwant Chowk Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 17/1/1 plot No. 6, Dhankawadi, Tal. Haveli, Dist. Pune

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6311/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date :24-3-1986

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 11th April 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/9432/37EE[1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000] and bearing No. Flat No. 106 on first floor in Nirman Vikas plot No. 10, at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the oblest of the second consideration.

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Nirman Associates, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. John Fernandes, Flat No. 4, Nirman Sandesb, Nirman Nagar, Nalasopara (W). Dist. Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 106 on first floor, in "Nirman Vikas" plot No. 10, at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area 560 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9432/1985-86 in the month of January 1986)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 1st April 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/577 1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5, S. No. 129, CTS No. 782, Kothrud, Pune,

situated at Pune

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli on Nov 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Deejay Builders. 1271 Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transfero:) (2) Chairman—The Vishnupuri Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 129, CTS. No. 782, Paud Road, Pune-29.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5, S. No. 129, CTS No. 782, Kothrud, Pune (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Register, Haveli, under document No. 577/ 1985-86 in the month of Nov. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 1-4-1986.

#### FORM NO. I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Induoai Maruit Shevkar, & Others S. No. 77, Wanowadi, Pune-13.

(Transferer)

(2) M/s. Parmar Builders, Prop Vilas, Parmar, 321/3 New Timber Market,

Road, Pune (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 31st March 1986

Ref. No. IAC AC as, I, ANIL KUMAR, ACQ/CA-5/37EE/6226/1985-86.—Wherebeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 77/48/1 & S. No. 70-71, Wanowadi, Pune-13

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering O at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jun. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 77/48/1A & S. No. 70-71, Wanowadi, Pune-13. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn., Range, Pune, under document No. 6226/1985-86 in the month of January 1986).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 12th June 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6320/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Final plot No. 556/1/4 T. P. Scheme No. 1, Bhamburda, CTS. No. 1182/1|5 Shivajinagar, Punc-5 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than tht fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Balkrishna Laxman Gokhale, 10 Indrayani, B, 15th Lane, Prabhat Road, Punc-4.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Vasudeo Auti, Rahul Chambers, 2nd door, Karve Road, Pune-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Final plot No. 556/1/4 T.P. Scheme No. 1, Bhamburda, CTS No. 1182/1/5 Shivajinagar, Pune-5.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 6320/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parents:

20—226G1/86

Date: 12-6-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 12th June 1986

Ref. No. 1AC,ACQ/CA-5/37EE/679[1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Immovable property bearing Municipal Houso No. 430/25, C.S. No. 624-B at M. G. Road, Nasik situated at Nasik. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (3) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Madhusudhan Janardhan Abhyankar & Others, Lodge, R/o M. G. Road, Nasik.

(2) M/s. Mayuresh Builders, Prop. Shrl M. B. Gangal, 4207, Panchavati, Nasik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property bearing Municipal House No. 430/25, C.S. No. 430/25, C.S. No. 624-B at M. G. Road, Nask.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC., Acquisition Range, Pune, under document No. 679/1985-86/Nasik in the month of January 1986).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heteby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1986

Sped :

(1) Shri R. V. Ghugale & Others, 106/2 Erandwane, Pune-4.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sathe-Godse, 1244 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 12th June 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6523|1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property at Final Plot No. 58/2 Erandwane, Pune

situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; \*afj'st
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 106/2 Erandwane, Pune. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC., Acquisition Range, Pune, under document No. 6523/1985-86 in the months of Jan. 1986.

ANIL Attention
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1986

Scal:

#### FORM LT.N.S.

(1) Sh. Arvind Pal Singh, Tejinder Pal Singh r/o H. No. 41, Ashok Colony, Karnal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Balbir Singh, Balwant Singh ss/o Sh. Bir Singh, r/o Bye Pass, G.T. Road, Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. IAC/Acq/ENL/170|85-85.-Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 45 acres on the right side of the road at 17 KM stone on Karnal Assandh Road. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 3645 dated 17-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immerovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sairle meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the still Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Property being land measuring 45 acres and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3645 dated 17-12-1985 with the sub-Registrar Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisites of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 9-7-1986.

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. IAC/Acq/GRG/141\85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

land measuring 17 kanal 2 marlas at Vill. Choma situated at Vill Choma, Gurgaon.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration 5353 dated 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

(1) Sh. Sish Ram S/o Sabha Chand r/o Vill. Choma, Distt Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing Finance and leasing Co. Pvt. Ltd. 115-Ansal Bhawan 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land meausring 17 kanal 2 marlas and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 5353 dated 6-12-85 with the sub-registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-7-1986.

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/GRG/138|85-86,- Whereas, I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 7 bigha 5 biswas (Pukhta) situated at-Vill. Nathupur (Gurgaon) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5361 dated 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

stansfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

. (1) Shiba Ram, Balbir sso Puran r/o vill. Nathu Pur Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Appolo land & Housing Co. (P) Ltd. 21 Narindra Place, Sansad Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 Bigha 5 biswa (Pukhta) and as more mentioned in the sale decd registered at S. No. 5361 dated 6-12-1985 with the Sub-Registrar, Gurgaon,

> R. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1986.

Seal.

#### FORM ITNS ....

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C. 'Acq. / GRG/29 / 85-86.--Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196i (42 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land measuring 26 Kanál 15 marlas situated at Vill. Sirhole, Gurgaon,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 5434 of Income-tax Rules,

1962 dated 10-12-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Khem Chand s/o Jaman Bhartu s/o Nihal r/o Sirhole Teh. & Dist., Gurgaon. (Transferor)
- (2) Ansal Properties & Industrial (P) Ltd. 115— Ansal Bhewon, 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 kanal 15 Marias and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 5434 dated 10-12-1985 with the sub-Registrar, Gurgaon,

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Roh'ak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-7-1986

<del>\_\_\_\_\_</del>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th July 1986

Ref. No. \.\Δ.C./Δcq./GRG/133 85-86.--Whereas, I. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 5 acres

situated at Maruti complex, Industrial Area, Gurgaon, (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5650 dated 24-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the uforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Oriental Steel (P) Ltd., Janak Puri Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M. s Milk food Ltd., 5th floor, Bhandari House, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Acres and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5650 dated 24-12-1985 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-7-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Shri Om Parkash, Jatvir Singh Ss/o Giani Ram and Giani Ram S/o Raman, Vill. Sat Road Khas, Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) M/s. Bhanu Iron & Steel Co. Ltd., 10 K. M. Stone, Delhi Road, Hissar,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/96/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI.

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. Land measuring 77 Kanals 5 Marlas situated at Village Bat Road Khas (Hissur), (and more full described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer under Registration No. 5483 dated 19-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 77 Kanals 5 Marlas situated at vill. Sat Road Khas (Hissar) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5483 dated 19-12-1985 with the Sub Registrar, Hissar,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:--21-226GI 86

Date: 9-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/95/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to

income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 143 kanals 2 marlas situated at Vill. Saneli Khurd Teh. Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat under Registration No. 4385 dated 13-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Shri Gurdeep Singh Darshan Singh Kala Singh ss/o Shri Lachhman Singh r/o Vill, Sanoli Khurd Teh, Panipat.

(Transferor)

(2) S/Shri Lal Chund s/o Shri Dharam Singh Shri Ram Mehar s/o Shri Dharam Singh Shamsher Singh s/o Shri Dharam Singh Parvinder Singh s/o Shri Prem Singh Shri Baljit Singh s/o Prem Singh. Balwant Singh s/o Shri Dharam Singh. all r/o vill. Siwah Teh. Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interesed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 143 Kanals 2 marlas situated at village Sanoli Khurd Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4385 dated 13-12-1985 with the Sub Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-7-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PHW/1/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 242 kanels 9 marlas situated at vill. Dhaniram Pura Teh. Pahewa, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Pehowa under Registration No. 1303 dated 2-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the send Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Inbal Singh Jagpal Singh ss/o Shri Gurbakhsh Singh, Smt. Joginder Kaur d/o, Sh. Gurbakhsh Singh, Badal Singh s/o Shri Kehar Singh, Bhupinder Singh ss/o Shri Chauan Singh r/o Bilochpura Teh. Pehowa.

(Transferor)

22643

(2) Shri Mohinder Singh s/o Shri Jeewan Singh Shri Bachan Singh s/o Shri Durdial Singh Shri Karam Chand. Shri Bhagmal. Shri Sarup Singh. ss/o Shri Jati Ram r/o Ratgal Teh. Thanesar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 242 kanals 9 marlas situated at vill. Dhaniram Pura Teh. Pehowa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1303 dated 2-12-1985 with the Sub Registrar, Pehowa.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-7-1986

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./BRR/30/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 149 kanals situated at vill. Jalubi Teh. Barara, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barara under Registration No. 1424 dated 23-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as afereasid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other auste which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Man Mohan, Surinder Mohan ss/o Shri Ram Lal. Inder Sain. Pirthi Chand ss/o Shri Dewan Chand s/o Shri Karam Chand. r/o Jalubi Teh. Barara Distt. Ambala,

(Transferor)

(2) S/Shri Dilbag Rai s/o Lala Bhim Sain.
Ved Parkash.
Subhash Chander ss/o Shri Mangal Sain.
Lala Chanan Shah s/o Lala Kirpa Ram.
Manohar Lal s/o Lala Chanan Shah.
all r/o Shahabad Markand Teh. Thancsar Distt.
Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 149 kanals situated at village lalubi Teh. Barara and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1424 dated 23-12-1985 with the Sub Registrar, Barara.

B. I., KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1986

Seal

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Kumar s/o Shri Net Ram self. and Attorney of S/Shri Harchand, Lal Chand, Vir Singa, Rama Nand, Rajinder Singh & Sher Singh ss/o Shri Net Ram vill. Dehra, Teh. Hissar.

(Transferor)

(2) The Hissar Modern House Building Society, Hissar through its President Shri Kanshi Ram Guliani H, No. 60 M.C. Colony, Hissar.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I A.C./Acq./HSR/93/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. land measuring 37 kanals 12 marlas situated at vill. Babra (Hissar), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 o 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 5213 dated 9-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fai

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitee on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 37 kanals 12 marlas situated at vill. Dabra (Hissur) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5213 dated 9-12-1985 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 30-6-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lal Singh s/o Shri Ram Sarup r/o Malpura Tch. Rewarl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Roshan Lal s/o Madho Ram s/o Shri Ghurshyam r/o vill, Silokhra Teh. Gurgaon,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./RWR/29/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 94 kanals 18 market

situated at vill. Malpura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rewari under Registration No. 2669 dated 11-12-1985. for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 94 kanals 18 marlas situated at vill. Malpura Teh. Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2669 dated 11-12-1985 with the Sub Registrar, Reward.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1986

 Shri Girwar Singh S/o Puran, Village Kanhai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961) (2) M/s Green Park Builders and
Promoters (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan,
16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/136/85-86,—Whereas, I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. land measuring 42 Kanals 4 Marlas situated at village Kanhai (Gurgaon), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gurgaon under Registration No. 5400 dated 9-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propert being land measuring 42 Kanals 4 Marlas situated at village Kanhai (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5400 dated 9-12-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. LA.C. Acq./GRG/128/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. land measuring 33 kanals 9 marlas, situated at Sarhol Teh., Gurgaon, (and more fully described in the Schedule appeared hereto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon under Registration No. 5435 de ed 10-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

· (1) Shri Khém Chand s/o Sh. Jaman Shri Bhartu s/o Shri Nihal c/c vill. Sarhol Teh, Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Ansal Properties and Inds. (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi. Marg. New Delhi.

(Transferce)

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 33 kanals 9 marlas situated at village Sarhol Teh, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5435 dated 70-12-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax · Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the here of this notice under sale-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following oc:sons, namely :---

Date: 9-7-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/137/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Rs. 1.00,000/- and bearing No. land measuring 5 Bighas 17 Piswas situated at village Nathuptur, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5363 dated 6-12-1985.

for an apparent consideration which is has then the fair market value of the aforemals property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of :-

- (a) in biling the reduction or evapore of the Entitley or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Arr
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslin-182 Act. 1957 (27 of 1937):

New therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--22---226G1/86

(1) S/Shri Lekh Ram, Mahavir, Tirlok Ss. o Chandan Singh, Smt. Shanti Wd/o Chandan Singh, Smt. Krishna, Smt. Bala D/o Chandan Singh, Rattan I.al, Smt. Baldei D/o Ram Chand, Village Nathupur, Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Vcc Dec Investment and Agencies, Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, y nichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Cherver

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Bighas 17 Biswas situated at vill. Nathunur (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5363 dated 6-12-1985 with the Sub Registrar, Gurgeon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge, Rohtak

Date: 9-7-1986 Seas 2

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/153/85-86,—Whereas I, B. L. KHATRI.
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. land measuring 82 kanals 8 marks situated at village Silokhera.

No. land measuring 82 kanals 8 marlas situated at village Silokhera. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5281 dated 3-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weshith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Om Parkash S/o Bhim Singh, Kura Ram etc. R/o Jharsa, Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) Ruhi Construction Co. (P) Ltd.
  6 Community Centre, Saket, New Delhi.
  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the blication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

. Property being land measuring 82 Kanals 8 Marlas situated at village Silokhera (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5281 dated 3-12-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon,

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONEROF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/142/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 27 kanals 5 marlas situated at Vill. Kanhai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5339 dated 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lincome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri, Mohan Lal S./o Shri Phool Singh R/o Kanhai, Teh, Gurgaon.

(Transfèror)

(2) M/s. Delhi Towers & Estate (P) Ltd.
 115, Ansal Bhavan,
 16, Kasturba Gandhi Marg,
 New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 27 kanals 5 marlas situated at village Kanhai Teb. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5339 dated 6-12-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. I.. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 30-6-1986

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### ACQUISITION RANGE. ROHTAK

SIONER OF INCOME-TAX

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/414/85-86.--Whereas, I, B. J. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 79 kanals 11 marlas situated at vill Silo-khra, Teh, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 6815 dated 21-2-1986

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reauction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traveter; and/or
- (b) facultating the conceatment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mool Chand S/o Shri Inder R/o Vill. Silokhra, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M.s. C. Lyall & Co. (Construction) Private Limited. 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 43 days from the date of the colonication of the action in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 79 kanals 11 marlas situated at vilings Silokhra, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the saie deed registered at Sr. No. 6815 dated 21-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Rohtak

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1986

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. 1.A.C./Λcq/KNL/186/85-86.—Whereas, 1, B. L. <u>KH</u>ATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Land measuring 126 kanais siluated at Vill, Jundala, Teh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4)

at Karnal under Registration No. 3990 dated 3-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Incilitating the conceaiment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sumer Chand S/o Sh. Puran Chand Sh. Satbir Singh Sh. Jai Pal Singh Ss/o Sh. Sumer Chand Sh. Krishna Lal S/o Sh. Puran Chand R /o Kailander Gate, Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Chanda Singh Sh. Babu Ram St./o Sh. Sewa Ram R/o Kailander Gate Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 126 kanals situated at jundala, Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3990 dated 3-1-1986 with the sub-Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 9-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## (1) M/s. Auto Pin (India) Pvt. Ltd. 17/1, Community Centre. New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sirrocco Pressing (P) Ltd. 17/1. Community Centre. New Friends Colony. New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./DLI/17/17/85-86.-Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the come the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Building and factory area 31,666-2/3 sq. yds. situated at Mathura Road, Faridabad (and more fally described to the Communication).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule

48DD (4)
Delhi under Registration 183 dated 10-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property being building & factory area 31,666-2/3 sq. yd. situated at Mathura Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 183 dated 10-2-86 with the Sub Registrar, Delhi.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 10-7-1986 Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. 1.A C./Acq./GRG/410/85-86.-Whereas, I, B, L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Land measuring 32 kanals situated at Vill. Silokhra
tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4)

Officer at

Gurgaon under Registration No. 6753 dated 17-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Sh. Partap Singh, Mahinder Singh, Ram Kishore Kamal Singh Sş/o Sh. Des Raj R/o Kanhaj Teh, Gurgaon,

(Transferor)

(2) M/s. Unitech Ltd. Unitech House. 6 Community Centre Saket, New Delhi.

Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 kanals situated at village Silokhra Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6753 dated 17-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-6-1986

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./BRR/31/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 136 kanals 15 marlas situated at Sirsahgarh

Teh. Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule

Officer at

Officer at
Barara under Registration No. 1633 dated 10-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ved Parkash So Sh. Atma Ram R/o Mullana, Tch. Ambala.

(Transferor)

(2) Sh. Amar Singh S/o Sh. Bhambool Singh Sh. Jagdish Singh Sh. Balbir Singh Ss/o Sh. Amar Singh R/o Maluyan, U.T., Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The erms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 136 kanals, 15 marlas situated at Sirsahgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1633 dated 10-2-86 with the Sub-Registerer Page 1 Registrar, Barara.

> B. L. KHĄŢŔI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/411/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 53 kunals, 14 marlas situated at vill. Silokhra, Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6829 dated 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore and the than fifteen per cent of such apparent consideration and the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, we respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

(1) 1. Sh. Jot Ram

2. Sh. Hukam Singh

3. Sh. Khazan Singh

4. Sh. Balwant Singh Ss/o Sh. Phul Singh R/o Jharsa,

Teh, Gurgaon,

(Transferor)

(2) M/s. Unitech Builders (P) Ltd. 6 Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCH! DULE

Property being land measuring 53 kanals, 14 marlas situated at vill. Silokhra. Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6829 dated 21-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 10-7-1986

Seal:

23-226G1/86

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/417/85-86.—Whereas I. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 111 kanals, 14 marlas situated at Vill

Kanhai, Gurgaon

Kanhai, Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6774 direct 18-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the Wanefer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeship property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:---

(1) S/Sh. Niadar, Chuni Lal, Rattan Singh, So/o Sh. Kanhiya, Shri Teka S/o Sh. Sukhdev, Mewa Ram S/o Dilu, Ram lai S/o Mangali R/o Vill. Kanhai, Distt. Gurgaon.

New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Husing & Estates (P) Limited, 115 Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sarries of notice on the sarries as from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 111 kanals, 14 marlas stuated at Vill. Kanhai, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6774 dated 18-2-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Roh(ak

Date: 14-7-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/341/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 17 kanals situated at Choma

Land measuring 17 kanals situated at Choma (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4)

at Gurgaon under Registration No. 6650 dated 11-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Chandgi Ram S/o Sh. Ram Sarup R/o Vill. Bijwasan,

(Transferor)

 M/s. Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the noguisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLARATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals situated at village Choma and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6650 dated 11-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI.
Competent Authority
Suspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1986

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Ram Singh S/o Inder S/o Sh. Moti Vill. Silothra, Teh. Gurgaon,

(Transferor)

(2) M/s. Gream Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref No. I.A.C./Acq./GRG/415/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Land measuring 79 kanals, 14 marlas situated at Silokhra
(and more fully described in the Schedule annexed hercto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering
Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII
Gurgaon usder Registration No. 6814 dated 21-2-1986

Gurgaon usder Registration No. 6814 dated 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insumment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 79 kanals, 14 marlas situated at village Silokhra. Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6814 dated 21-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohiak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/418/85-86.—Whereas, I.

B. L. KHATRI.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land measuring 34 kanals, 5 marks situated at Vill. Silo-

khera

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule

at Gurgaon under Registration No. 6754 dated 17-2-1986 for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the profession and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Rati Ram S/o Khawani, Shri Sumrath Singh, Self and Mukhtiar-am Jai Kishan S/o Khawani R/o Kanhai.

(Transferor)

(2) M/s. Unitech Ltd. Unitech House. 6. Community Centre. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same mouning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 kanals, 5 marlas situated at Silokhera and as more menitioned in the sale deed registered at Sr. No. 6754 dated 17-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-6-1986

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/419/85-66.—Whereas, I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 21 kanals, 12 mails situated at Vill. Silo-

khra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4)

at Gurgaon under Registration No. 6755 dated 18-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh, Ram Kumar
 So Khavari
 R/o Kanhai
 Teh. Gurgaon

(Transferor)

(2) M/s. Unitech Ltd.
 Unitech House,
 6. Community Centre.
 Saket,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 21 kanals, 12 marlas situated at vill. Silokhra, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6755 dated 17-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 30-6-1986

### 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF-THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/412/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 55 kanals 1 marla situated at Cartarpuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6821 dated 21-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sher Singh s/o Hardev Sh. Harash Schni so/o Sh. Sher Singh r/o vill, Carterpuri Teh. Gurgaon.
- (2) M/s. Ansal Housing & Finance Leasing Co. Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 55 kanals 1 marla situated at vill. Carterpuri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6821 dated 21-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 10-7-1986

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. l.A.C./Acq./GRG/416/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 7 bighas 3 biswas pukhta situated at viil.

Nathupur

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6795 dated 19-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jag Ram, (2) Sh. Deg Ram, (3) Sh. Richh Pal Ss/o Sh. Girdhar r/o vill Nathupur, Tch. Gurgaon.

(2) M/s. Delhi Land & Finance Ltd., 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of th caforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULL

Property being land measuring 7 bighas 3 biswas situated at village Nathupur Teh, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6795 dated 19-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/420/85-86,—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovsole property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 55 kanals 7 marks situated at vill. Alawardi

Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6737 dated 17-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer: endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :--

24--226GI/86

(1) Shri Rampal Singh s/o Sh. Boharu, Smt, Ram Devi wd/o Sh. Boharu, r/o vill. Alawardi Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd., Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 55 kanals 7 marlas situated at vill. Alawardi Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6737 dated 17-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-7-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/413/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 104 kanals 15 marlas situated at Silokhra Teh.

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6816 dated 21-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Inder s/o Sh. Moti r/o vill. Silokhra Teh. Gurgaon.

(Transferor) (2) M/s Green Park Builders, Promoters (P) Ltd, 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being lund measuring 104 kanals 15 marlas at village Silokhra Tch. Gurgaon and as more mentioned in the salo deed registered at Sr. No. 6816 dated 21-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-7-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/427/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 4 bigha 7 biswas situated at vill. Nathupur,

Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

transfer with the object of :--

Gurgaon under Registration No. 7463 dated 21-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) S/Sh. Hem Rai, Sukhbir, Partap, Risala, Khajan, Permal, Suraj Mal, Shanti, Champa, Moji, Ram Kali, Giano, Balwanti, Surjit, Gian Chand, Rameshwar, Muni, Kichnu, Lado, Chandro, Delipe r/o Vill, Nathupur, Gurgaon.
- (2) M/s.Vee Dec Investment & Agencies Private Limited, 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi.

('Fransferee')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 7 biswas situated at Vill. Nathupur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at sr. No. 7463 dated 21-3-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon,

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

New, therefore, in principles of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-7-86

### FORM I.T.N.S .--

(1) Sh. Rajender Singh Saini, F-49, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arvind Construction Co. (P) Ltd., Connaught Circus, New Delhi.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq.BGR/9/85-86.—Whereas, 1, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 90 kanals 9 marlas alongwith super structure situated at vill. Jhanysa Teh. Ballabgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgath under Registration No. 3527 and 3529 dated

11-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 90 kanals 9 marlas with super structure situated at vill. Jhanysa Teh. Ballabhgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3527 & 3529 dated 11-3-86 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-86

Seal .

(1) Sh. Shera (2) Sh. Chander ss/o Sh. Daulat r/o vill. Nathupur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

22669

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s V.D. Investment & Agencies Pvt. Ltd., 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/431, 85-86,—Whereas, I,

B, L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land measuring 3 bighas 9 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7455 dated 21-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bighas 9 biswas situated at village Nathupur Teh Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7455 dated 21-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 30-6-86 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

### FORM ITNS \_\_\_

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sh. Kishan Lal, Sh. Ratan Lal ss/o Sh. Sunehri r/o Nathupur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s D.L.F., 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/430/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 5 bighas 2 biswas situated at vill. Nathupur

Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7456 dated 20-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been train stated in the end instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bighas 2 biswas situated at village Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7456 dated 21-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-86

(1) Risal Singh (2) Sh. Ratti Ram ss/o Sh. Shiv Lal Vill. Sukhrali Teh. Gurgaon,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak, the 10th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/425/85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 26 kanals 8 marlas situated at vill. Sukhrali

Teh. Gurgeon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7308 dated 17-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 47ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(2) The Indian Air Lines Pilot Sena Prateen House Nld. Society vill, Sukhrali Teh. Gurgaon.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 kanals 8 marlas situated at vill. Sukhrali Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7308 dated 17-386 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-6-86

Scal:

(1) Shri Ram, Rati Ram ss/o Chet Ram, Vill. Nathupur, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Anurag Construction Co. Ltd., 24 Narindra Place, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/426/85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 17 bigha 14 biswas, situated at Vill, Nathupur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7049 dated 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 bigha 14 biswas situated at Vill. Nathupur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at sr. No. 7049 dated 5-3-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-7-86

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/432/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 4 bighas 13.3/4 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7454 dated 21-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other namets which have not been or which ought to se disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assur of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manufacture.

25-226GI/86

- (1) Sh. Rameshwar (2) Sh. Chander ss/o Sh. Meru r/o Vill. Nathupur Teh. Gurgaon.
  - (Transferor)
- (2) M/s Apollo Land & Housing Co. Ltd., 21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 13.3/4 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale registered at Sr. No. 7454 dated 21-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 10-7-86

(1) Escorts Tractors Limited, Roshanara Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Escorts Limited, H-2, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./DŁI/18/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land measuring 20 kanals 12 marlas situated at vill. Jhar

Setly Teh. Ballabgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi under Registration No. 538 dated 14-3-86

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property as! I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind)or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals 12 marlas situated at vill. Jhar Setly Teh. Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 538 dated 14-3-86 with the Sub Registrar, Delhi.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date: 4-7-86

(1) Sh. Beg Ram s/o Smt. Sona, Smt. Remvati ds/o Sh. Harbans r/o Nathupur, Teh. Gurgaon.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. D. V. Investment & Agencies Pvt. Ltd. 21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq.GRG/429/85-86.--Whereas, I.

Ref. No. I.A.C./Acq.CRC/427/05-00.—Watches, 2...
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land 3 Bighas 8 biswas situated at vill. Nathupur Teh.

Gurgaon

Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 7457 of Income-tax Rules, 1962 dated 21-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 8 biswas situated at village Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7457 dated 21-3-86 with the Sub Registrar Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-6-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sh. Prem Raj s/o Sh. Chuni, Smt. Mali d/o Sh. Chuni r/o vill. Nathupur.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Land & Finance Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/428/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 2 bighas 11 biswas situated at vill. Nathupur Tath Courses.

Teh. Gurgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 7460 of Income-tax Rules, 1962 dated 21-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter. EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 11 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7460 dated 21-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-6-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/16/86-87.--Whereas, 1, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 2 bighas 17.1/4 biswas situated at vill. Chakarpur Tch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 398 of Income-tax Rules, 1962 dated 24-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Lala s/o Sh. Jal Singh r/o vill. Chakarpur.

(Transferor)

(2) M/s. Paragaon Real Estate & Apartment, 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 17.1/4 biswas situated at vill. Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 398 dated 24-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 30-6-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/17/86-87.--Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
land measuring 10 bighas 2 biswas situated at vill. Chakarpur

Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 252 AB of the said Act read with ru'c

48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 508 of Income-(ax Rules, 1962 dated 30-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr, to the follow ing persons, namely:—

(1) Sh. Ranjit s/o Sh. Shiv Lal r/o vill. Chakarpur Teh. Gurgaon.

(Transferor)
(2) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) I.td., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons. whichever period empires laters
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 bighas 2 biswas situated at vill. Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 508 dated 30-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq.GRG/3/86-87.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 5 bighas 19 biswas situated at village Chakar-

pur. Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule

42DD (4) at Gurgaon under Registration No. 273 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair warket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the elect of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; met/or

(b) facilitating the concealment of any income our any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Maya Devi wd/o Sh. Ram Kishan, Sh. Manian Singh s/o Sh. Ram Nath, r/o vill. Chakarpur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing Finance & Leasing Co., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property enay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice rial Gazotto or a period of 30 days from s service of metice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bighas 19 biswas situated at village Chakarpur, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 273 dated 15-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assi had Commission of Income-tax Acquitton Range, Rohtak

Date: 10-7-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/5/86-87.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
land measuring 10 bighas 6 biswas situated at vill. Chakurpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 233 of Income-tax Rules, 1962 dated 11-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sukhbir (2) Sh. Vijay Kumar ss/o Sh. Shivji r/o vill. Chakarpur. Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. D.L.F. Hotels (P.) Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 bighas 6 biswas situated at village Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 233 dated 11-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 10-7-1986

Seal •

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Sh. Digha s/o Sh. Deep Chand, r, o Chakarpur, Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. D.L F. Housing & Construction Ltd. 21-22. Narindra Place, New Delhi,

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. J.A.C. /Acq. /GRG /7/86-87.—Whiteas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Jand measuring 17 bigha of bawa Strated at VRI. Chalar-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Guigaon under Registration No. 29 dated 1-4-1986 of Income-tax Rules, 1962, dated 1-4-19866 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 bigha 61 bishwa situated at village Chakarpur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 29 Jated 1-4-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. I.. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

New, therefore in pursuance of Section 25%C of the said Act, I hereby with a proceedings for the acquisation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

26-226GI/86

Date: 10-7-1986

### PORM ITNS-

### MUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/11/86-87,-Whereas I, B. I. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 5 bigha 6 bishwa situated at vill. Chakarpur,

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 481DD (4) at Gurgaon under Registration No. 276 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-198666

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, is the following nersons namely:—

(1) Smt. Chhoti Devi wd/o Khajan, Dharamvir, Bhagmal, Raghbir ss/o Khajan, Katari Devi, Munni Devi Ds/o Khajan Vill. Chakarpur, Gurgaon.

(2) M/s. Paragon Real Estate & Apartments Ltd., 21-22, Narindra Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aformaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bigha 6 bishwa situated at vill. Chakarpur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 276 dated 15-4-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1986

### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/6/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 6 bighas 5 biswas situated at vill. Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 448DD (4) at Gurgaon under Registration No. 274 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Sh. Bhagwan Singh s/o Sis Ram,
Smt. Sohni wd/o late Sh. Sis Ram,
Smt. Santra, Smt. Prem, Smt. Krishan uraf Kitan
ds/o late Sh. Sis Ram through
Sh. Bhagwan Singh, Dharam Vir Singh,
Rattan, Sh. Rameshwar ss/o late
Sh. Sis Ram r/o vill. Chakarpur,
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. D.L.F. Hotel Ltd. 21-22, Narindera Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bighas 5 biswas situated at village Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 274 dated 15-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROIITAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C., 'Acq /GRG, 86-87.--Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 23 Kanals 19 marks situated at Vill. Serbol,

Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1708 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with tule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 187 of Income-tax Rules, 1962 dated 9-4-1986

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) E/S.i. Mukhkar, Hargain, Shobir, 8870 Siri Kam, Kam Kaur wd/o, Kashturi, Nihali, Bhulan, Krishana 128/0 Siri Ram 1/0 Serhol, Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Ansai Housing Finance & Leasing Co. Pvt. Ltd. 115, 7,nsal Lhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesend persons within a period & 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which wer period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Property being land mensuring 23 kanal 19 marlos situated at Vill, Serhol, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 187 dated 9-4-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. J., KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-7-1986

#### FURM TINS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE L-COME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/8/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land measuring 7 bigha 4 bishwa situated at Vill. Chakarpur,

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 2662 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 275 dated 15-4-1986 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-19866 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or

the facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be declosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Maya Devi wd/o Ram Kishan, Maman Singh s/o Ram Nath, Vill. Chakapur, Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. D.L.F. Universal Ltd. 21-22, Narindra Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 bigha 4 bishwa situated at vill. Chakarpur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 275 dated 15-4-1986 with the sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohlak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/9/85-86.-Whereas I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,(0,000/- and bearing land 2 bighas 18 biswas situated at Vill. Nathupur Teh.

Gurgaen

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 233 of Income-tax Rules, 1962 dated 11-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hab of the transferor to pay tax under the mid Act. In respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sheo Ram (2) Sh. Des Ram ss/o Sh. Gordhan Ahir by cast r/o vill. Nathupur.

(Transferor)

(2) M/s. V. D. Investment & Agencies Pvi. Ltd. 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 18 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 233 dated 11-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesar property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-6-36

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. LA.C./Acq./GRG/19/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. land 29/33 share of 9 bighas 6 biswas situated at Vill. Chakarpur Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon dated 17-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shri Joginder Singh (2) Shri Rajinder Singh Ss/o Shri Chhater Singh (3) Shri Narinder (4) Shri Harbans (5) Shri Hans Raj (6) Shri Ganga Parshad Se/o, Shri Ram Kanwar (7) Smt. Dhanpati (8) Kumari Santosh Ds/o, Shri Ram Kumar r/o vill. Chakarpur.

(Transferor)

(2) M/s. Paragoan Real Estate & Appartment Ltd., 21, Narindra Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land 29/33 share of 9 bighas 6 biswas situated at vill, Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 317 dated 17-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 10-7-86.

Scal;

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I A.C./Acq./GRG/2/86-87.—Whereas, I. B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 2 bighas 18 biswas situated at vill. Chakarpur

Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 272 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Suraj Mal s'o Shri Jai Mal r/o Chakarpur.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing Finance & Leasing Co., Ltd., 115, Sansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 18 biswas at vill. Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 272 dated 15-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-6-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/14/86-87.--Whereas, I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 5 bighas 8 biswas situated at vill. Chakar-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rulet 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 760 dated 13-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the coencalment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to time fresowing persons namely :- 27-226GI/86

(1) Shri Chandgi Ram (2) Shri Laxmi Narayan Ss/o. Shri Piyari Lal 1/0 vill. Chakarpur, Tch. Gurgaon.

(Transferor) (2) M/s. Ansa! Housing Finance & Leasing Co. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires 'ater;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bighas 8 biswas situated at village Chakarpur Tch. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 760 dated 13-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 10-7-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/13/86-87.—Whereas, I. B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 2 bighas 13. 1/3 biswas situated at vill. Chakarour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 759 of Incometex Rules, 1962 dated 13-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the cossideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformalid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ing persons, namely:---

(1) Shri Chandgi Ram (2) Shri Laxmi Narayan Sa/o. Shri Pyare Lal 1/0 vill. Chakarpur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Paragaon Real Estate & Apartment, 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given ln that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 13.1/3 biswas situated at village Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 759 dated 13-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI Competent Authority 'nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 30-6-86, Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/12-85/1337.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. A-211, 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under Income tax Act, 1961 in the Office of the IAC Acq. New Delhi on Dec. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

(1) Span India Pvt. Ltd. 227, Okhla Industrial Estate-III, New Delhi.

Bombay.

(2) Mazda Leasing Ltd., 317, Maker Chamber V, 221, Nariman Point,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-211, 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area 618 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 14-8-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. R-VII/SRIII/12-85/375.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
K-6. Kailash Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Chandra Bali, K-6, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Bhadauria Investment, Pvt. Ltd. 2, Kasushlya Park, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from ervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. K-6, measuring 311 sq. yds. Kailash Colony, New Delhi

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VII,
> Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
> New Delhi

Date: 14-8-86.

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# ....,

# THE INCORPORATION ACCORD COMMISSION

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/12-85/366,—Wehreas, I, V. K. MANGOTRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

K-25, Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi on Dec. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (6) Incidenting the reduction or evenion of the Manifester to pay text under the said Act, in tuspest of any lessues arising from the transferring for
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under assection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Yashodha Devi Kukar, K-25, Kailash Colony, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Bashir Ahmed, 61, Corner, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. K-25, measuring 297.8 sq. yds., Kailash Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwel House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 14-8-86.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII-SR-III/12-85/382.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-95, Defence Coloney, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andicz

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N.w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ela Ghua, W/o Late Sailender Kumar Guha, G-1301, Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nihal Kaur, W/o Shri Rattan Singh, B-95, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. B-95, measuring 325 sq. yds., Defence Colony, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, VII New Delhi

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Pritipal Singh, 37-27, treet, Woodside, New Delhi Through his duly constituted attorney Shri Kirpal Singh S/o Late S. Chanda Singh R/o 2/48, Malcha Marg Shopping Centre, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Chander Kanta, A-2/35, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII-SR-III/12-85/384.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 94, Block 'S' Greater Kailash Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

rb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-to-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring Plot No. 94, measuring 300 sq. yards, Block 'S' in the residential colony known as Greater Kailash Part-I, New Delhi

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range, VII
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Delite Builders, A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar Sharma, S/o Shri A. P. Shastri, H-9B, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII-SR-III/12-85/353.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA.

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
S-229, Greater Kailash, Part-II. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1985

on December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

First Floor of property No. S-229, Greater Kailash Part-II. New Delhi 33% of 300 sq yds.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range, VII New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1986

### (1) Smt. Ishwar Loond, M-273, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rupinder Kaur, Λ-202, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/12 85/355.—Whereas, 1, V. K. MANGOTRA,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. S/250, Greater Lailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office; at New Delhi

on December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid resperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by nov other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S/250, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 300 sq. yards.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-VII, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--28-226G1/86

Date: 14-8-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/12-85/386.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvements having a fair realist union to be the composite that the improvements having a fair realist union. immovable property, having a fair market value exceeding

Him Nation property, having a Rs. 1,00,000/- and bearing E-372, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and more fully described in the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985

150 tket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the nansferor to pay tux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Prabha Puri, B-592, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amerjit Singh Johar, C-139, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property n y be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

E-372, Greater Kailash-II, New Delhi 250 sq. yards.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range, VII Now Delhi

Date: 14-8-1986

,(1) Col. Sardar Singh Bhasin, 26/1, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chitrelekha Ghose, D-292, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHT

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-111/12-85/360.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

D-292, Detence Colony, New Delhi

(and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985

on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULT

Property No. D-292, measuring 325 sq. yards, Defence Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Commissioner Income-tax
Acquisition Range, VII
New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 44/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEI.HI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC. 'Acq. V/New Delhi.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinaster referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S-24, Green Park Extension, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under I.T. Act 1961

has been (ransterred under I.T. Act 1961 in the Office of the IAC (Acq.) R-V at New Delhi on 4th February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transforor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

(i) Shri P. C. Baweja, B-5, Satuarjung Enclave, New Delhi-29

(Transferor)

(2) Shii G. Sagar Sui & Sons (HUI), Sagar Apartments, Tilak Marg, New Delui.

(fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made la writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoreable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

S-24, Green Park Etension, New Delhi.

ASHOK K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, V New Delhi

Date : 13-8-1986 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUESTION RANGE-VII, AGGARWAI HOUSE, 47:14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. Range-V, New Deihi.—Whereas, J, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Y-26, Hauz Khas, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act. 1961 in the Office of the IAC (Acq.) Range-V at New Delhi in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the panies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jatendra Nath Verma, Shri Brij Mohan Lal, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Wahi, Snit. Kanchan Wahi, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property No. Y-26, Hauz Khas, New Delhi, measuring 200 sq. yards.

> ASHOK, K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Rcf. No. IAC/Acq.V/SR-III/12-85/1321.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000 - and bearing No.

F-30, Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Homai Maneckshaw Yyarawalla and Dr. Farouq Vyarawalla, 17, Matru Chhaya Society, Nizampura, Vadodara-390002, (Gujarat State).

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Jain and Smt. Kusum Jain, B-1/30-A. Hauz Khas Enclave. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  $\star$  may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Double Storey residential house built on Plot No. F-30, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

> ASHOK K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, New Delhi

Date: 13-8-1986

# FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. 1AC/Acq.V/SR-III/12-85/326.—Whereas, 1, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

F-43, Panchshilla Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been as which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gurmukh Singh Anand, No. S-43, Panchshilla Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shi Ravi Vachani, Mrs. Tina Vachani, B-22, Mayfair Garden, Hauz Khas Enclave, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used become an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning on given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. S-43, measuring 600 sq. yards, Panchshilla Park, New Delhi,

ASHOK K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
New Delhi

Date: 13-8-1986

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.Range-V, New Delhi.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H-31, Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (Acq.), on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kaushalaya Rani Malohotra, Shri Ramesh Chander Malhotra, Shri Rajesh Chander Malhotra, Shri Anil Malhotra and

Shri Pradip Malhotra.

New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Indu Rai. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property say be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Ground floor with garrage and servant quarter above the garrage on first floor and 60% undivided share in the land measuring 277.8 sq. yards. Part property bearing No. H-31, Green Park Extension New Delhi. Total measuring 463 sq. yards.

ASHOK K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-V, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

Mr. Manju Modi. Mr. R. K. Modi. New Delhi,

New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dwarka Das Khurana, Mr. Narender Kumar Khurana, Mr. Ravinder Kumar Ahuja, Mrs. Sunita Ahuja,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

VCONISILION KYNCE-V G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.Range-V, New Delhi.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act') are reason to believe that the immovable as the 'said Act'. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. 1, Kaushalya Park (Surya Mansion), Hauz Khas, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under J.T. Act, 1961 in the office of the LA.C. (Acg.) Range-V, New Delhi in March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument  $\alpha'$  transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202, measuring 836 sq. ft. at Surya Mansion No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi-110016.

ASHOK K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range, New Dolhi

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the the issue of this notice under subaforesaid property by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--29-226GI/86

Date: 13-8-1986

#### FORM ITNS ---

 Mr. P. A. V. Pillai,
 Cambridge Layout, 3rd Main Road, Bangalore-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri D. C. Rastogi, S-252, Gcater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAI. HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-I

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq./V/37-EE/3-86|1726.—Whereas, I. A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-53, situated at Sarvodaya Enclave, New Delhi (and more fully described in the Solvable appeared bases)

B-53, situated at Sarvodaya Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1961 in the office of the I.A.C. (Acq.) Range-V, New Delhi in March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or THE SCHEDULE

B-53, Sarvodaya Enclave, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tay Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Deihi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/37EE/12-85/951.—Whereas I, S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 14 situated at Sri Ram Road, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1961 in the office of the I.A.C. (Acq.) Range-V, New Delhi in December 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Attar Chand Khanna, Sh. Jawahar Lal Khanna & Sh. Promod Chand Khanna, 7-Hailey Rord, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Tushar Bhargava, M/s. Surya Holdings Pvt. Ltd. and Mr. S. K. Bhargava, A-21, Oberoi Apartment, 2-Shyam Nath Marg, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

14, Sri Ram Road, Civil Lines, Delhi measuring 1149 Sq. Mt.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomy-tax
Acquisition Range-VI
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 13-8-1986

#### FORM ITNS .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  M/s. Capricon Industrials Ltd. B-4/205, Satdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ram Kishan Associates (P.) Ltd., E-31, Green Park, New Delhi-16.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 13-8-1986

Ref. No. 1AC/Acq-V1/37EE/12-85/1154.—Whereas I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 107 & 108, Plot No. 16 & 17 situated at Pushpa Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

the Registering Officer at IAC ACQ. III, New Delhi on December 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the spid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 101, 107 & 108 on first floor, Plot Nos. 16 & 17, Local Shopping Centre, Pushpa Vihar, New Delhi, Total Area of Three flats—1205 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Aggarwal House
4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 13-8-1986

#### FORM ITNS—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-I

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq VI/37EE/12-85/1155.—Whereas I, S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 103, 104 & 105, Plot No. 16 & 17 situated at

Pushpa Vihar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the IAC ACQ. VI, New Delhi on December 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Ms. Capricon Industries Ltd., B-4/205, Safdarjung Enclave, New Delhi.
- (2) M/s. Tech Consultants. E-31, Green Park, New Delhi-16.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 103, 104 & 105, on first floor, Plot Nos. 16 & 17. Local Shopping Centre. Pushoa Vihar, New Delhi, Total area of four flats—1205 Sq. ft.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

> > New Delhi, the 13-8-1986

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/12-85/1156.—Whereas. I. S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, 109 & 110 Plot No. 16 & 17 situated at Pushpa Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and registered in the

office of the IAC ACQ, III, New Delhi in December, 1985 IAC ACQ, III, New Delhi on December 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income ANV moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

M/s. Capricon Industrial Ltd., B-4/205, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. R. K. & Associates, E-31, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 106, 109 & 110 on first floor, Plot No. 16 & 17, Local shopping Cente Pushpa Vihar, New Delhi. Area of three flats—1205 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 13-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 2/Dec. 85.—Whereas, 1, SRI A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 1, Sterling Road, Madras-34, situated at Nungambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 576/85,

in December 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. B. Govindarajulu, s/o Mr. R. Bakthavathsalu, Flat No. 1, 18, Wheaterofts Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

 Messrs. Tata Iron and Steel Company, 'Bombay House',
 Homi Mody St., Bombay-400 023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat, III Floor, Door No. 1, Sterling Road, Madras-34. Thousandlights, Door No. 576/85.

A. R. REDDY
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J1. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section \*169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-8-1986

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 6/Dec. 85.—Whereas, J. SRI A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. R.S. No. 533/12, Block No. 29, Door No. 19 situated at Wheat Crofts Road, Nungambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regstering Officer at Thousandlights/Doc. No. 606/85 in December 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have now been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Sri Abid Mirza Namazi, 19A, Flat No. 6, Wheat Crofts Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri K. T. M. Ahamed Mustafa, 7, 4th St., N. H. Road. Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning  $\epsilon_3$  given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building Door No. 19, Wheatcrofts Road, Nungambakkam, Madras-34,
Thousandlights/Doc. No. 606/85.

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-8-1986

#### FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 8/Dec. 85,--Whereas, 1,

SRI A. R. RÉDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 16-A, East Lokamanya St., R.S. Puram,

situated at Coimbatore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at Coimbatore/Doc. No. 5589/85 in December 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--30---226GI/86

 Sri D. Ramswarup, s/o Diptyal, Residing at 16A, East Lokamanya St., R.S. Puram, Coimbatore. Smt. Raj Rani Ramsarup Malhotra, w/o Sri D. Ram sarup, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri Ramchand Radha Kishindas, (HUF), s/o Radhakishindas Hindujas, and Gopichand Radhakishindas, HUF, 60 (New D. No. 114), Venkutasay Road, R.S. Puram Combatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cleapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Bldgs. D. No. 16A, Old T.S. No. 8/547 to 550, part old T.S. No. 6 of ward 7, New T.S. No. 8/863, Block 22, Site No. 13, Block 17, R.S. Puram, Coimbatore. Coimbatore/SRO Doc. No. 5589/85.

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 1/Dec. 85.—Whereas, I, SRI A. R. REDDY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'saidd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Door 12. Nungambakkam High Road, situated at Madras-34,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) n the office of the Registering Officer at Thousandlights / Doc. No. 570/85 on Dec. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent f such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evision of the flability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. R. V. Sarojini Devi. 12, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) M/s, Vorion Chemicals & Distilleries Ltd., By Managing Director, Mr. N. P. V, Ramaswamy Udayar, 10, Shriman Srinivasan Road, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ask. shall have the same meaning as given in the

# THE SCHEDULE

Land and bungalow: 'Dunduan' No. 4B (Now No. 12) Nungambakam High Road, Madras-34.

Thousandlights / Doc. No. 570/85.

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1986

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 3/Dec. 85.—Whereas, J,

SRI A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (thereinafter referred to as the saidd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24, College Road,

situated at Madras-6,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 583/85 in December 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for une purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :---

(1) M/s Apex Constructions, Lakshmi Bhavan (IV Floor) 609, Mount Road, Madras-600 006.

(Transfero.)

(2) M/s Padmapriya Real Estates, 24, College Road, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: No. 24, College Road, Madras-6, Thousandlights/Doc. No. 583/85

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Padma Priya Real Estates, 24, College Road, Madras-34.

(Transferor)

 M/s Apex Constructions, Lakshmi Bhavan,
 4th Floor,
 609, Mount Road,
 Madras-6.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Ref. No. 4/Dec. 85.—Whereas, I, SRI A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 24, College Road,

situated at Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Competent Authority at Thousandlights Doc. No. 583/85 in December 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and apparent consideration when the fair market value of the property are aforesaid exceeds the property and the property are aforesaid exceeds the property and the property are aforesaid exceeds the property are aforesaid

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building: No. 24, College Road, Madras-6. Thousandlights/Doc. No. 583/85.

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1986

Ref. No. 7/Dcc.85.--Whereas, I.

SRI A. R. REDDY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agricultural land 49, Somanjeri village

situated at Kovalam Panchayat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Thirupporur/Doc. No. 2773/85 in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the lightity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unions from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. D. B. Kotian, No. 31, Miami 70A, Bhulabhaidesai Road, Bombay-400026.

(Transferor)

(2) Mrs. Zubaida Begum (Partner), Shift Farms and representing the said firm residing at Triplicane High Road, Madras-5.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land 49, Somanjeri Village, Kovalam Panchayat, Kovalam. Thirupporur/Doc. No. 2773/85

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 6-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# (1) Sri S. R. Gnanam, S/o S. Ramachandran, Vijayaraghavachari Road, 1st Cross Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Kum. M. Bhanupriya, No. 27/1, Habibullah Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

#### SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1986

Ref. No. 11/Dec.85.—Whereas, I, SRI A. R. REDDY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs., 1,00,000/- and bearing

No. 4, Vijyaraghavachari Road, situated at I Cross Street. T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 3681/85

in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and Building: No. 4, Vijayaraghavachari Road, I Cross Street, T. Nagar, Madras-17.
Madras South/Doc. No. 3681/85

A, R, REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:-

Date: 6-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1986

Ref. No. 15/Dec.85.-Whereas, I,

SRI A. R. REDDY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- a nd bearing No. 9, Shanmugha Mudali Street,

situated at Royapettah, Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras Central Doc. No. 1221/85

in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **ist /vr** 

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 727 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri K. Srinivasan, No. 17, Gowdiya Mutt Road, Royapettah, Madras-600014,

(Transferor)

Bai Devji Asher, (2) Smt. Jamuna 162, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: No. 9, Shanmugha Mudali Street, Royapettah, Madras-14. Madras Central/Doc. No. 1221/85

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 6-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 7th August 1986

Ref No. 5/Dec.85.—Whereas, I, SRI A. R. REDDY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 811, Anna Salai, Madras-2 (and more fully described in the Schedule property hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 605/85

in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- nding the red of the transferor to pay tax w ne aridae fr eni'/er
- 10) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in paramence of Section 2690 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-Scal:

(1) M/s. Vummidiars Shopping Centre, Rep. by V. Sudhakar, V. Ramaiah, No. 811, Anna Salai, Madras-2,

(Transferor)

(2) Sri Vikram A. Jogani, Aditya A. Jogani, Hayagriv A. Jogani, Mahavir B. Jogani, Rep. by Bharat Jogani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: 811, Anna Salai, Madras-2, Thousandlights/Doc. No. 605/85.

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 7-8-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Sri K. Umapathy Sivam, 19, Karunikar Street, Vadapalani, Madras-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Badrinathan and others, B. 254, 50th Street, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 7th August 1986

Rcf. No. 17/Dec.85.—Whereas, I, SRI A. R. REDDY

SRI A. R. REDDY being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herchastic referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agricultural land—Kottakaram situated at Mavalur village, Sciperumpudur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 3601/85 in December, 1985

in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the thir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) inciditating the reduction or evaples of the aferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the trans
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural Jands at Kottakaram and Mavalur village Sriperampudur Taluk.

Madras North/Doc. No. 3601/85

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madras-600006

Date: 7-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the tioresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ---: vermen, namely 31-226GI/86

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### Sri R. Santhanakrishnan Chettiar, 74, Calve Subraya Chettiar Street, Pondicherry-605001.

(Transferor)

(2) Smt. Neena Devi, Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry-605002.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 7th August 1986

Ref. No. 16/Dec.85.—Whereas, I, SRI A. R. REDDY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. 6-A, TS. No. 72, Ward C, Block 23, Resurvey No. 239 pt. Jawaharlal Nchru Street, Pondicherry Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pondicherry/Doc. No. 3012/85 in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of land and building: 6A, Jawaharlal Nehru St., Pondicherry. Pondicherry/Doc. No. 3012/85

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Alow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Sri R. Natarajan, S/o Sri K. P. Ramasami, No. 18, Gilchrist Avenue, Chetput, Madras-600 031.

(Transferor)

(2) Smt. K. Tamil Selvi, No. 18, Gilchrist Avenue, Chetput, Madras-31.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th August 1986

Ref. No. 1/December/85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to behave that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 18, Gilchrist Avenue, Harington Road,

Chetput, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1441/85) on December 1985

at Periamet (Doc. No. 1441/85) on December 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1912 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tun Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 18, Gilchrist Avenue, Chetput, Madras-31.

(Doc. No. 1441/85).

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 4-8-1986

#### FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th July 1986

Ref. No. 2/December/85.—Whereas, 1.
R. JANAKRIRAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 28, Thirunarayana Avenue, New Avadi Road, Kilpauk, situated at Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1396/85) on 4-12-1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Sri Cherukuru Prabhakar Reddy,
 2. Sri C. Ramachandra Reddy
 3. Sri C. Priyamvada Reddy,
 SG-4, Railways Quarters,
 Sterling Road, Madras-34.

(Transfere.

(2) Mrs. Mumtaaz Kabier, W/o A. V. M. Ahamed Kabier, No. 87, Harrington Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 28, Thirunarayana Avenuc, New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10. (Doc. No. 1396/85).

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-

sons, namely :-

Date: 25-7-1986

#### FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th July 1986

Ref. No. 3/December/85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herenafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

1, Rajarathnam Street, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Periamet (Doc. No. 1424/85) on 11-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. G. Atmarama Rao, M.S., No. 2, Rajaratnam Street, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

 Shri R. Rajaratnam, No. 150, Poonamallec High Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 1, Rajarathnam Street, Kilpauk, Madras-10. (Doc. No. 1424/86).

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 28-7-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st July 1986

Ref. No. 4/December/85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. T.S. No. 16/1 and 16/2 situated at Ammapet Village, Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem East (Doc. No 3748/85) on 13-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. P. V. Subbammal and Others, No. 49, Arthanari Chetty St., Shevapet. Salem Town.

(Transferor)

(2) Sri S. Rajamannar and his brothers, Sons of Sri R. Srinivasa Chettiar, 22, Andal Street, Shevapet, Salem Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined, in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes.

# THE SCHEDULE

Land and Building (Cinema Talkies) at Ammapet, Salem Town, in T.S. No. 16/1 and 16/2 called Jyothi Talkies measuring 29,076 Sq. ft. (Doc. No. 3748/85)

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1986

A REAL PROPERTY OF THE PROPERT

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1986

Ref No. 5/December/85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 162, Govindappa Naicken Street, situated at
Modree 1.

Madras-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Sowcarpet (Doc. No. 624/85) on December 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); moneyes or other assets which have not been or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jamuna Bai, No. 162, Govindappa Naicken St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri Moolchand Kothari and 4 Others, No. 28, Ramaswami Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 162, Govindappa Naicken Street, Madras-1. Doc. No. 624/85).

> R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 5-8-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1986

Ref. No. P.R. No. 4648.Acq.23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immuovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land with building bearing S. No. 620/P/622/2, 622/7
and 627/P of Baroda, Kasba, Baroda.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at at 37/EE, A'bad on 24-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformed property and I have reseen to believe that the fair number value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Paushak Ltd., Regd. Office, Alembic Road, Baroda-390 003.

(Transferor)

(2) M/s. Paraan Ltd. Regd. Office; Udyog Mandir, No. 1, Bhagoji Keer Marg, Hahim, Bombay-400 016.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the afersaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The form No. 37 EE is fixed in this office on 24-1-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susceion (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

Date: 1-8-1986

#### WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1986

Ref. No. P. R. No. 4649 Acq. 23-II/86-87.--Whereas, 1 A. K. SINHA.

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Rs. No. 308.1 (1.S. No. 777) of Babajipura, Baroda (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 24-2-86 Baroda on 24-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the inhibity of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; BRUL SE
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following лети / пяте**ју.—** 32—226GI/86

(1) Shri Chardulal Mohanlal Ghanchi, Urte Lotwala, Chokhand Wadi, Baroda.

(Transferor)

(2) Kanam Pradesh Patidar Seva Samaj, President : Shri Chunibhai Chhitabhai Patel, A/1, Ajanta Society, R.C. Dutt Road, Baroda.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The sale-deed was registered by S.R. Baroda on 24-2-86 in respect of A.C. Rs. 8,48,450/-.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II, Ahmedahad

Date: 1-8-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Hindustan Pencils Pvt. Ltd., 510, Himakya House, 79 Patton Road, Bombay-1.

(Transferor)

 Apsara Art Materials Pvt. Ltd., 510, Himakya House, 79, Palton Road, Bombay-1.

(Transferre)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1986

Ref. No. P. R. No. 4650 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason so believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-1 type Shed No. 292, G.I.D.C., Umbergaon, Dist.:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE, A'bad on 9-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have recent to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of aransfer with the object of:—

(a) facilitating the seduction or evacing of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

-4/40

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The Form No. 37 EE is fixed on 5-4-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 1-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Vijaykumar Somesvarpuri Goswami & Others. Bhimnath Mandir, Sayaji Ganj, Buroda.

(Transferor)

(2) Lal Buil De Corporation. Kubar Bhavan. Bajaj Road, Vile Parle (West), Bombay-400 066,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUGE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1986

Ref. No. P. R. No. 4651 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immaovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 378 to 402 (Part), Kasba Vadodara, Sayaji Ganj, Beroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) of the registering Officer at 37 EE, Ahmedabad on 2-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The Form No. 37 EE is fixed in this office on 2-1-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :-

Date: 1-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> > Ahmedabad, the 4th August 1986

Ref. No P R. No. 4652 Acq. 23-II/86-87.--Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Ghordod Road, Athwa Lines, Surat, T.P.S. 5, F.P. 559A & 559B Form No. 37FE is submitted in the Office of undersigned on 24-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Jaswantlal Ranchhoddas & Others, Begampura, Khangad Sheri, Surat.

(Transferor)

 M/s. M. S. Corporation & Others, C/o J. M. Ganatra, 903, Triveni Appartments, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37 EE is submitted in the Office of the undersigned in February 1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4653 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Shop No. 8 at Trade House, Ward No. 3, Nondh No. 2886/

B-2 & B-3, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Surat on 6-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arizing from the transfers endlor

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---33-226GI/86

(1) Manish Corporation, Trade House, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Priyadarshani, Prop : Zaimudin Mohammad Diwan, 606, Badrinath Apartments, Ambica Niketan. Athwa Lines, Surat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat vide No. 175 dated 6-1-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Date: 4-8-1986

### PORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shantilal Ishwarlal Shah, 126/28, Veer Savarkar Marg, Ganesh Bhavan 2nd Floor, Mahim, Bombay-400 016.

(Transferor)

 M/s. Perma Seal Auto Products Pvt. Ltd., 51, Summerset House, Opp. Warden Road, Bombay-400 026.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4654 Acq. 23-11/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the income property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 261/2 land at Village Bhimpore, Dist. Daman (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Daman on 5-2-86 & 7-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorelile property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Daman vide No. 15 & 16 dated 5-2-86 & 7-2-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACE. 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, he 4th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4655 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Surat, Majura Ward Old S. No. 107 194, Ward No. 13 Nodh No. 1610 T.P.-6, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Surat on 25-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Nanubhai Nathubhai Mali, Ashok Niketan, Hira Modini Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. R. T. Son, Partner: Nitinkumar Ratilal & Others, 33/4, Diwalibaug, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat vide No. 1796 dated 25-2-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I/II
> Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 4-8-86

FORM ITUS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Niranjanaben Babubhai Parikh, Bombay.

(Transferor)

(2) Vasantlal Ishwarlal Shroff, Bungalow No. 60, Sugam Society, Rander Adajan Road, Surat.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref.No. P.R. No. 4656 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bungalow No. 60, Sugam Co-op. Housing Society, Ward No. 17, Nodh No. 461 & 462 Paiki, Adajan Rander Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat vide No. 219 dated 10-2-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-8-86

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, hc 4th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4657 Acq. 23-II/86-97.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing S. No. 173 Sim of Gundlav, Tal.

Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Valsad on 2-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslit-tax Act, 1957 (27 of 1957))

(1) Jitendra Balubhai Desai & Others, Kailash Road. Valsad.

(Transferor)

(2) M/s. Naner Industries, Vishal Apartments, Mathurdas Vasanji Road, Near Prakash Studio, Andheri (East), Bombay-400 065.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The sale-deed was registered by S.R. Valsad on 3-1-86 in respect of A.C. Rs. 5,20,000/-.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-8-86

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF IHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref No. P.R. No. 4658 Acq. 23-11/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land bearing C.S.T. No. 3749 of Bhagdavad, Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Valsad on 7-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

 Janardhan Bapubhai Desai, Maninagar Society, Tithal Road, Valsad.

(Transferor)

(2) M/s. Divyesh Corporation, "Matrukrupa", Behind Bagini Samai, Halar Road, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The Form No. 37G was filed on 7-5-86 in the office of S.R. Valsad.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-86

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4659 Acq. 23-II/86-87,---Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Building bearing R.S. No. 533 C.T.S. No. 1999.3, 1995.1, 1955.2 of Sayaji Ganj, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eracion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kamla Laxmiben Ishverlal Sheth, Krishna Kunj, R. C. Road, Baroda.

(Transferor)

 Shri Krishna Corporation, Satish Chhotabhai Patel, Manjalpur, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same uneaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The sale-deed was registered by S.R. Baroda in February 1986 in respect of A.C. Rs. 25,01,700/-. Ahmedabad

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4660 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

as the 'sata Act.), have reason to believe that the inhibitation property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 3 bearing City Survey Nos. 2157(part), 2158|A|1c, 2158|A|D, 2158|A|1|B(Part), 2885|B|2, Plot No. 1, 2885|B|2, Plot No. 3 and 2885|B|2, Plot No. 4 in the Registration District and Sub-District at Surat contained by admeasurement 17564.58 sq. metres and the structures built thereon by M/s Sarjeev Builders P. Ltd. a company having Registered Office at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay

New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Sanjeev Builders P. Ltd.
 Kedia and Parasram Puria Enterprises, 351/2, Mittal Towers,
 'A' Wing,
 Nariman Point,
 Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) M/s Sanjeev Premises Co-operative Housing Society Ltd., C/o Dineshbhai Pacheriwala, 211-A, India Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ward No. 3 bearing City Survey Nos. 2157 (Part), 2158| A|Ic, 2158|A|D, 2518|A|IB (Part), 2885|B|2, Plot No. 1, 2885|B|2, Plot No. 3 and 2885|B|2, Plot No. 4 in the Registration District and Sub District at Surat contained by admeasurement 17564,58 sq. metres and the structures built thereon by M/s. Sanjeev Builders P. Ltd., a company having Registered Office at Bombay.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedab y

Date: 4-8-86